शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

रविवार, 14 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल 03 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 267

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	27.1	10.0
जमशेदपुर	26.8	09.2
डालटनगंज	26.7	06.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * * *

पेज 8-9

...यहां सबको सूट नहीं करता दलबदल

सत्य शरण मिश्रा। रांची। यह चुनावी साल है. लोकसभा के बाद झारखंड में विधानसभा के भी चुनाव होने हैं. जाहिर है सांसद और विधायक बनने के लिए नेता लोग खूब उछल-कूद करेंगे. जल्द ही जोर-शोर से दलबदल का सिलसिला शुरू होगा. झारखंड के प्रमुख राजनीतिक दल झामुमो, कांग्रेस और भाजपा के कई बड़े नेता टिकट पाने के लिए दल बदलेंगे. राजनीतिक दलों में हाशिए पर जा चुके और कभी कद्दावर नेता माने जाने वाले नेता जो अब अप्रासंगिक हो चुके हैं, वे भी टिकट पाने के लिए एक बार फिर हाथ-पैर मारेंगे. झारखंड के अधिकांश बड़े नेताओं ने दल बदला है, लेकिन सभी को दलबदल रास नहीं आया है. ऐसे कुछ ही नेता हैं, जो दल बदलने के बाद फायदे में रहे हैं, जबकि अधिकांश दलबदलुओं का राजनीतिक करियर लगभग समाप्ति की ओर है.

दल बदलने वाले अधिकांश नेता हो गये फ्लॉप, राजनीतिक कॅरियर भी लगभग खत्म

- गिरिनाथ, लालचंद, केसरी, देवकुमार धान, राधाकृष्ण, गौतम सागर राणा जैसे नेता हो गये फ्लॉप
- अर्जुन मुंडा, बाबूलाल, बाउरी, अन्नपूर्णा, जेपी, चंद्रवंशी, बन्ना जैसे नेताओं को दल बदलने से हुआ फायदा

दल बदल कर फ्लॉप हो गये ये नेता

गिरिनाथ सिंह

गिरिनाथ सिंह राजद का बड़ा चेहरा थे. मंत्री भी रहे. जब राजद कमजोर हुआ, तब दल बदल दिया. 2019 के विस चुनाव से पहले भाजपा में आ गये, लेकिन यहां भी हाशिए पर ही रहे. कार्यसमिति सदस्य बन कर हाशिए पर हैं.

गौतम सागर राणा

गौतम सागर राणा बगोदर से विधायक रहे. कई बार राजद के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे. कई बार दल बदला. झाविमो में रहे, फिर राजद में गये. राजद छोड़ कर पार्टी बनाई, लेकिन फ्लॉप रहे. अब एक बार फिर वे राजद में आ चुके हैं.

राधाकृष्ण किशोर

राधाकृष्ण किशोर की पलामू में अच्छी पकड़ है. पहले चर्चित चेहरा थे, लेकिन अभी हाशिए पर हैं. समता पार्टी, फिर जदयू, कांग्रेस, भाजपा और आजसू होते हुए वे राजद में हैं. भाजपा से टिकट कटा, तो आजसू से लड़े, लेकिन हार गये.

ताला मरांडी

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बोरियो से विधायक रहे ताला मरांडी 2019 में आजसू में गये थे. चुनाव हारे तो आजसू में हाशिए पर चले गये. थक हार कर फिर से वे भाजपा में शामिल हुए, लेकिन भाजपा में भी अबतक हाशिए पर ही हैं.

लालचंद महतो

पूर्व मंत्री लालचंद महतो कभी राज्य का बड़ा कुर्मी चेहरा थे. जनसंघ से राजनीति शुरू की, जनता दल में गये. वहां मन नहीं लगा तो अपनी पार्टी बना ली. फिर भाजपा में गये. फिर जदयू में गये. वहां से भी सपा में शामिल हो गये.

रामचंद्र केसरी

रामचंद्र केसरी भवनाथ पुर से विधायक रहे, मंत्री बने. फिर जदयू से राजद में गये, लेकिन फ्लॉप रहे. बाबूलाल मरांडी के जेवीएम में रहे. अब इन दिनों बचा-खुचा राजनीतिक करियर चलाने के लिए भाजपा में शामिल हो गये.

देवकुमार धान: पूर्व मंत्री देवकुमार धान भी कभी बड़ा आदिवासी चेहरा थे. कांग्रेस के टिकट पर मांडर से चुनाव जीतते रहे थे. बाद में भाजपा में चले आये. भाजपा ने 2019 में सिटिंग विधायक का टिकट काट कर इन्हें दिया, फिर भी हार गये. पिछले साल उपचुनाव में भाजपा ने इन्हें किनारे कर दिया, तो ये ओवैसी की पार्टी में चले गये.

दल बदल कर इन्हें मिली सफलता

अर्जुन मुंडा

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने झामुमो से राजनीति की शुरुआत की थी. बाद में वे भाजपा में आये. यह दलबदल उनकी जिंदगी में सफलता लेकर आया. झारखंड में भाजपा के प्रमुख नेता बने. मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष रहे. अब केंद्र सरकार में मंत्री हैं.

बाबूलाल मरांडी

पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने भाजपा छोड़ कर अपनी पार्टी झाविमो बनाई. 14 साल तक उन्होंने भाजपा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की. भाजपा ने भी उन्हें डैमेज किया, लेकिन 2019 में वे फिर से भाजपा में आ गये. भाजपा ने आते ही उन्हें विधायक दल का नेता चुना. अब वो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं.

अमर बाउरी

अमर बाउरी झाविमो के टिकट पर जीत पहली बार विधायक बने थे. दल बदल कर भाजपा में आ गये. भाजपा ने उन्हें राज्य में मंत्री का पद दिया. बाबूलाल मरांडी के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद अब पार्टी ने उन्हें विधायक दल का नेता बनाया है.

रामचंद्र चंद्रवंशी

रामचंद्र चंद्रवंशी विश्रामपुर से भाजपा के विधायक हैं. पहले राजद के टिकट पर चुनाव जीतते थे. राजद छोड़ कर भाजपा में आये. चुनाव जीते और मंत्री का पद पाया. फिलहाल पार्टी में अच्छी स्थिति में हैं.

संजय सेठ

संजय सेठ भाजपा के कार्यकर्ता थे. उपेक्षा हुई तो झाविमो में शामिल हो गये. फिर वापस आये. तत्कालीन सीएम रघुवर दास की कृपा हुई और झारखंड खादी बोर्ड के अध्यक्ष बने. 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान किस्मत खुल गई. भाजपा ने उन्हें रांची से चुनाव लड़ाया. जीत गये. अब तो पीएम मोदी भी इनकी तारीफ करते हैं.

ब्रीफ खबरें

पुरुलिया में साधुओं पर हमले को ले विवाद

पुरुलिया/कोलकाता। पुरुलिया में तीन साधुओं पर एक भीड़ द्वारा इस संदेह में हमला किए जाने का कथित वीडियो आया है कि वे साधु के भेष में अपहरणकर्ता थे. इसको लेकर राजनीतिक विवाद उत्पन्न हो गया और भाजपा ने राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त होने का आरोप लगाया. टीएमसी ने भी भाजपा पर घटना को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश करने का आरोप लगाया. कथित वीडियो में गंगासागर मेले के लिए जा रहे साधुओं के साथ पुरुलिया के काशीपुर में लोगों के एक समूह द्वारा धक्का-मुक्की करते देखा जा सकता है. इस बीच, पुलिस ने कहा कि इस संबंध में 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. उसने कहा कि साधुओं को हर संभव सहायता प्रदान की गई. घटना के संबंध में किसी भी तरह का सांप्रदायिक रंग नहीं है. इसे बढ़ा कर पेश न करें.

-पेज 15 भी देखें

केजरीवाल 18 को हाजिर हों: ईडी

नयी दिल्ली। ईडी ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चौथी बार समन जारी किया है. आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी.

मॉरीशस में हिंदुओं को मिली विशेष छुट्टी

पोर्ट लुईस। मॉरीशस सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम के तहत 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान पूजा-अर्चना में शामिल होने के लिए हिंदू धर्म के लोकसेवकों को दो घंटे का विशेष अवकाश देने का निर्णय किया है.

झारखंड में सरकारी कार्यालय से करोड़ों के गबन की 78वीं फाइल गायब

खानापूर्ति के लिए केस

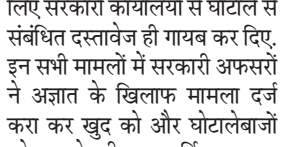

अमित सिंह। रांची

झारखंड में सरकारी कार्यालय से करोड़ों के गबन की 78वीं फाइल गायब हो गयी है. गायब फाइल 20 करोड़ रुपए के संदिग्ध निकासी कर भुगतान से संबंधित थी. इस मामले में 12 जनवरी को कोतवाली थाना में मामला दर्ज कराया गया. 20 करोड़ के गबन से संबंधित फाइल पेयजल विभाग रांची के रुक्का प्रमंडल से मिसिंग है. फाइल किसी और ने नहीं, 20 करोड़ के संदिग्ध निकासी ममाले के मास्टरमाइंड शीर्ष कार्य प्रमंडल के कैशियर संतोष कुमार ने खुद गायब की है. करोड़ों के घोटालेबाज जब खुद को फंसता देखते हैं, तो मामले की फाइल ही गायब कर देते हैं. उसके बाद एफआईआर की खानापूर्ति होती है. जांच के नाम पर कागजी कार्रवाई के बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है.

प्रदेश में सरकारी कार्यालय से फाइल गायब होने का यह पहला मामला नहीं है. प्रदेशभर में अबतक ऐसे 78 मामले दर्ज हो चुके हैं. जिन मामलों की फाइलें गायब हुई हैं, उनमें ज्यादातर मामले वित्तीय अनियमितता एवं जमीन घोटालों से संबंधित हैं. ये ऐसे मामले हैं जिनमें भ्रष्टाचारियों ने खुद को बचाने के लिए सरकारी कार्यालयों से घोटाले से संबंधित दस्तावेज ही गायब कर दिए. इन सभी मामलों में सरकारी अफसरों ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज करा कर खुद को और घोटालेबाजों को बचाने की खानापूर्ति का काम किया है.

शुभम संदेश ने किया था खुलासा, अब जांच प्रभावित

शुभम संदेश ने 6 जनवरी को 20 करोड़ की निकासी शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी. जिसमें बताया था कि कैसे वर्ष 2019-20 के अलावा वर्ष 2022-23 और 2023-23 में कुल 64 चेक से 20 करोड़ की संदिग्ध निकासी कर भुगतान किया गया है. इस मामले में अगले ही दिन पेयजल विभाग जांच कमेटी बनाई. जिसका नेतृत्व अपर सचिव डॉ नेहा अरोड़ा कर रही हैं. जांच टीम में मुख्यालय के मुख्य अभियंता शिशिर सोरेन, संयुक्त सचिव सदानंद झा, लोहरदगा प्रमंडल के लिपिक अमरेश कुमार और रुक्का प्रमंडल के लेखा पदाधिकारी शामिल हैं. जांच टीम ने जैसे ही अपनी कार्रवाई शुरू की, रुक्का प्रमंडल के तत्कालीन कार्यपालक अभियंता से संपर्क किया, वैसे ही करोड़ों के संदिग्ध भुगतान से संबंधित फाइल गायब हो गई. दस्तावेज के अभाव में जांच प्रभावित हो गयी है.

एजी का खुलासा : पेयजल व स्वास्थ्य विभाग में हुई करोड़ों की वित्तीय घोटाबाजी

20 करोड़ की निकासी

संदिग्ध डीडीओ कोड प्रतिबंधित करने का निर्देश

शुभम संदेश में प्रकाशित खबर

इन विभागों से गायब हो चुकी है फाइल

प्रदेश के सरकारी कार्यालयों से फाइलें चोरी हुई हैं, उनमें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और उपायुक्त कार्यालय भी शामिल हैं. इनके अलावा अपर समाहर्ता कार्यालय रांची, राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, सेंट्रल यूनिवर्सिटी, रांची यूनिवर्सिटी, झारखंड रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी, शिक्षा विभाग, जिला कल्याण विभाग रांची आदि शामिल हैं. इस संबंध में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है. प्राथमिकी में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि घोटालों में शामिल लोग ही सरकारी कार्यालयों से दस्तावेज गायब करवा रहे हैं.

अरबों की वित्तीय गड़बड़ी की जांच प्रभावित

एक अनुमान के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में 676 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितता, जमीन घोटाले से संबंधित दस्तावेज या संचिका सरकारी कार्यालय से गायब हो चुकी हैं. रांची की कोतवाली, धुर्वा, गोंदा और नामकुम थानों में ऐसे एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हो चुके हैं. ये ऐसे मामले हैं जिनमें भ्रष्टाचारियों ने खुद को बचाने के लिए सरकारी कार्यालय से घोटाले से संबंधित दस्तावेज ही गायब कर दिए.

इस तरह समझें कब-कब फाइलें कहां-कहां से गायब हुईं

- **केस स्टडी-1 :** 16 जुलाई 2023: सीबीआई के कांके रोड स्थित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई. यह प्राथमिकी एसीबी निर्गत शाखा में पदस्थापित आरक्षी राजू रंजन कुमार ने दर्ज करायी है.
- **केस स्टडी-2 :** 15 जून 2023: झारखंड रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी के कार्यालय से 10 महत्वपूर्ण फाइलें गायब हो गई हैं. रजिस्ट्रार कर्नल डॉ. राजेश कुमार ने इस संबंध में 16 जून 2023 को गोंदा थाने में एफआईआर दर्ज कराई है.
- **केस स्टडी-3 :** रांची के अपर समाहर्ता भू-हदबंदी कार्यालय से कई जमीनों के दस्तावेज गायब हो गए हैं. इसे लेकर अपर समाहर्ता राकेश कुमार ने कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है.
- **केस स्टडी-4 :** राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा धुर्वा थाने में तत्कालीन अवर सचिव सुनील कुमार ने प्राथमिकी दर्ज कराई. यह प्राथमिकी विभागीय सचिव के निर्देश पर कराई गई.
- **केस स्टडी-5 :** रांची विवि द्वारा शिक्षकों को सातवें वेतनमान के एरियर के रूप में राज्य सरकार को गलत जानकारी देकर लिए गए 109.50 करोड़ रुपए से संबंधित मामले की संचिका गायब हो गई है. आनन-फानन में विवि के जिम्मेवारों ने गायब संचिका की जानकारी थाने को दी.

लोहड़ी की धूम

राजधानी रांची मे धूमधाम से मनायी गयी लोहड़ी

ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को फिर लिखा पत्र

16-20 के बीच जवाब के साथ हाजिर हों

संवाददाता। रांची

इससे पहले भी ईडी ने सीएम को लिखा था पत्र

बता दें कि ईडी ने पिछले महीने को जमीन घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में सीएम हेमंत सोरेन से पूछताछ की जगह, वक्त, तारीख बताने को कहा था. ईडी ने अपने पत्र में कहा था कि हेमंत सोरेन इस मामले में जांच अधिकारी को अपनी सुविधानुसार तारीख, स्थान आदि के बारे में सूचित करें ताकि मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में उनका बयान दर्ज किया जा सके. प्रवर्तन निदेशालय ने मुख्यमंत्री से 31 दिसंबर 2023 तक जवाब मांगा था. ईडी ने यह भी चेताया था कि यदि इस बार भी सोरेन बयान देने के लिए हाजिर नहीं होते हैं तो एजेंसी धन शोधन रोधी कानून के प्रावधानों के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू करने पर विवश होगी.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने एकबार फिर पत्र भेजा है. इस पत्र को आठवां समन बताया जा रहा है. इस पत्र में हेमंत सोरेन से ईडी के अधिकारियों के समक्ष उपस्थित न होने को लेकर सवाल पूछा गया है. जानकारी के मुताबिक, ईडी ने सीएम को 16 से 20 जनवरी तक इस पत्र का जवाब देने के साथ हाजिर होने को कहा है. पत्र के माध्यम से सीएम को आठवां समन देने की बात कही जा रही है.

सीएम की डकैती के लिए 8वां समन कोई मायने नहीं रखता: निशिकांत : गौरतलब है कि ईडी ने सीएम को अब तक सात बार समन भेजे हैं. लेकिन किसी भी समन पर वो ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए. इस दौरान लगातार दोनों तरफ से पत्राचार हो रहे हैं. सीएम की तरफ से अबतक पत्र भेज कर ही जवाब दिया गया है. हालांकि बताया जा रहा है कि इस बार ईडी ने जवाब के साथ उपस्थित होने को भी कहा है. इसको लेकर गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने भी एक्स पर पोस्ट लिखी है. उन्होंने कहा है कि आप (आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल) के पाप के लिए 4 था और झारखंड के मुख्यमंत्री की डकैती के लिए 8वां समन कोई मायने नहीं रखता. केजरीवाल जी तो हल्ला मचा रहे हैं, हमारा मुख्यमंत्री तो चुपचाप रजाई में घुस कर जाड़ा काट रहा है. कम से कम शिबू सोरेन जी की इज्जत तो रखिए, इस्तीफा दीजिए और एजेंसियों के प्रश्न का जवाब दीजिए.

आयोजन कांग्रेस ने कहा- यह वैचारिक यात्रा है, चुनाव से लेना-देना नहीं, ये 10 साल के अन्याय काल पर केंद्रित

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज मणिपुर से आगाज

एजेंसी। इंफाल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी रविवार को मणिपुर की राजधानी इंफाल के पास थोबल से 67 दिवसीय भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आगाज करेंगे. राहुल और इस यात्रा में शामिल होनेवाले लोग पहुंच चुके हैं. कांग्रेस ने यात्रा शुरू होने से पहले दावा किया कि यह चुनावी नहीं, बल्कि वैचारिक यात्रा है. पिछले 10 साल के अन्याय काल के खिलाफ है. कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, देश के सामने एक ऐसी विचारधारा की चुनौती है जो ध्रुवीकरण, अमीरों को और अमीर बनाने तथा तानाशाही में विश्वास करती है. आरोप लगाया कि देश में अब लोकतंत्र कम, एक तंत्र ज्यादा है.

-शेष पेज 13 पर

सामाजिक न्याय का मुद्दा केंद्र में रहेगा

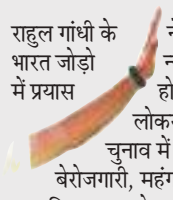

राहुल गांधी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा में प्रयास होगा कि लोकसभा चुनाव में बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों को विमर्श के केंद्र में लाया जाए. यह यात्रा इंफाल के पास थोबल से शुरू होगी और मार्च के तीसरे सप्ताह में मुंबई में समापन होगा. यह यात्रा 67 दिन में 15 राज्यों और 110 जिलों से होकर गुजरेगी.

इंडिया गठबंधन की मीटिंग में नीतीश कुमार ने कहा- मुझे नहीं चाहिए कोई जिम्मेदारी

अगर ऐसा है तो लालू जी को संयोजक बना दीजिए

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने इंडिया का संयोजक बनने से मना कर दिया है. शनिवार को इंडिया की वर्चुअल मीटिंग में इस पर अलग-अलग दल के नेताओं ने अपनी बात रखी. इसमें नीतीश ने अपनी बात कह दी कि वह संयोजक नहीं बनेंगे. नीतीश के इनकार के बाद कुछ दलों ने लालू के नाम का प्रस्ताव संयोजक के लिए दिया. इस पर नीतीश ने कहा कि अगर ऐसा है तो लालू जी को ही बना दीजिए. दरअसल 2024 के लोस चुनाव को देखते हुए गठबंधन में शामिल दलों की बैठकें हो रहीं हैं. अभी तक संयोजक पद पर फैसला नहीं हुआ है कि किसे दिया जाए. उम्मीद थी कि नीतीश को संयोजक बनाया जाएगा, लेकिन उनकी ना के बाद अब फिर से सवाल अटक गया है कि संयोजक किसे बनाया जाए. हालांकि इंडिया के अध्यक्ष पद के लिए खरगे का नाम तय हो गया है. उधर, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा कि हमारे नेता से देश आकर्षित हैं. हमारे नेता का एजेंडा संयोजक बनना नहीं है. हमारा एजेंडा भाजपा हटाओ देश बचाओ का है. कहा कि इंडिया आकार ले चुका है, जिसको लेकर भाजपा को बेचैनी हो रही है.

जानिए वर्चुअल मीटिंग में कौन-कौन नेता शामिल हुए

वर्चुअल मीटिंग में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, एनसीपी चीफ शरद पवार, नीतीश कुमार, माकपा नेता सीताराम येचुरी, तमिलनाडु के सीएम और डीएमके चीफ स्टालिन समेत 14 दलों के नेता शामिल हुए. सूत्रों के मुताबिक बैठक में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, सपा नेता अखिलेश यादव और शिवसेना (उद्धव गुट) चीफ उद्धव ठाकरे शामिल नहीं हुए.

ब्रिटिश उच्चायुक्त की पीओके यात्रा पर भारत ने जताया रोष!

ये घोर आपत्तिजनक और पूरी तरह अस्वीकार्य है...

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत सरकार ने ब्रिटिश उच्चायुक्त जेन मैरियट का पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यात्रा पर कड़ा विरोध जताया है. विदेश मंत्रालय ने ब्रिटिश उच्चायुक्त की इस यात्रा को आपत्तिजनक बताया है. इस संबंध में आधिकारिक विज्ञप्ति भी जारी की गई है.

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का इस तरह का उल्लंघन पूरी तरह से अस्वीकार्य है. इस मामले पर विदेश सचिव ने भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त के समक्ष कड़ा विरोध भी दर्ज कराया है. विदेश सचिव के मुताबिक केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न अंग हैं और रहेंगे.

मीरपुर दौरे की तस्वीरें की साझा: पाकिस्तान में ब्रिटेन की उच्चायुक्त जेन मैरियट ने ''एक्स'' पोस्ट पर 10 जनवरी को मीरपुर की यात्रा की कई तस्वीरें साझा की थीं. उन्होंने कहा था, मीरपुर से सलाम, ब्रिटेन और पाकिस्तान के लोगों के बीच संबंधों का दिल! 70 फीसदी ब्रिटिश पाकिस्तानी मूल रूप से मीरपुर से हैं, जिससे हम सभी का साथ मिल कर काम करना प्रवासी हितों के लिए अहम है. अपने आतिथ्य सत्कार के लिए आभार!

खास बातें

- हमारी क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन कतई बर्दाश्त नहीं है

सूची सभी प्रक्षेत्र के आईजी कार्यालय में भेज दी गयी है, किसी तरह की आपत्ति हो तो संबंधित अधिकारी को दे सकते हैं आवेदन

गृह विभाग ने जारी की पुलिस सेवा के 243 अफसरों की वरीयता सूची

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड राज्य पुलिस सेवा के 243 पदाधिकारियों की औपबंधिक वरीयता सूची जारी की गयी है. यह वरीयता सूची झारखंड गृह विभाग ने जारी की है. साथ ही इस सूची को सभी प्रक्षेत्र के आईजी, डीआईजी, वरीय पुलिस अधीक्षक और एसपी कार्यालय को भी उपलब्ध करायी गयी है. वरीयता सूची में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर संबंधित पुलिस पदाधिकारी को गृह विभाग में आवेदन दे सकते हैं.

जानें वरीयता सूची में किन 243 पदाधिकारियों के नाम हैं: झारखंड गृह विभाग द्वारा जारी वरीयता सूची में सरोजनी लड़का, अलमेड़ा एक्का, शिवेंद्र, सादिक अनवर रिजवी, अरविंद कुमार सिंह 1, विकास कुमार पांडेय, विजय आशीष कुजूर, राधा प्रेम किशोर, मुकेश कुमार महतो, शत्रुघ्न रजक, दीपक कुमार शर्मा, राजकुमार मेहता, शंभू कुमार सिंह, अजय कुमार सिन्हा, अनुदीप सिंह, पूज्य प्रकाश, दीपक कुमार 1, सहदेव साव, मजरूल होदा, अमित कुमार सिंह, अजीत कुमार, राजेश कुमार, मुकेश कुमार, दीपक कुमार पांडेय, अनिमेष नैथानी, अजय कुमार 1, आरिफ एकराम, डॉ विमल कुमार, अविनाश कुमार, मनीष टोप्पो, कैलाश करमाली, पीतांबर सिंह खेरवार, रौशन गुड़िया, श्रीराम समद, निशा मुर्मू, सुरजीत कुमार, विरेंद्र कुमार चौधरी, राहुल देव बड़ाइक, खिस्टोफर केरकेट्टा, प्रभार रंजन बरवार, अनूप कुमार बड़ाईक, समीर कुमार तिर्की, हीरालाल रवि, वचनदेव कुजुर, रजत मणि बाखला, विनोद कुमार महतो, शशि प्रकाश, अजय कुमार, जगदीश प्रसाद, अमित कुमार, सतीश चंद्र झा, पुरुषोत्तम कुमार सिंह, वेंकटेश्वर रमण, प्रमोद कुमार केसरी, संदीप कुमार गुप्ता, विकास चंद्र श्रीवास्तव, सुमित कुमार, राजा कुमार मित्रा, राजकिशोर, अजीत कुमार विमल, चंदन कुमार वत्स, ज्ञानरंजन, कैसर अली, पवन कुमार, अमर कुमार पांडे, मनोज कुमार महतो, रणवीर सिंह, मनोज कुमार झा, अभिषेक कुमार, धीरेंद्र नारायण बंका, प्रकाश तिवारी, सुदर्शन कुमार आस्तिक, संजय कुमार, विजय कुमार महतो, प्रवीण कुमार सिंह, नीरज कुमार, संजीव कुमार बेसरा, अजीत कुमार सिन्हा, अजय केरकेट्टा, जयदीप लकड़ा, विनोद रावानी, मनीष कुमार, जीत वाहन उरांव, नजीर अख्तर, दिलीप खलखो, अशोक कुमार सिंह, संतोष कुमार, सुनील कुमार रजवार, मुजीब उर रहमान, भूपेंद्र प्रसाद रावत, आनंद ज्योति मिंज, तौकीर आलम, समीर कुमार सवैया, श्रद्धा केरकेट्टा, बहामन टूटी, पूनम मिंज, बैजनाथ प्रसाद, फैज अकरम, दीपक कुमार, अमित कुमार कच्छप, प्रदीप उरांव और अरविंद कुमार वर्मा का नाम शामिल है.

- वरीयता सूची में सरोजनी लड़का, अलमेड़ा एक्का, शिवेंद्र, सादिक अनवर रिजवी और अरविंद कुमार सिंह 1 के नाम हैं
- विकास आनंद लागुरी, संदीप भगत, अनुज उरांव, प्रदीप पाल कच्छप और आशीष कुमार महली के नाम भी वरीयता सूची में हैं

इसके अलावा विकास आनंद लागुरी ,संदीप भगत, अनुज उरांव, प्रदीप पाल कच्छप, प्रकाश सोए, आशीष कुमार महली, अरविंद सिंह बिन्हा, शकील आबिद शम्स, मंगल सिंह जमुदा, नवनीत एंथोनी हेंब्रम, कपिंदर उरांव, विश्वजीत बक्स राय, महेंद्र सिंह मुंडा, विजय कुमार, मनोज कुमार राय, प्राण रंजन कुमार, वशिष्ठ नारायण सिंह, नितिन खंडेलवाल, सुमित प्रसाद, नेहा बाला, यशोधरा, नौशाद आलम, विमलेश कुमार त्रिपाठी, संतोष कुमार मिश्र, आशुतोष कुमार सत्यम, अशोक रविदास, कुलदीप कुमार, सरिता मुर्मू, पवन कुमार, नवीन कुमार सिंह, आलोक रंजन, अरविंद कुमार साजिद जफर, जय श्री कुजुर, मुस्तफा अंसारी, वरुण रजक, प्रकाश चंद्र महतो, चंद्रशेखर आजाद, मनोज कुमार, संदीप सुमन, महेश प्रजापति, राजीव कुमार, किशोर कुमार रजक, रंजीत कुमार लकड़ा, गोपाल कालुंडिया, विजय कुमार कुशवाहा, वरुण देवगन, सुमित सौरव लकड़ा, राजेंद्र प्रसाद, अखिल नीतीश कुजुर, अमिता लकड़ा, ओम प्रकाश, सिरिल कुमार मरांडी, प्रमोद कुमार मिश्र, कृष्ण कुमार महतो, कमलेश सिंह, अवध कुमार यादव, जयप्रकाश सिंह, राजेंद्र कुमार दुबे, अनिल कुमार सिंह, सुधीर कुमार, अमरनाथ, नीरज कुमार सिंह, भोला प्रसाद सिंह, नवीन कुमार लकड़ा, शमशाद आलम शमसी, मनीष चंद्र लाल, केदारनाथ राम, परमेश्वर प्रसाद नबीन चंद्र दास, जयप्रकाश नाग, जितेंद्र कुमार सिंह, संजीव कुमार मिश्रा, संजय कुमार सिंह और जयप्रकाश नारायण चौधरी के भी नाम वरीयता सूची में है.

वरीयता सूची में हेलेन सोय, रीतिभान सिंह, वीरेंद्र कुमार राम, प्रवेज आलम, दीप नारायण रजक, जितेंद्र कुमार , सुमन गिनी नाग, अरुण कुमार तिर्की, राजेश कुजुर, डेविड ए दोडराय , तारामणि बाखला, पतरस बिरुवा, राकेश नंदन मिंज, ईकडू डुंगडुंग, नोवेल कुजुर, हिमांशु चंद्र मांझी, बैजनाथ होरो, तालो सोरेन, रिमेजियस टोप्पो, सत्येंद्र नारायण सिंह, नीरा प्रभा टोप्पो, दिल्लू लोहार, परम प्यारेलाल खलखो, सिप्रियन बागे, शशिकांत, सुधांशु कुजुर, वीरेंद्र बाड़ा, संचमान तमांग, विजय शंकर चौधरी, आनंद मोहन सिंह, अंजनी कुमार तिवारी, आमोद नारायण सिंह, संजय कुमार, अरविंद कुमार 2, कमल किशोर, संजीव कुमार सिंह, तेतरू उरांव, अजीत कुमार कुजूर, अलविनुस बाड़ा, वीरेंद्र कुमार पांडे, राज नारायण सिंह, शिव शंकर तिवारी, संजय कुमार राणा, अरविंद कुमार सिंह, अशोक कुमार 1, सियाशरण प्रसाद, सुमन आनन, अशोक कुमार 2, विनोद कुमार, यज्ञ नारायण तिवारी, अमरेंद्र नारायण कुमार, तालकेश्वर राम, टेशलाल राम, बेनेडिक्ट मरांडी, गंदरु उरांव, बिंदेश्वर महतो, अनिमेष कुमार गुप्ता, सत्येंद्र सिंह, जोना योगेंद्र मुर्मू, कुलदीप टोपनो, महावीर शिलानंद किंडो, आलोक कुमार टूटी, प्लेयर किस्कू, प्रमोद कुमार सिंह ,अंकिता राय, रोहित रंजन सिंह, प्रदीप कुमार, रोहित कुमार, सुरेश प्रसाद यादव और धनंजय कुमार के नाम भी शामिल हैं.

171024 को धोती, 2770846 को साड़ी और 1055676 को मिला लुंगी

झारखंड में 40 लाख लोगों के बीच बंटी धोती-साड़ी और लुंगी

लाभुक प्रसन्न

- गढ़वा में एक भी लाभुक को योजना का लाभ नहीं मिला
- लोहरदगा में सिर्फ 64 लोगों को योजना का लाभ मिला

रवि भारती। रांची

राज्य सरकार के खाद्य आपूर्ति विभाग की लूंगी-धोती-साड़ी योजना का लाभ 3997546 लोगों को मिल चुका है. 12 जनवरी 2024 तक 171024 लोगों के बीच धोती, 2770846 को साड़ी और 1055676 लोगों के बीच लूंगी का वितरण हो चुका है. फिलहाल 3763407 लोगों के बीच धोती-साड़ी और लुंगी बांटी जानी हैं. गढ़वा और पूर्वी सिंहभूम में एक भी लाभुक को इस योजना का लाभ नहीं मिल पाया है. वहीं लोहरदगा में सिर्फ 64 लोगों को ही इस योजना का लाभ मिल पाया है.

धनबाद में 3 लाख से अधिक साड़ी का वितरण

राज्य सरकार के खाद्य आपूर्ति विभाग की लुंगी-साड़ी योजना के तहत लाभुकों को लाभान्वित किया जा रहा है. इसमें धनबाद में सबसे अधिक 351532 लोगों के बीच साड़ी का वितरण किया जा चुका है. वहीं बोकारो में 239695 लोगों के बीच साड़ी का वितरण हुआ है. सबसे अधिक धोती का वितरण बोकारो में हुआ है. बोकारो में 151435 लोगों के बीच धोती बांटी गयी है. वहीं धनबाद में 112973 और देवघर में 111778 लोगों के बीच धोती का वितरण हुआ है.

किस जिले में कितनों को मिली धोती-साड़ी और लुंगी

जिला का नाम	धोती (संख्या)	साड़ी (संख्या)	लुंगी (संख्या)
बोकारो	51435	239695	87930
चतरा	94702	154223	59255
देवघर	111778	17854	66620
धनबाद	112973	351532	138062
दुमका	1226	2024	797
पूर्वी सिंहभूम	00	00	00
गढ़वा	00	00	00
गिरिडीह	141081	230596	89102
गोड्डा	178	177	00
गुमला	72235	118859	46354
हजारीबाग	86745	138986	51882
जामताड़ा	87136	142110	54887
खूंटी	21087	33746	12560
कोडरमा	58366	92116	33638
लातेहार	34370	55518	21040
लोहरदगा	22	32	10
पाकुड़	80222	131716	51306

किस जिले में कितनी बांटी जानी हैं धोती-लुंगी और साड़ी

जिले का नाम	धोती-लुंगी-साड़ी (संख्या)
बोकारो	121393
चतरा	55092
देवघर	78996
धनबाद	134751
दुमका	276677
पूर्वी सिंहभूम	488111
गढ़वा	282490
गिरिडीह	225074
गोड्डा	283896
गुमला	64727
हजारीबाग	205011
जामताड़ा	23891
खूंटी	83311
कोडरमा	28616
लातेहार	96096
लोहरदगा	105086
पाकुड़	64282

गेस्ट फैकल्टी के लिए करना चाहिए अलग नीति निर्धारण

नीड बेस्ड सहायक प्राध्यापक का तमगा देने पर उच्च शिक्षा सचिव का किया विरोध

प्रमुख संवाददाता। रांची

गेस्ट फैक्लटी को नीड बेस्ड सहायक प्राध्यापक कहे जाने पर शिक्षकों ने आपत्ति जतायी है. इस मसले को लेकर शनिवार को सहायक प्राध्यापकों की बैठक डॉ. त्रिभुवन कुमार शाही की अध्यक्षता में हुई. बैठक को संबोधित करते हुए डॉ शाही ने कहा कि शुक्रवार को उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राहुल पुरवार ने मीडिया के समक्ष विभाग की उपलब्धियां गिनाईं. साथ ही विभाग के कार्यक्रमों से भी अवगत कराया.

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में घंटी आधारित शिक्षकों का पारिश्रमिक को बढ़ा कर 57,700 रुपये प्रति माह कर दिया गया है. साथ ही यह भी व्यवस्था की गयी है कि पूरा वेतन मिले. यह स्वागत योग्य है, लेकिन गेस्ट फैकल्टी का नाम बदल कर नीड बेस्ड (जरूरत आधारित) सहायक प्राध्यापक करने की बात पर आपत्ति जताते हुए इसका विरोध किया गया.

बहाली की प्रकृति देखी जानी चाहिए

बैठक में इस बात को भी रखा गया कि पहले बहाली की प्रकृति देखी जानी चाहिए. यह देखा जाना चाहिए कि दोनों पदों के लिए बहाली कैसे ली गई है. बहुत से ऐसे अतिथि शिक्षक हैं, जो 65 की उम्र के बाद पुनः गेस्ट में नियुक्त हुए हैं, तब उनका सेवानिवृत्ति 123 वर्ष में होगी क्या? यदि दोनों पद को यदि मर्ज ही करना है, तब 2008 में बहाल शिक्षकों के साथ क्यों नहीं कर देते. गेस्ट कब और किस पत्रांक तथा दिनांक के साथ बहाली हुए हैं उसे भी देखा जाना चाहिए. घंटी आधारित सहायक प्राध्यापक की बहाली झारखंड सरकार के संकल्प संख्या 04/वि01 135 /2016 के तहत किए गए प्रावधानों के द्वारा यूजीसी के मापदंडों के अनुरूप हुई है. प्रधान सचिव को यह ध्यान रखना चाहिए कि दोनों पदों की प्रकृति अलग-अलग है. गेस्ट फैक्लटी के लिए अलग नीति निर्धारण करना चाहिए. यह सरकार की जिम्मेवारी है कि जो भी करे उनके हित के लिए करे. हमलोगों के साथ मर्ज करने की पहल न करें अन्यथा विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा विभाग में अनिश्चितकालीन तालाबंदी के साथ पुरजोर विरोध किया जाएगा.

नक्सल और अपराध को लेकर रांची जोनल आईजी ने की समीक्षा

रांची । नक्सल और अपराध को लेकर रांची जोनल आईजी ने शनिवार को समीक्षा बैठक की. इसमें रांची और कोल्हान रेंज के डीआईजी के अलावा रांची, जमशेदपुर के एसएसपी और चाईबासा, सरायकेला, गुमला, खूंटी, सिमडेगा और लोहरदगा जिले के एसपी शामिल हुए.

आईजी ने बैठक में लंबित मामलों के साथ ही साथ निष्पादित कांडों की समीक्षा की. साल 2023 में दर्ज नक्सली के साथ ही साथ आपराधिक वारदातों की जानकारी ली. उन मामलों के अनुसंधान में क्या प्रगति हुई है, कितनी गिरफ्तारियां हुई हैं, इसकी जानकारी भी हासिल की. गैंगस्टर, जेल से बाहर कुख्यात नक्सली, संगठित आपराधिक गिरोह के अपराधियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की गई. अईजी ने जानकारी ली कि अभियान में पुलिस को किस तरह सफलता मिल रही है. आईदी ने अपराधियों व नक्सलियों के खात्मे के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाने को कहा, ताकि उनमें पुलिस का खौफ रहे और वे कोई अपराध न कर सकें.

CLASSIFIED

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रविवार, 14 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल 03 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 267

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

एफआईएच महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर

रोमांचक मुकाबले में यूएसए से हारा भारत

जर्मनी, जापान और न्यूजीलैंड ने जीत से किया आगाज

शुभम किशोर। रांची

एफआईएच महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर मुकाबले में शनिवार को भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही. अपने पहले मुकाबले में भारत को यूएसए के हाथों 1-0 गोल से मात मिली. मोरहाबादी के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन जीत अंततः अमेरिकी लड़कियों ने अपनी झोली में डाल ली.

मुकाबले के पहले क्वार्टर में यूएसए की टीम पर भारत की बेटियां हावी रहीं. यूएसए ने एक के बाद एक कई प्रहार किए. लेकिन भारतीय कप्तान सविता पुनिया ने सभी प्रहारों को विफल किया. मुकाबले के दूसरे क्वार्टर में यूएसए की टीम ने भारत के डिफेंस को भेदने में सफलता पाई. 16 वें मिनट में अबिगेल तमेर ने फील्ड गोल कर यूएसए को 1-0 की लीड दिलाई. भारत ने जवाब में कई प्रहार किए. लेकिन उन्हें गोल में बदल नहीं पाए. मुकाबले के अंतिम मिनट तक दोनों टीमों ने लगातार प्रयास किए, लेकिन गोल करने में असफल रहें. प्लेयर ऑफ द मैच का ख़िताब यूएसए की कप्तान गोलकीपर अमांडा गोलिनी को मिला .

भारत और यूएसए के मुकाबले से पहले झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन शामिल हुए. उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया. इस मौके पर हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह मौजूद थे. एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर के पहले दिन मैदान के अंदर दर्शक तो दिखे, लेकिन कुछ सीटें खाली भी दिखीं. भारत के मुकाबले तक स्टेडियम में 90 फीसदी सीट भरी रही. भारत के मुकाबले से पहले शानदार आतिशबाजी ने सभी को कैमरा निकालने पर मजबूर कर दिया. वहीं हॉफ टाइम के दौरान नागपुरी गानों पर दर्शक खूब थिरकते नजर आए.

जर्मनी ने चिली को 3-0 से हराया

एफआईएच महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर का शनिवार को रांची में आगाज हुआ. मोरहाबादी के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में पहला मुकाबला जर्मनी और चिली के बीच खेला गया. पहले मुकाबले में जर्मनी ने टिकट टू ओलंपिक की शुरुआत चिली को 3-0 से हरा कर की. जर्मनी ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए पहले क्वार्टर में 2-0 कि बढ़त बनायी. एफआईएच महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर का पहला गोल 7वें मिनट में सेलिन ओरुज ने किया. जर्मनी को मिले दूसरे पेनाल्टी कार्नर को गोल में तब्दील कर मुकाबले में 1-0 की बढ़त बनायी. दूसरा गोल 10वें मिनट में जेत्ते फ़्लेस्कुटज ने शानदार फील्ड गोलकर लीड को 2-0 किया.

जापान ने चेक रिपब्लिक को 2-0 से हराया

शनिवार को खेला गया दूसरा मुकाबला जापान ने जीता. जापान का मुकाबला चेक रिपब्लिक से था. जिसमें जापान ने 2 - 0 से जीत दर्ज की. मुकाबले का पहला गोल 4 मिनट पर जापान ने दाग कर चेक रिपब्लिक पर दबाव बनाना शुरू किया. जापान की ओर से मीयू सुजुकी ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया. पहले हॉफ में 1- 0 की बढ़त लेने के बाद जापान ने दूसरा गोल 40वें मिनट में किया. चेक रिपब्लिक की गलती के कारण जापान को पेनाल्टी स्ट्रोक मिला. जिसे शिहोरी ओळकावा ने गोल में बदला. इस मुकाबले में जापान शुरुआत से हावी रहा. इस मैच को दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर स्टेडियम में मौजूद रहे.

न्यूजीलैंड ने इटली को 3-0 से हराया

टूर्नामेंट का तीसरा मुकाबला न्यूजीलैंड और इटली के बीच खेला गया. न्यूजीलैंड ने यह मुकाबला इटली से 3-0 गोल से जीत लिया. न्यूजीलैंड ने शुरुआत से आक्रामक रुख अपनाते हुए लगातार इटली पर हमले बोले. मुकाबले के 7 वें मिनट में न्यूजीलैंड ने पहला गोल किया.पेनाल्टी कॉर्नर को फ्रांसिस डेविस ने गोल में तब्दील किया. पहले हाफ में 1-0 से लीड लेने के बाद दूसरे हाफ में भी न्यूजीलैंड हावी रहा. एक के बाद एक पेनाल्टी कॉर्नर हासिल कर इटली पर दबाव बढ़ाते गए. मुकाबले के 51 वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर को फ्रांसिस डेविस ने गोल में तब्दील कर मुकाबले में अपना दूसरा गोल किया. वही 53 वें मिनट में स्टेफनी डिकिंस ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर मुकाबले को 3-0 से जीता.

ब्रीफ खबरें

मकर संक्रांति कल,सजीं तिलकुट की दुकानें

रांची। अगले दो दिनों तक मकर संक्रांति का त्योहार है. मकर संक्रांति के अवसर पर राजधानी का तिलकुट बाजार सजधज कर तैयार हो गया है. पूरा बाजार तिलकुट की सोंधी खुशबू से सुगंधित हो रहा है. हरमू में महेश तिलकुट भंडार पिछले 25 वर्षों से दुकान लगा रहे हैं. संचालक महेश साव ने बताया कि शुरू में महज 5 हजार से कारोबार शुरू किया था. आरंभ में महंगाई भी कम थी, अब महंगाई का जमाना है, इस बार 2 लाख का तिलकुट बना कर दुकान में सजा कर बेच रहे हैं. तिलकुट को गया के सात कारीगर पिछले 2 माह से दुकान में तैयार कर रहे हैं.

धनबाद पब्लिक स्कूल का किया गया घेराव

धनबाद। एनएसयूआई ने धनबाद पब्लिक स्कूल के मुख्य गेट के पास मृत छात्रा का शव रखकर सड़क जाम किया. तीन घंटे तक स्कूल बसों के आवागमन को पूर्णतः रोक दिया गया. संगठन के द्वारा प्रबंधन पर लगातार दबाव बनाया गया. उसके पश्चात वार्ता हुई. वार्ता के बाद एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया कि वार्ता में नियोजन और आर्थिक मदद पर समझौता हुआ. जिसमें मृत छात्र की मां को स्कूल में रोजगार देने की बात हुई है, तथा श्राद्ध कार्य के लिए 51000 रुपया आर्थिक मदद देने पर भी समझौता हुआ. मौके पर जिला उपाध्यक्ष रवि पासवान, जिला महासचिव रोहित पाठक, पीके राय कॉलेज के अध्यक्ष राज रंजन सिंह, जयप्रकाश यादव, सोहेल अली, अमन प्रसाद, मोहित कुमार समेत दर्जनों मौजूद थे.

रिम्स में हजारीबाग कारा के दो कैदियों की मौत

रांची। हजारीबाग केंद्रीय कारा के दो कैदियों की रिम्स में इलाज के दौरान शनिवार को मौत हो गई. मृतक कैदियों में बालकिशुन महतो और अरुण ठाकुर शामिल हैं. रिम्स के कैदी वार्ड में दोनों कैदियों को भर्ती कराया गया था. जिसमें एक कैदी को 10 जनवर को भर्ती कराया गया था, जबकि दूसरे कैदी को 12 जनवरी को भर्ती कराया गया था. दोनों ही कैदियों को हजारीबाग जेल प्रशासन के द्वारा रिम्स में भर्ती कराया गया था. बीती 7 जनवरी को 78 वर्षीय बाल किशुन महतो को अचानक पेट में दर्द और उल्टी होने लगी. जिसके बाद उसे जेल में तैनात डॉ राहुल कुमार के सुझाव पर शेख बिहारी मेडिकल कॉलेज हजारीबाग में भर्ती कराया गया. कैदी बालकिशुन महतो की तबीयत में सुधार नहीं होता देख डॉक्टरों ने उसे 9 जनवरी को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया था.

साधुओं की टोली के साथ मारपीट पर बोले भाजपा के पुरुलिया सांसद

बंगाल में हिंदू होना अपराध

रंजीत कुमार सिंह। धनबाद

किया दावा

- पुरुलिया में पालघर -2 होने से बचा लिया
- साधुओं को बरेली तक छोड़ने जा रहा हूं

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में गुरुवार को यूपी के तीन साधुओं के साथ मारपीट के मामले को लेकर पुरुलिया भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने ममता बनर्जी सरकार पर जम कर निशाना साधा. कहा कि बंगाल में हिंदू होना ही बड़ा अपराध है. क्योंकि गंगासागर जैसे तीर्थ जाने वाले साधुओं के साथ भी राजनीतिक द्वेष के कारण हमला किया जा रहा है. ऐसे में आम हिंदू कितना सुरक्षित हैं, आप समझ सकते हैं .

पुरुलिया के भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो पीड़ित साधुओं को अपनी सुरक्षा में स्कॉट कर शनिवार को पुरुलिया से यूपी ले जा रहे थे. इस दौरान वह धनबाद के सर्किट हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने साधुओं के साथ हुई घटना की जानकारी मीडिया को दी. उन्होंने कहा कि साधुओं पर हुए हमले की घटना 11 जनवरी की है. साधुओं की टोली यूपी के बरेली से पुरुलिया होकर गंगासागर जा रही थी. पुरुलिया में चेकिंग नाका पर शेख अनवर नामक शख्स, जो बंगाल पुलिस का ही सहयोगी है, उसने साधुओं को देखते ही बच्चा चोर कहते हुए चिल्लाना शुरू कर दिया. देखते ही देखते भीड़ इकट्ठा हुई और साधुओं पर हमला बोल दिया. यह दृश्य बिल्कुल ही पाल घर में घटित मॉब लिंचिंग की तरह ही थी. घटना की सूचना स्थानीय लोगों के द्वारा जैसे ही मुझे दी गयी मैं घटनास्थल पर पहुंचा. किसी प्रकार से साधुओं को भीड़ से निकाल कर उन्हें सुरक्षित जगह ले आया और साधुओं का प्राथमिक उपचार कराया. उक्त स्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद थे, जिन्होंने साधुओं से मिल कर घटना की तीव्र निंदा की और इस घटना के लिए क्षमा भी मांगी.

बंगाल में कानून व्यवस्था ध्वस्तः सासंद

इस घटना को लेकर उन्होंने ममता बनर्जी पर वोट बैंक के लिए एक समुदाय को खुश करने का भी आरोप लगाया. उन्होंने कहा की पश्चिम बंगाल में हिंदू होना ही अपराध है .वहां कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है. वहां ईडी के अधिकारियों पर हमले होते हैं पर ममता बनर्जी की सरकार कोई एक्शन नही लेती और उसके उलट साधुओं पर भी हमला कर दिया जाता है.

सांसद ने बचा दी जानः बोले साधु

वहीं पीड़ित साधु मधुर गोस्वामी ने बताया कि उनकी टोली यूपी से गंगासागर के लिए चली थी. पुरुलिया में भीड़ ने दक्षिणा देने के नाम पर रोक लिया और गाड़ी से निकलने पर भीड़ ने बच्चा चोर कह कर मारपीट शुरू कर दी. सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो के प्रयास से ही हमारी जान बच पायी है.

रेलवे व बंगाल पुलिस का फर्जी नियुक्ति पत्र बरामद, भेजे गए जेल

रेलवे में नौकरी के नाम लाखों की ठगी, दो गिरफ्तार

रिजवान। धनबाद

खास बात

- राजमहल के युवक से की थी साढ़े छह लाख की ठगी

धनबाद पुलिस ने शनिवार को रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने वाले दो युवकों को पकड़ कर जेल भेज दिया है. दोनों के खिलाफ साहिबगंज, राजमहल निवासी आशीष कुमार यादव ने धनबाद थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी. पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से रेलवे का फर्जी नियुक्ति पत्र और बंगाल पुलिस का फर्जी नियुक्ति पत्र भी बरामद किया है.

राजमहल के नया बस्ती निवासी आशीष कुमार यादव ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया है कि उनके बगल गांव के रहने वाले अनिल कुमार और अमित कुमार सेंगर खुद को रेलवे का अधिकारी बताते थे. इसी कारण उनकी दोनों से बातचीत होती थी. बातचीत के क्रम में ही उन लोगों ने रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा दिया और उनको धनबाद बुला कर लाए. धनबाद लाने के बाद कई दफ्तरों का चक्कर लगवाया. फिर धनबाद में ही उन्हें तीन बार में साढ़े छह लाख रुपए दिए गए. एक बार में तीन लाख 75 हजार, दूसरी बार में एक लाख और एक लाख 75 हजार रुपए दो अलग-अलग बैंक खातों में जमा किए गए. कुछ दिनों बाद डाक के माध्यम से रेलवे का नियुक्ति पत्र उसके घर पहुंचा. बाद में पता चला कि उक्त नियुक्ति पत्र फर्जी है. तब आशीष ने दोनों से अपने रकम की मांग की. दबाव बनाने पर दोनों ने तब कहा कि एक और क्लाइंट लाकर दो, तब रकम वापस कर देंगे. क्लाइंट देने के बहाने से दोनों को धनबाद बुलाया गया और मामले की खबर धनबाद थाने में दी गई.

पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों को दबोच लिया गया. इसी क्रम में दोनों के पास रेलवे और बंगाल पुलिस का फर्जी नियुक्ति पत्र बरामद किया गया. फिलहाल पुलिस ये भी पता कर रही है कि दोनों ने और कितने लोगों को ठगा है.

पटाखे की दुकानों में लगी आग, 15 वाहन जले

पूर्वी सिंहभूम

संवाददाता। बहरागोड़ा

चाकुलिया में केरुकोचा हाट में पटाखे की दुकान में शनिवार को भीषण आग लग गई. आग की चपेट में आकर 13 बाइक, कार और ऑटो जलकर राख हो गए. हादसा केरुकोचा साप्ताहिक हाट में हुई. घटना के दौरान लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई. हालांकि, एक घंटे की मशक्कत के बाद दमकल की गाड़ियों ने आग को बुझा दिया.

बताया जाता है कि एनएच-18 के समीप हर मंगलवार को साप्ताहिक हाट लगती है, लेकिन मकर संक्रांति पर यहां शनिवार को भी हाट लगी थी. पटाखों की दुकान भी थी. इसी बीच दुकान में पटाखे की चिंगारी से आग लग गई, जो बगल की दुकानों में भी फैल गयी. आग की लपटें इतनी तेज थीं कि उसकी जद में दुकानों के अलावा मैदान में खड़ी कई बाइक और ऑटो भी आ गए, जो पूरी तरह से जल गए. सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियां आग बुझाने में जुट गईं.

एक दर्जन से अधिक पटाखों की दुकानें लगी थीं

मैदान में सिर्फ पटाखे की एक दर्जन से अधिक दुकान लगी थीं. ग्रामीणों का कहना है कि पहले एक दुकान में आग लगी. इसके बाद सभी दुकानों में आग लग गई. घटना के बाद पटाखों के दुकानदार मौके से भाग गए. हाट में आने वाले लोगों ने अपनी बाइक और दूसरी गाड़ियां को पटाखे की दुकान के पास पार्क की थी. श्यामसुंदर थाना के प्रभारी दिलीप विमूल ने बताया कि आग लगने से एक दर्जन से अधिक गाड़ियां जल गई हैं. मकर संक्रांति पर हाट में पटाखे की दुकानें लगाई गई थी. इसकी इजाजत नहीं ली गई थी. पूरे मामले की जांच की जा रही है. पुलिस पटाखा दुकानदारों का पता लगाने में जुट गई है.

बड़कागांव विधायक प्रतिनिधि की हत्या में निशि पांडेय की भूमिका संदिग्ध, सीआईडी ने की कार्रवाई की सिफारिश

संवाददाता। रांची

बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद के विधायक प्रतिनिधि बितका बाउरी की हत्या में निशि पांडेय की भूमिका संदिग्ध है. अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने हत्या की आपराधिक साजिश रचने के मामले में निशि पांडेय पर कार्रवाई की सिफारिश की है. बता दें कि निशि पांडेय मारे गये गैंगस्टर किशोर पांडेय की पत्नी हैं और फिलहाल एक राजनीतिक दल भारतीय जनतंत्र मोर्चा से जुड़ी हैं. कुछ माह पूर्व ही उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी.

बाउरी की हत्या 25 फरवरी 2023 को की गयी थी : बड़कागांव विधायक प्रतिनिधि बितका बाउरी की हत्या 25 फरवरी 2023 को तीन अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने कर दी थी. सीआईडी एसपी ने अपनी जांच रिपोर्ट में लिखा है कि निशि पांडेय और जेल में बंद विकास तिवारी द्वारा संचालित पांडेय गिरोह के अपराधियों ने सुनियोजित षड्यंत्र के तहत बितका बाउरी की हत्या करा दी थी. रामगढ़ जिले में पतरातू के खदान क्षेत्रों में निशि पांडेय और विकास तिवारी द्वारा कोयले के पूरे कारोबार को नियंत्रित किया जाता है, जिसका विरोध स्थानीय विधायक और कार्यकर्ता करते हैं.

मिला सुकून एसडीएम सरायकेला, चार थानों के प्रभारी और 150 जवान थे तैनात

हाइकोर्ट के आदेश पर आवास बोर्ड के आवंटियों को मिला कब्जा

संवाददाता । आदित्यपुर

आख़िरकार हाइकोर्ट के आदेश पर शनिवार को एसडीएम सरायकेला पारुल सिंह 4 थानों के प्रभारी और 150 पुलिस बल के साथ आवास बोर्ड के आवंटियों को कब्जा दिलाने में सफलता हासिल की. मामला आदित्यपुर 2 के रोड नंबर 13-13 में खाली भूखंड का है.

यहां 2011 में आवास बोर्ड ने 20 एमआईजी प्लाट का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया था, जिसके बाद प्रत्येक आवंटी 11 लाख 52 हजार रुपये जमा कर प्लाट पर कब्जा लेने का इंतजार कर रहे थे. इससे पूर्व कई बार आवास बोर्ड कब्जा दिलाने का असफल प्रयास कर चुकी थी. जिसके बाद 3 आवंटी दिवाकर कुमार, संजय कुमार और श्रीकांत सिंह हाई कोर्ट चले गए थे. जहां से इन्हें अविलंब कब्जा दिलाने का आदेश निर्गत हुआ था जिसे इम्पलीमेंट कराया गया है. आज आवंटित प्लाट नंबर 1, 16 और 18 पर कब्जा दिलाया गया है. मौके पर एसडीएम पारुल सिंह, आवास बोर्ड के कार्यपालक अभियंता सुरेंद्र कुमार, मजिस्ट्रेट के रूप में गम्हरिया के पशु चिकित्सक ज्योति नारायण, बीडीओ प्रवीण कुमार मौजूद रहे. जबकि आदित्यपुर, आरआईटी, गम्हरिया, कांड्रा के थाना प्रभारी विरोध की आशंका को देखते हुए दल बल के साथ मौजूद रहे. आज आवंटी दिवाकर कुमार, संजय कुमार, श्रीकांत सिंह को उनके आवंटित प्लाट पर स्ट्रेच काटकर कब्जा दिलाया गया.

सीमांकन और कब्जा दिलाते पुलिस प्रशासन के अधिकारी .

खास बातें

- 2011 से आवंटी पैसे जमा कर जोह रहे थे बाट
- नहीं हुआ किसी तरह का स्थानीय विरोध, लोग खुश

आवंटियों ने बताया कि वे लोग 2011 में ही 11 लाख 52 हजार जमा कर चुके थे लेकिन उन्हें आवास बोर्ड कब्जा नहीं दिला रहा था. बता दें कि यहां के करीब 80 आवंटी जो 50 वर्ष से रह रहे हैं वे इस जमीन को यूटिलिटी की जमीन बताकर इस पर कब्जा नहीं देने रहे थे और लगातार आवास बोर्ड के आवंटन का विरोध कर रहे थे. लेकिन आज की कार्रवाई में स्थानीय विरोध करने सामने नहीं आये जिससे शांतिपूर्ण तरीके से आवंटियों को कब्जा दिला दिया गया.

जमीन विवाद में मारपीट गर्भवती महिला की मौत

जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों में हुई थी मारपीट

- छोटे भाई की गर्भवती पत्नी को पेट में लग गई थी चोट

संवाददाता। हजारीबाग

मृत महिला का पति दिलीप कुमार.

कटकमदाग के कदमा में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों के बीच मारपीट में छोटे भाई की गर्भवती पत्नी की मौत हो गई. मृतका की पहचान दिलीप कुमार की पत्नी कंचन देवी के रूप में हुई है.

बीती 11 जनवरी को भाइयो के बीच जमीन बंटवारा हो रहा था. पर, बड़ा भाई मानने को तैयार नहीं था और फिर नौबत मारपीट तक पहुंच गई. छोटे भाई दिलीप कुमार ने बताया कि बड़े भाई और भाभी ने मिलकर हम दोनों पति-पत्नी को लात-घूंसा से मारा है. इसमें उनकी सात माह की गर्भवती पत्नी पेट में चोट लगने से वजह घटनास्थल पर बेहोश हो गई थी. 12 जनवरी की सुबह उसे सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. इस मामले को लेकर पीड़ित ने कटकमदाग थाना में आवेदन दिया है.

ब्रीफ खबरें

चाईबासा में न्यायाधीश दीपक रोशन का स्वागत

चाईबासा। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश दीपक रोशन के चाईबासा व्यवहार न्यायालय आगमन पर जिला बार एसोसिएशन ने शनिवार को उन्हें पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया. न्यायाधीश ने सभी का आभार व्यक्त किया. साथ ही हर समस्या का समाधान करने की भी बात कही. मौके पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद, महासचिव फादर आगस्तीन कुल्लू, सरकारी अधिवक्ता पवन शर्मा, अमर बख़्शी,सामाजिक कार्यकर्ता राजा राम गुप्ता, जयंती कुमारी, अनिल सुंडी मौजूद थे.

नये आईकार्ड के लिए देना होगा फोटो और हस्ताक्षर

किरीबुरु। सेल की मेघाहातुबुरु लौह अयस्क खदान के सभी नियमित कर्मचारियों को बीएसएल का नया पहचान पत्र तैयार करने के लिए फोटो और हस्ताक्षर लेने का कार्य आज से एचआरडीसी केन्द्र में किया जा रहा है. मेघाहातुबुरु खदान के सहायक महाप्रबंधक आलोक वर्मा ने नोटिस जारी कर मेघाहातुबुरु खदान के कर्मियों से कहा है कि वे अपनी शिफ्ट के समय को बाधित किए बिना, नए पहचान पत्र हेतु 13 से 15 जनवरी तक सुबह 10 से शाम 5 बजे तक एचआरडीसी सेंटर मेघाहातुबुरु में कार्य पूर्ण कर लें.

स्वामी विवेकानंद की जयंती मनायी गयी

जमशेदपुर। जुगसलाई रेंट पीयर्स कमेटी द्वारा गौशाला चौक में स्वामी विवेकानंद की जयंती को युवा दिवस के रूप में मनाया गया. इस मौके पर समाज के प्रबुद्ध लोगों ने स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर माल्यार्पण किया और उन्हें नमन किया. इस मौके पर कमेटी के संरक्षक योगी मिश्रा, अध्यक्ष सरदार शैलेंद्र सिंह, रमाशंकर शर्मा, अजय कुमार पांडे,नवनीत मिश्रा आदि ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला. वक्ताओं ने कहा की स्वामी विवेकानंद केवल संत ही नहीं बल्कि एक महान देशभक्त थे.

उपायुक्त ने लंबित वादों के निबटारे को लेकर की बैठक

जमशेदपुर। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आहूत बैठक में उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने शनिवार को लंबित वादों को लेकर समीक्षा की. इसमें लोक अभियोजक, सरकारी अधिवक्ता, अपर लोक अभियोजक, सहायक लोक अभियोजक, प्रभारी अधिकारी विधी शाखा, सहायक लोक अभियोजक समेत अन्य उपस्थित थे. बैठक में केस रिपोर्ट , पोक्सो एक्ट, सरकारी भूमि की सुरक्षा, महिला उत्पीड़न, एससी एसटी, साइबर अपराध व जघन्य अपराध से जुड़े लंबित वादों पर विमर्श किया गया.

पुलिस-प्रशासन ने मेले की तैयारियों का जायजा लिया

चांडिल। चांडिल प्रखंड के जयदा में मकर संक्रांति के अवसर पर लगने वाले पांच दिवसीय टुसू मेला की तैयारियां अंतिम चरण में है. शनिवार की शाम चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी आदि ने मेला की तैयारियों का जायजा लिया. पुलिस प्रशासन के पदाधिकारी दल-बल के साथ शाम को जयदा पहुंचे और मंदिर के महंत से तैयारियों की जानकारी लिया. इसके बाद मेला परिसर में घुमकर अधिकारियों ने लगने वाले दुकान और रास्ता आदि को देखा.

गणतंत्र दिवस पर मुख्य समारोह पुलिस लाइन में

चाईबासा। पश्चिम सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित सभागार में शनिवार जिला उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में आगामी 26 जनवरी के अवसर पर जिले में आयोजित होने वाले समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक का आयोजन किया गया. गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह पुलिस लाइन मैदान-चाईबासा सहित जिले के सरकारी कार्यालयों में हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय हुआ. सभी आवश्यक तैयारियों को तय समय में पूरा करने से संबंधित विभिन्न विभागों के दायित्व का निर्धारण कर संलग्न पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया.

इंटरमीडिएट के छात्रों ने किया डिमना का भ्रमण

जमशेदपुर। जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज इंटरमीडिएट भूगोल विभाग के छात्र-छात्राओं के एक दल ने डिमना लेक का शैक्षणिक भ्रमण किया. कॉलेज की ओर से बताया गया है कि आज के समय में बच्चे सिर्फ इंटरनेट और संचार माध्यमों में सिमट कर रह गए हैं, उनके लिए यह अनुभव काफी ज्ञानवर्धक था. वहां उन्होंने लेक ,पहाड़, साल के वृक्ष, मिट्टी की उपयोगिता और महत्ता को जाना और किस तरह मनुष्य के जीवन में इन चीजों का महत्व है.

कोल्हान विश्वविद्यालय में टुसू मिलन समारोह का आयोजन ,रंगारंग कार्यक्रमों ने मन मोहा

सांस्कृतिक परंपरा को बचाना सभी का दायित्व: डॉ राजेंद्र

संवाददाता। चाईबासा

कोल्हान विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के तत्वावधान में शनिवार को वार्षिक टुसू मिलन समारोह का आयोजन किया गया. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ राजेंद्र भारती, मुख्य वक्ता के रूप में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुड़माली सहायक प्राध्यापक डॉ निताय चंद्र महतो उपस्थित थे. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोल्हान विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ राजेंद्र भारती ने कहा कि सांस्कृतिक परंपरा रीति रिवाज को बचाना हम सबों का दायित्व है.

जल्द होगा संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन: सांस्कृतिक को जीवित रखने के लिए हर किसी को संघर्ष करना जरूरी होता है. इसमें कोल्हान विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है, जो एक अच्छी पहल है.

पीला गमछा देकर किया गया स्वागत

अथितियों का स्वागत विभाध्यक्ष डॉ. सुनील मुर्मू ने किया तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत कुड़मियों के प्रतीक पीला गमछा देकर किया गया. संयोजक सुभाष चन्द्र महतो ने विस्तृत जानकारी साझा की. कुड़माली पारंपरिक लोकगीतों एवं वाद्ययंत्रों के धुन में पारंपरिक वेशभूषा में आए कुड़माली संकाय के विद्यार्थी जमकर झूमे एवं अपनी समृद्ध भाषा- संस्कृति को प्रदर्शित किया.

ये लोग थे शामिल

कार्यक्रम का संचालन डॉ. बसंत चाकी ने व धन्यवाद ज्ञापन निशोन हेंब्रम ने किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के कुलानुशासक डॉ. म ए खान, विभिन्न विभाग के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- पहला बैंक जिसकी शाखा को आईएसओ 9002 प्रमाण पत्र मिला – **केनरा बैंक**
- रूरबेसिन कोयला क्षेत्र किस देश में है – **जर्मनी**
- झरने मे जब जल ऊचाई से गिरता है तो – **उसका ताप बढ़ जाता**
- किसी चुबक को गर्म करने पर होगा – **चुबकत्व नष्ट हो जाएगा**
- भारत का सबसे गहरा बंदरगाह – **गंगावरम बंदरगाह (आंध्रप्रदेश)**
- प्रकाश की गति किसके बीच जाते हुए न्यूनतम होती है – **कांच**
- महिला शासिका रुद्राम्मादेवी किस राजवंश से सम्बंधित थी – **काकतीय**
- सेलीबीस द्वीप किस देश में स्थित है – **इंडोनेशिया**
- एशियाई गेम्स की मेजबानी करने वाला पहला देश – **भारत**
- पेरिस्कोप बनाने में प्रयुक्त दर्पण – **समतल दर्पण**

सारंडा को नक्सल मुक्त करने के लिए पुलिस ने सुरक्षा घेरा मजबूत करना प्रारंभ किया

तिरिलपोसी में बनाया जा रहा नया पुलिस कैंप

संवाददाता। किरीबुरु

सारंडा में लंबे अर्से बाद एक बार फिर नयी रणनीति के तहत पैर जमा रहे भाकपा माओवादी नक्सलियों को सारंडा से खदेड़ भगाने हेतु पुलिस ने सुरक्षा घेरा मजबूत करना प्रारम्भ कर दिया है. पुलिस सारंडा को नक्सलियों से पुरी तरह से मुक्त कराकर रखना चाहती है. इसी वजह से सारंडा के जराईकेला थाना अन्तर्गत तिरिलपोसी में पुलिस व सीआरपीएफ की निगरानी में नया कैम्प स्थापित किया जा रहा है. इसकी पुष्टि कोल्हान डीआईजी अजय लिंडा ने की है. उल्लेखनीय है कि सारंडा वर्ष 2001 से नक्सलियों का गढ़ रहा है. बाद में यह नक्सलियों का इआरबी जोन का मुख्यालय बनाया गया. यहां एक करोड़ का ईनामी नक्सली नेता प्रशांत बोस, शिला दी, मिसिर बेसरा, विवेक आदि के अलावे संदीप, निर्भय, अनमोल, मोछू, कांडे होनहागा, अनल दा जैसे बडे.खूंखार नक्सली रहते थे.

मारंगपोंगा व नयागांव में भी कैंप लगाने की मांग: ग्रामीण तिरिलपोसी के अलावे मारंगपोंगा व नयागांव क्षेत्र में भी एक एक कैंप लगाने की मांग दबी जुबान कर रहे है. ताकि नक्सलियों की गतिविधियां को पुरी तरह से नियंत्रित व सारंडा को नक्सल मुक्त करने में आसानी हो. बीते दिनों नक्सलियों ने समठा गांव निवासी अपने पुराने साथी नेल्शन भेंगरा की हत्या पुलिस मुखबिरी के आरोप में कर दिया था. उस दिन कोल्हान डीआईजी अजय लिंडा स्वंय पुलिस टीम के साथ तिरिलपोसी में मौजूद थे.

आपरेशन ऐनाकोंडा चलाकर नक्सलियों को खदेड़ा

वर्ष 2011 में आपरेशन ऐनाकोंडा चलाकर पुलिस ने न सिर्फ सारंडा से नक्सलियों को खदेडा, बल्कि सारंडा के थोलकोबाद, जुम्बईबुरु, करमपदा, किरीबुरु, मुर्गापाडा, सैडल, छोटानागरा, दीघा, कलियपोश, रोवाम, टीमरा, जराईकेला दि स्थानों पर स्थाई कैंप लगाकर उनके गतिविधियां को खत्म कर दिया था. इतने कैंप सारंडा में लगाये जाने के बावजूद सारंडा के ग्रामीण लंबे समय से तिरिलपोसी, मारंगपोंगा, नवागांव में तीन और कैम्प लगाने की मांग कर रहे थे. लेकिन तब पुलिस से इसे गंभीरता से नहीं लिया. अब जब कोल्हान में पुलिस आपरेशन के बाद भागकर जब नक्सली पुन: सारंडा में सक्रिय होकर पैर जमाने लगे तब पुलिस ने भी अपनी पूर्व की गलतियों से सीख लेकर तिरिलपोसी में कैंप स्थापित करना प्रारम्भ कर दिया है.

खास बातें

- सारंडा वर्ष 2001 से नक्सलियों का गढ़ रहा है.
- गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ रही पुलिस

अजय लिंडा पर एलएमजी से फायर झोंका था

अजय लिंडा वर्ष 2011 में नक्सलियों के खिलाफ अब तक का सबसे बडा. चलाया गया ऑपरेशन ऐनाकोंडा का नेतृत्व भी बतौर प्रशिक्षु आईपीएस सह किरीबुरु के एसडीपीओ किये थे. उस वक्त नक्सलियों ने थोलकोबाद में अजय लिंडा की टीम पर एलएमजी जैसे हथियार से फायर झोंका था. इस हमले में अजय लिंडा बाल बाल बच गये थे.

डीजल चोरी करने घुसे युवक सीआईएसएफ जवानों को देख भागे

किरीबुरु। सेल की मेघाहातुबुरु खदान के लोडिंग साईडिंग क्षेत्र में बीती रात अज्ञात चोरों का एक समूह घुसकर सेल के प्राईवेट लोडिंग ठेकेदार के स्टोर से डीजल चोरी का प्रयास किया, जिसे खदान की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ जवानों ने विफल कर दिया. सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार मध्य रात्रि 4-5 की संख्या में डीजल चोर उक्त क्षेत्र में घुसे और लोडिंग ठेकेदार के स्टोर में घुसकर वहां रखे ड्रम से डीजल चोरी करने लगे. सीआईएसएफ जवानों को जब जानकारी मिली तो तुरंत घटनास्थल पर वह पहुंचे. सीआईएसएफ जवानों को देख चोर भागने गये.

40वीं एनटीपीसी सब जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता

संवाददाता। चाईबासा

तुरतुंग तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र, सिकुरसाई,चाईबासा के उभरते तीरंदाज योगेन्द्र हेस्सा ने झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए इंडियन राउंड वर्ग के व्यक्तिगत ओलम्पिक राउंड में स्वर्ण पदक एवं टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता. यह प्रतियोगिता 10-12 जनवरी 2024 को छत्तीसगढ़, रायपुर में आयोजित किया गया था. योगेन्द्र हेस्सा इससे पहले जुलाई माह 2023 उड़ीसा, भुवनेश्वर में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय जनजातीय खेल महोत्सव मे एक स्वर्ण पदक व दो रजत पदक जीत चुके हैं. वही उत्तर प्रदेश के अयोध्या में आयोजित 30वीं एनटीपीसी सीनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता 2023 में 24-28 नवम्बर 2023 में भाग ले चुके हैं. साथ ही गोवा मे आयोजित 37वीं नेशनल गेम्स 2023 में भी भाग ले चुका है. योगेन्द्र हेस्सा संत जेवियर बालक उच्च विद्यालय चाईबासा में कक्षा दसवीं का छात्र है. बधाई देने वाले में केन्द्र के अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार पाड़ेया, उपाध्यक्ष सुशील कुमार सिंकू, सलाहकार तेजनारायण देवगम, शीतल जारिका एवं केन्द्र के मुख्य प्रशिक्षक महर्षि महेन्द्र सिंकू आदि ने इनके उज्जवल भविष्य की कामना किये है.

मेघाहातुबुरु खदान क्षेत्र में पहुंचा हाथी

संवाददाता। किरीबुरू

सेल की मेघाहातुबुरु खदान स्थित क्रसिंग प्लांट क्षेत्र के जंगल में एक हाथी के आने से सेलकर्मियों व आसपास के ग्रामीणों में भय बना हुआ है. सूत्रों ने बताया कि 13 जनवरी की अहले सुबह एक हाथी सारंडा जंगल से खदान के क्रसिंग प्लांट क्षेत्र में आ घुसा. कुछ देर बाद वह खदान की कच्ची सड़क को पार कर केन्द्रीय विद्यालय मेघाहातुबुरु की तरफ जाने वाली घने जंगलों में चला गया. यह हाथी खदान क्षेत्र में आने से पहले रांगरिंग डैम और गांव क्षेत्र में भी देखा गया था. पिछले दो वर्षो से हाथियों का विभिन्न समूह के अलावे अकेला हाथी की गतिविधियां सेल की किरीबुरु-मेघाहातुबुरु खदान से लेकर आवासीय क्षेत्रों में काफी बढ़ गई है. हाथी टाउनशिप एरिया में भी कई बार घुस चुके हैं. इसके अलावे किरीबुरु-बडाज़ामदा समेत अन्य मार्गों को अनेकों बार अवरुद्ध किया है. सारंडा के विभिन्न गांवों में इनका उत्पात बडे.पैमाने पर जारी रहा है. जिसमें अब तक तोपाडीह व सागजुडी. के दो ग्रामीणों की हत्या, कई ग्रामीणों को घायल आदि कर चुके हैं.

रख-रखाव के अभाव में जोजोगुटू जलमीनार खराब

संवाददाता। किरीबुरू

सेल की गुआ प्रबंधन द्वारा सीएसआर योजना के तहत जोजोगुटू गांव में निर्मित पेयजल आपूर्ति योजना का लाभ ग्रामीणों की अपनी लापरवाही की वजह से नहीं मिल पा रहा है. उल्लेखनीय है कि सेल की गुआ प्रबंधन ने अपने खदान से प्रभावित जोजोगुटू गांव के ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु लगभग 4 वर्ष पूर्व विशेष कार्य किया था. इसके तहत स्कूल पास डीप बोरिंग कराकर उसमें समरसेबल पंप डाल तथा पानी टंकी स्थापित कर 24 घंटे शुद्ध पानी की व्यवस्था की थी. लेकिन इस पानी टंकी में लगे नलों को गांव के बच्चों द्वारा निरंतर तोड़ देने, समरसेबल पंप का विद्युत कनेक्शन नाली निर्माण के दौरान कट जाने की वजह से इसका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है. इन छोटी सी समस्या को ग्रामीण स्वतः दूर कर लें तो लोगों को शुद्ध पानी मिलना प्रारंभ हो जायेगा. जोजोगुटू गांव मलेरिया प्रभावित कोर जोन में है. प्रतिवर्ष यह गांव मलेरिया से बुरी तरह प्रभावित रहता है. मलेरिया से कई ग्रामीणों की जान जा चुकी है. शुद्ध पेयजल की समस्या से भी पहले जूझते रहती थी. बाईहातु जलमीनार से इस गांव में प्रतिदिन पेयजल आपूर्ति हो रही है .

खिलाड़ी अपनी मेहनत और लगन के साथ खेलें : विधायक

चाईबासा। सदर प्रखंड के तियू स्पोर्टिंग क्लब डीलियामार्चा की ओर से आयोजित तीन दिवसीय प्रतियोगिता का फाइनल सह समापन शनिवार को हुआ. फाइनल सह समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विधायक दीपक बिरुवा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति सदस्य सुभाष बनर्जी, समाजसेवी चंद्र मोहन देवगम, विजय बिरूली उपस्थित हुए. प्रतियोगिता का फाइनल मैच संजय ब्रदर्स बनाम ऋषभ ब्रदर्स के बीच खेला गया. इसमें संजय ब्रदर्स ने ऋषभ ब्रदर्स की टीम को ट्राईब्रेकर में हराकर चैंपियन बनी. वहीं 40 प्लस वर्ग में सदर पंचायत की टीम ने ट्राई ब्रेकर में जिला स्कूल एफसी को हराकर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया. विधायक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद गेंद को किक मार कर फाइनल मैच का शुभारंभ किया. मौके पर विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है.

शहर में चलेगा अतिक्रमण हटाओ अभियान

संवाददाता। चाईबासा

सदर अनुमंडल पदाधिकारी के सभागार में शनिवार को विधायक दीपक बिरुवा की उपस्थिति में प्रशासन व व्यापारियों की बैठक हुई. जहां शहर के मुख्य मार्ग एवं बाजार में अतिक्रमण हटाने के अभियान चलाने को लेकर मंथन किया गया. बैठक में कहा गया कि व्यापारी एक सप्ताह के अंदर अपनी दुकानों के सामने से अतिक्रमण स्वयं हटा लेंगे. वरना प्रशासन कार्रवाई करेगा. यह भी कहा गया कि दुकानों के सामने सामान रखकर स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण किया जा रहा है, जिससे रास्ता बेहद संकरा होता जा रहा है. इसके पूर्व शहर में पार्किंग स्थल बनाने का निर्देश नगर परिषद को दिया गया, ताकि शहर को व्यवस्थित किया जा सके. वही नगर परिषद के पदाधिकारी ने बताया कि शहर के विभिन्न जगहों में पार्किंग के लिए 14 जगह चिन्हित किया जा चुका है. जहां जल्द ही पार्किंग की सुविधा लोगों को उपलब्ध कराई. पार्किंग स्थल पर व्यवस्थित ढंग से खड़ी की जाएगी. पार्किंग स्थल पर वाहनों को खड़ी करने के लिए मार्किंग की जाएगी. इसके अंदर ही वाहन को पार्किंग किया जाएगा. इसके बाद भी यदि वाहन यहां वहां खड़ी मिलती है उसे जुर्माना वसूली जाएगी. उधर तांबो चौक पर सुबह व शाम को लग रही मार्केट को व्यवस्थित ढंग से लगाने का निर्देश अंचल अधिकारी को दिया गया. मौके पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी अनिमेष कुमार, सीओ बुडाय सारू, चैंबर के मधुसूदन अग्रवाल, वकील खान, जिला बार एसोसिएशन के महासचिव रामेश्वर पासवान समेत नगर परिषद के सीटी मैनेजर संतोष बेदिया, लोकेश कुमार, ठेला खोमचा समिति के पदाधिकारी आदि शामिल थे.

खास बातें

- अभियान चलाने को लेकर किया गया विचार-मंथन
- व्यापारी दुकानों के सामने से अतिक्रमण स्वयं हटा ले

आत्मा संस्था ने बिरसा किसान रथ का संचालन शुरू किया

चाईबासा। आत्मा पश्चिमी सिंहभूम के सौजन्य से झारखंड सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य, जैविक खेती, जल प्रबंधन, बीज उपचार, यांत्रिकीकरण, किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण, मछली पालन, पशुओं का टीकाकरण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड आदि का वितरण की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए पश्चिमी सिंहभूम जिला में बिरसा कृषि रथ का संचालन किया जा रहा है. रथ का परिभ्रमण पश्चिमी सिंहभूम जिला अन्तर्गत प्रखंडों के सभी पंचायत एवं ग्राम स्तर पर चलाई जा रही है. रथ में एलईडी टीवी के माध्यम से किसानों को संचालित योजना एवं तकनीकी जानकारी दी जा रही है. रथ के साथ प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं कृषि सम्बद्ध विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मियों को टैग किया गया है.

प्रतियोगिता 8वीं अशोक कुमार जैन नाक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता 2023-24 का आयोजन

एकतरफा मुकाबले में एनसीसी जामदा ने फ्रेंडस कोल्टस को हराया

संवाददाता। चाईबासा

जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे 8वीं अशोक कुमार जैन जिला नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत शनिवार को खेले गए मैच में बड़ा जामदा की नेशनल क्रिकेट क्लब ने चाईबासा के फ्रेंडस कोल्टस को एकतरफा मुकाबले में आठ विकेट से पराजित कर अगले राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली. स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी फ्रेंडस कोल्टस की पूरी टीम 16.2 ओवर में मात्र 67 रन बनाकर आल आउट हो गई. हालांकि टीम की शुरुआत काफी अच्छी रही. जब दोनों उद्घाटक बल्लेबाज यशराज एवं अमित गोप ने मात्र 6 ओवर में 40 रन ठोक डाले. लेकिन इसी स्कोर पर हर्ष राज के आउट होते ही पूरी टीम मात्र 67 रन के स्कोर पर ढेर हो गई. हर्ष ने 24 तथा अमित ने 14 रन बनाए. अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाया. नेशनल क्रिकेट क्लब बड़ा जामदा की ओर से कप्तान यशस्वी गौतम ने घातक गेंदबाजी करते हुए मात्र सात रन देकर चार खिलाड़ियों को आउट किया जबकि आयुष आर्या ने 27 रन देकर 3 तथा सुरज कुमार ने 2 रन देकर 2 विकेट चटकाए. जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य को नेशनल क्रिकेट क्लब बड़ा जामदा की टीम ने 13.2 ओवर में मात्र दो विकेट खोकर प्राप्त कर लिया। गेदबाजी में अपना कमाल दिखाने वाले कप्तान यशस्वी गौतम ने बल्लेबाजी में भी अपना दम दिखाया और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सात चौकों की मदद से 38 नाबाद रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उद्घाटक बल्लेबाज अर्जुन ने भी 12 रनों का योगदान दिया.

फ्रेंडस कोल्टस की ओर से अमित गोप एवं अनित रोशन कुजूर ने एक-एक विकेट हासिल किए.

खास बातें

- फ्रेंडस कोल्टस की टीम 16 .2 ओवर में 67 रन पर आलआउट
- बड़ा जामदा ने 13 .2 ओवर में दो विकेट खोकर जीत दर्ज की

डिलियामार्चा में निर्माणाधीन कचरा प्रबंधन प्लांट का विरोध

संवाददाता। चाईबासा

मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के डिलियामार्चा गांव में निर्माणाधीन कचरा प्रबंधन प्लांट का विरोध शुरू हो गया है. शनिवार को कोल्हान भूमि बचाओ समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार सावैयां के नेतृत्व में कई नेता निर्माण स्थल पर पहुंचे और प्लांट निर्माण का जमकर विरोध किया. झारखंड पुनरूत्थान अभियान के जिला संयोजक सन्नी सिंकू, झारखंड पार्टी के जिला सचिव रेयांस सामड, मानकी मुंडा संघ के महासचिव चंदन होनहागा व आंबेडकराईट पार्टी ऑफ इंडिया के जिलाध्यक्ष रामहरि गोप ने कहा कि यह प्लांट डिलियामार्चा गांव के पवित्र देवस्थल देशाऊली के बिल्कुल समीप बन रहा है. यह नियम विरुद्ध है. अनुमति भी ग्रामसभा से नहीं ली गयी है.

शहर के कचरे का निपटारा गांव में क्यों किया जा रहा

समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार सावैयां ने कहा कि प्लांट के पास ही एक झरना है. जहां ग्राम दिऊरी पवित्र स्नान कर माघे पर्व की पूजा करते हैं. ऐसे में प्लांट की गतिविधियों से भविष्य में सदियों से प्रचलित रूढ़िगत परंपराएं भी प्रभावित होगी. साथ ही ग्रामीणों की धार्मिक भावनाएं भी आहत हो रही हैं. देशाऊली में अतिक्रमण से गांव में अनहोनी भी हो सकती है. इसकी जिम्मेवारी कौन लेगा. इसलिये जिला प्रशासन यह प्लांट शहर में ही बनाए. लेकिन गांव में हम इसे किसी भी कीमत पर बनने नहीं देंगे.

ब्रीफ खबरें

श्री गुरु गोविंद सिंह के जन्म दिहाड़े पर निकली गयी चौथी प्रभात फेरी

जमशेदपुर। श्री गुरु गोविंद सिंह जी के 357वें जन्म दिहाड़े को समर्पित चौथी प्रभात फेरी शनिवार को जेम्को गुरुद्वारा से निकली. प्रभात फेरी भोर 3:00 बजे आरम्भ हुई, जो शब्द कीर्तन गायन करते हुऐ खालसा कॉलोनी में पहुंची. स्थानीय निवासी करनदीप सिंह ने बताया कि खालसा कॉलोनी जेम्को के समूह साथ संगत के सहयोग से प्रभात फेरी संपन्न हुई. उन्होंने यह भी बताया कि 10 जनवरी से प्रभात फेरी रोजाना 5 दिन गुरुद्वारे से निकल रही है रविवार को इसका समापन होगा. प्रभात फेरी में सिख नौजवान सभा के साथ ही साथ छोटे-छोटे बच्चे भी शामिल हो रहे हैं.

पेयजल समस्या से जूझ रहे हैं नाकदोहा के ग्रामीण

बहरागोड़ा। नाकदोहा में विगत कोई माह से जल मीनार खराब पड़ा हुआ है. विभाग द्वारा कोई पहल नहीं किए जाने से नाराज ग्रामीण हलोधर सोरेन, रूम्फा सोरेन,रवीन्द्र नाथ सोरेन, कुनाराम सोरेन, मायनो सोरेन, सोमवारी सोरेन, रोमनी सोरेन, श्याम सोरेन, कमल हाँसदा, नगेन सोरेन, अलकेन्द्र हाँसदा, कापरा हांसदा, कमल कृष्णों हासदा, राधी हांसदा, जगतपति हांसदा, लेवो हांसदा, मायावती हांसदा आदि ने कहा कि जल मीनार खराब होने से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. वहीं पेयजल के लिए दूर से पानी लेकर घर परिवार चलाना पड़ रहा है.

भूमि संरक्षण कार्यालय में पूर्व जिप सदस्य ने मचाया हंगामा

घाटशिला। धालभूमगढ़ की पूर्व जिला परिषद सदस्य आरती सामंत ने शनिवार को घाटशिला स्थित भूमि संरक्षण कार्यालय में जमकर हंगामा मचाया. उन्होंने कर्मचारियों से पूछा कि जुनबनी पंचायत के हरिनधुकड़ी गांव के सरकारी तालाब खोदने को लेकर सांसद विद्युत वरण महतो एवं विधायक रामदास सोरेन ने अनुशंसा किया था. लेकिन तालाब का अनुशंसा विधायक रामदास सोरेन से हुआ है. इस पर आज तक क्यों नहीं पहल किया गया. काफी हंगामा मचाने के बाद कर्मचारियों ने कहा कि इस मामले में भूमि संरक्षण के वरीय पदाधिकारी ही बता सकते हैं.

टाटा मोटर्स कर्मी की तबीयत बिगड़ने से मौत

जमशेदपुर। मानगो ओल्ड पुरुलिया रोड निवासी टाटा मोटर्स कर्मी एजाज अनवर (47) की शनिवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई. मामले को लेकर परिजनों ने बताया कि शनिवार सुबह एजाज की नाक से खून निकलने लगा. मामला बढ़ता देख उन्हें स्थानीय नर्सिंग होम लेकर गए पर वहां कोई डॉक्टर मौजूद नहीं थे जिस कारण एजाज को टीएमएच लेकर पहुंचे. टीएमएच में डॉक्टरों ने एजाज को मृत घोषित कर दिया. इस संबंध में पुलिस एजाज की पत्नी के बयान पर अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज करने की तैयारी कर रही है.

छात्रों ने दिया शांति और देशभक्ति का संदेश

जमशेदपुर। अरका जैन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फार्मेसी की ओर से स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती क्रमशः राष्ट्रीय युवा दिवस और पराक्रम दिवस के रूप में मनायी गई. इसलिए अवसर पर छात्र-छात्राओं ने एक्सआईटीई से टाटाग्रोथ शॉप तक मिनी साइकिल मैराथन हम सिकंदर-3 का आयोजन कर शांति और देशभक्ति का संदेश दिया. यह कार्यक्रम द फार्मा क्लब, एनएसएस और एनसीसी अरका जैन यूनिवर्सिटी के सहयोग से आयोजित किया गया. मैराथन का उद्घाटन यूनिवर्सिटी प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ एसएस रजी आदि मौजूद थे.

मानगो के लोगों ने सीमेंट का पोल नहीं लगने पर भिक्षाटन करने की दी है चेतावनी

बांस व लकड़ी के खंभों के सहारे झूल रहे बिजली के तार

संवाददाता। जमशेदपुर

मानगो शंकोसाई रोड नंबर-एक में पुआल टाल के पीछे शर्मा लाइन में बिजली के तार बांस के खंभे पर दौड़ रहे हैं. यहां लगभग पचास घरों में बांस के सहारे ही बिजली पहुंचाई गई है. कई बार लोगों को बिजली का झटका भी लग चुका हैं, लेकिन किसी को इसकी परवाह नहीं है. शर्मा लाइन में रहने वाले लोग अपनी जान को खतरे में डालकर अपने घरों को रोशन कर रहे हैं. स्थानीय लोगों ने बताया कि जब बिजली का कनेक्शन दिया जा रहा था तब विभाग के द्वारा हवाला दिया गया था कि जल्द ही सीमेंट का पोल लगवा दिया जाएगा. लेकिन कई वर्षों बीत जाने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई. एक से दो वर्षों में बांस सड़ गल कर टूट जाता है तो लोग अपने खर्चे से पुनः नया बांस लगाकर अपना काम चलाते हैं. कई बार लोगों ने इसकी लिखित शिकायत बिजली विभाग के अधिकारियों से की परंतु सुनवाई नहीं हुई.

जल्द से जल्द समाधान की मांग : इसकी जानकारी मिलने पर भाजपा नेता विकास सिंह मौके में पहुंचे. उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि जल्द ही हर हाल में बिजली विभाग को समस्या से अवगत कराकर सीमेंट का पोल लगवाया जाएगा. उन्होंने इसकी जानकारी बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता को देते हुए कहा कि जल्द ही अगर बांस के खंभे हटाकर सीमेंट का पोल नहीं लगाया गया तो दो वर्ष पूर्व की तरह पुनः आम लोगों के बीच जाकर भिक्षाटन का कार्यक्रम करेंगे और भीख से एकत्रित पैसे से लोग स्वयं श्रम दान कर सीमेंट का पोल लगवाएंगे. मौके पर मुख्य रूप से विकास सिंह, भक्ती गोराई, राम सिंह, सुमन देवी, रीता देवी, सीमा देवी, बंटी गुप्ता, खुशबू सिंह, हेमा देवी, शोभा गुप्ता, शारदा देवी, गीता दास, सुभाषनी देवी, पुतुल देवी, रिंकी दास ,मीरा देवी, राकेश मंडल मुख्य रूप से उपस्थित थे.

आओ जानें सामान्य ज्ञान

- अमीबा में कितनी कोशिका होती है – **एक**
- रेशम के कीड़े का भोज्य पदार्थ – **शहतूत की पत्ती**
- टेबल टेनिस को के नाम से जाना जाता है – **पिंग पोंग**
- प्रत्येक फुटबॉल विश्व कप में खेलने वाला एकमात्र देश – **ब्राजील**
- नौसेना अकादमी कहां पर स्थित है – **गोवा**
- पृथ्वी से दिखाई देने वाला सबसे चमकीला ग्रह – **शुक्र**
- ग्रेट डिले के नाम से जाने जानेवाले क्रिकेट अंपायर – **डिकी बर्ड**
- अमेरिका का राष्ट्रीय खेल है – **बेसबॉल**
- यूपीएससी की प्रथम महिला अध्यक्ष – **रोज बैथ्यू**
- ग्रैंड स्लैम किताब जीतने वाले पहले भारतीय – **महेश भूपति**

सिंहभूम सीट से भाजपा को एक कद्दावर प्रत्याशी की तलाश है

भाजपा को गीता संग मधु मंजूर नहीं गीता नहीं आ सकी पार्टी में : सिंहदेव

संवाददाता। आदित्यपुर

लोकसभा चुनाव में अब कुछ ही महीने शेष बचे हैं. कभी भी अधिसूचना जारी हो सकती है. ऐसे में भाजपा पिछली बार की तरह झारखंड के सभी 14 सीटों पर दबदबा कायम करना चाहती है. पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के हाथ से चाईबासा सीट निकल गई, जिसे दोबारा हासिल करने के लिए भाजपा जुगत में है.

सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार भाजपा आलाकमान सिंहभूम सीट से एक कद्दावर प्रत्याशी की तलाश में हैं. इसके लिए वे वर्तमान कांग्रेस सांसद गीता कोड़ा पर डोरे डाल रहे हैं. गीता कोड़ा भी सशर्त भाजपा में आने को तैयार हैं, किंतु उनकी शर्त भाजपा आलाकमान को मंजूर नहीं है, इसलिए बात नहीं बन रही है.

क्या शर्त रखी है गीता कोड़ा ने : भाजपा के सिंहभूम लोकसभा प्रभारी उदय सिंहदेव ने शुऊम संदेश से बातचीत में बताया कि सांसद गीता कोड़ा अब भी हमारे संपर्क में हैं, लेकिन उन्होंने जो शर्त रखी है, वह भाजपा आलाकमान को मंजूर नहीं है.

उन्होंने बताया कि गीता कोड़ा चाहती हैं कि उनके साथ उनके पति पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा भी भाजपा में आएं और उन्हें विधानसभा का टिकट दिया जाए. यह शर्त भाजपा आलाकमान को कतई मंजूर नहीं है. सिंहदेव ने कहा कि एक घोटालेबाज नेता को भाजपा अपने कुनबे में कतई शामिल नहीं करेगी, गीतो कोड़ा को यह स्पष्ट कर दिया है. इस वजह से ही गीता कोड़ा को अब तक पार्टी में शामिल नहीं किया जा सका है.

भाजपा में शामिल होने की चर्चा जोरों पर है

बता दें कि कुछ दिनों से सांसद गीता कोड़ा के भाजपा में शामिल होने की चर्चा जोरों पर है, जिसे लेकर सांसद को मीडिया के समक्ष आकर यह स्पष्ट करना पड़ा है कि वो कांग्रेस पार्टी की सांसद हैं और आगे भी रहेंगी. अब भाजपा के सिंहभूम प्रभारी के खुलासा के बाद यह तय हो गया है कि सांसद गीता कोड़ा कुछ न कुछ खिचड़ी जरूर पका रही थीं, भले वह खिचड़ी अधपकी रह गई. इधर भाजपा के लोकसभा प्रभारी ने दावा किया है कि गीता कोड़ा बगैर शर्त आती हैं, तो स्वागत है अन्यथा सिंहभूम लोकसभा सीट से भाजपा का कोई कार्यकर्ता ही हमारा प्रत्याशी होगा.

खास बातें

- भाजपा प्रभारी का दावा सांसद गीता कोड़ा अब भी संपर्क में
- भाजपा आलाकमान को मंजूर ही नहीं है दोनों की शर्त

इस सीट के लिए दमदार चेहरे की हो रही तलाश

लोकसभा सीट पर पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती एक दमदार चेहरे की. एक ऐसा चेहरा चाहिए जो वर्तमान सांसद गीता कोड़ा को सीधी और चुनौतीपूर्ण टक्कर दे सके. जिले में जिस प्रकार से गीता कोड़ा अपनी पैठ बना रही है उसका तोड़ भी भाजपा को खोजना पड़ेगा.

फिलहाल पार्टी के समक्ष ऐसे दो तीन ही चेहरे हैं जिन पर पार्टी को दांव लगाना पड़ेगा. वे या तो पूर्व विधायक हैं या फिर विधानसभा चुनाव हार नेता चुके हैं.सिंहभूम सीट से लोकसभा प्रत्याशी के लिए दावेदारी में पहले नंबर पर मझगांव विधानसभा से दो बार विधायक तथा अर्जुन मुंडा के मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री रह चुके बड़कुवंर गागराई है. इनकी कमजोरी यह है कि 2020 के विधानसभा चुनाव में टिकट ना मिलने के कारण इन्होंने पार्टी छोड़ दी थी और 6 माह पूर्व भी इन्होंने वापस भाजपा ज्वाइन की है. दूसरे नंबर पर जेबी तुबिद हैं. तुबिद 2015 और 2020 का विधानसभा चुनाव चाईबासा से लगातार हार चुके हैं. ऐसे में पार्टी इन पर कितना विश्वास करेगी यह समय ही बताएगा. तीसरे नंबर पर चाईबासा के पूर्व विधायक जवाहरलाल बानरा हैं.

डीसी ने बिरसा किसान रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता। आदित्यपुर

जिला दंडाधिकारी सह डीसी रविशंकर शुक्ला, जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा, उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार गागराई एवं जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो के द्वारा संयुक्त रुप से आज समाहरणालय परिसर से बिरसा किसान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. इस दौरान जिला कृषि पदाधिकारी संजय कुमार के द्वारा डीसी को बिरसा किसान रथ के परिचालन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई. उन्होंने बताया कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखंड के द्वारा बिरसा किसान रथ का परिचालन कृषि प्रोद्यौगिकी प्रबंधन अभिकरण "आत्मा" सरायकेला के माध्यम से प्रारम्भ की गई है. किसानों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य, जैविक खेती, जल प्रबंधन, बीज उपचार, यांत्रिकरण, किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण, मछली पालन, पशुओं का टीकाकरण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के वितरण आदि की जानकारी बिरसा किसान रथ के माध्यम से किसानों को दी जाएगी. उन्होंने बताया कि बिरसा किसान रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों के ग्रामीण क्षेत्र में कृषि वैज्ञानिकों, पदाधिकारियों, प्रसार कर्मियों, प्रगतिशील कृषकों के साथ जन-जन तक खेती से संबंधित तकनीकी समस्यों का समाधान, योजनाओं की जानकारी आदि को पहुंचाने हेतु परिभ्रमण करेगा.

बाबा तिलका मांझी की मनायी गयी पुण्यतिथि

घाटशिला। प्रखंड क्षेत्र के जगन्नाथपुर चौक स्थित प्रतिमा स्थल पर शनिवार को वीर शाहिद स्वतंत्रता सेनानी बाबा तिलका मांझी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर झामुमो नेताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया. श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने कहा बाबा तिलका मांझी राजमहल क्षेत्र में संथाल विद्रोह शुरू किया था. 13 जनवरी 1785 को भागलपुर में बाबा तिलका मांझी को तत्कालीन अंग्रेजी हुकूमत ने फांसी की सजा दी थी. उन्होंने बहुत कम समय पर जल, जंगल जमीन के अधिकार को लेकर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आवाज बुलंद किए थे. उनकी आत्मा शांति के लिए भगवान से प्रार्थना किया गया.

गोलमुरी में तेज रफ्तार ट्रेलर स्ट्रीट लाइट से टकराया,दो लोग घायल

संवाददाता। जमशेदपुर

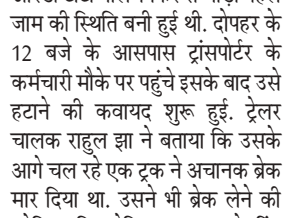

गोलमुरी थाना अंतर्गत गढ़हाबासा के पास शुक्रवार देर रात एक तेज रफ्तार ट्रेलर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इस दुर्घटना में चालक बाल-बाल बच गया. घटना के वक्त सड़क खाली होने के कारण किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है. बताया जा रहा है कि लोहे का सरिया लदा ट्रेलर बर्मामाइंस से साकची की ओर जा रहा था तभी अनियंत्रित हो गया और डिवाइड पर चढ़ते हुए स्ट्रीट लाइट से जा टकराया. बीच सड़क पर ट्रेलर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से लोगों को आवागमन में काफी परेशानी हुई. शनिवार सुबह से ही बर्मामाइंस से साकची की ओर जाने वाली सड़क पर आरडी टाटा गोलचक्कर से थोड़ा पहले जाम की स्थिति बनी हुई थी. दोपहर के 12 बजे के आसपास ट्रांसपोर्टर के कर्मचारी मौके पर पहुंचे इसके बाद उसे हटाने की कवायद शुरू हुई. ट्रेलर चालक राहुल झा ने बताया कि उसके आगे चल रहे एक ट्रक ने अचानक ब्रेक मार दिया था. उसने भी ब्रेक लेने की कोशिश कि लेकिन उसका स्टेयरिंग लॉक हो गया .

डीबीएमएस बीएड कॉलेज में फ्रेशर्स डे का आयोजन

अंकुर कुमार मिस्टर व पम्मी कुमारी मिस फ्रेशर

संवाददाता। जमशेदपुर

कदमा स्थित डीबीएमएस बीएड कॉलेज में शनिवार को बीएड सत्र 23-25 के छात्रों के लिए फ्रेशर्स डे का आयोजन किया गया. यह आयोजन कॉलेज के सीनियर (सत्र 22-24) छात्रों की ओर से किया गया. डीबीएमएस कॉलेज के अध्यक्ष बी चंद्रशेखर, सचिव श्रीप्रिया धर्मराजन, सह सचिव उषा रामानाथन, गवर्निंग बॉडी सचिव सतीश सिंह एवं उप प्राचार्य डॉ मोनिका उप्पल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. नए छात्रों का स्वागत टीका लगाकर एवं पुष्प गुच्छ देकर किया गया. नए छात्रों द्वारा रैम्प वाक, सोलो डांस एवं अंताक्षरी जैसे मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए. इसमें मिस्टर फ्रेशर्स अंकुर कुमार एवं मिस फ्रेशर्स का खिताब पम्मी कुमारी को दिया गया. इस अवसर कॉलेज के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

स्वच्छता सर्वेक्षण में जमशेदपुर का पिछड़ना चिंता का विषय: सरयू राय

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर में स्वच्छता का स्तर लगातार गिरता जा रहा है जो कि चिंता का विषय है. साल 2021 में स्वच्छता सर्वेक्षण में जमशेदपुर का स्थान 12 वां था जो साल 2022 में 18वां और 2023 में 43वां स्थान पर चला गया है. इसपर चिंता व्यक्त करते हुए विधायक सरयू राय ने कहा कि आखिर किन कारणों से जमशेदपुर की रैंकिंग खराब हो रही है. कारणों की समीक्षा होनी चाहिए. जमशेदपुर के विकास, स्वच्छता और जनसुविधाओं के संबंध में एक एकीकृत योजना बनाने की जरूरत है. सरयू राय ने शनिवार को आवासिय कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र की 15वें वित्त आयोग की राशि से 28 करोड़ 16 लाख की लागत से 17 बड़ी और महत्वपूर्ण योजनाएं क्रियान्वित होंगी. साथ ही क्षेत्र की 191 सड़क परिवहन की योजनाएं और 334 नागरिक सुविधा की योजनाएं योजना चयन समिति की बैठक में रखा है. निधि उपलब्धता के आधार पर इनका क्रियान्वयन होगा. फिलहाल इस मद में 18 करोड़ 68 लाख उपलब्ध है. उनका प्रयास रहेगाकि सभी योजनाओं का प्राक्कलन तैयार हो जाए तो मैं सरकार पर इसकी संपूर्ण राशि की स्वीकृति के लिए दबाव डाला जाएगा.

18 करोड़ की लागत की सड़क निर्माण को स्वीकृति : सरयू राय ने कहा कि क्षेत्र में पथ निर्माण विभाग से अबतक 18 करोड़ की लागत की सड़क निर्माण के योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त हुई है जिसके आधार पर इनका क्रियान्वयन हो रहा है. योजना चयन समिति की बैठक में दोहराया कि जमशेदपुर के विकास की योजनाएं एकीकृत होनी चाहिए. टुकड़े-टुकड़े में नहीं. क्षेत्र में बिहारी घाट से लेकर जिला स्कूल घाट तक नदी किनारे के विकास की करीब 2 हजार फीट लंबी योजनाएं स्वीकृत हुई है. इनपर करीब 2.5 करोड़ रुपए का काम होगा. दूसरे चरण में बागुनहातु, लालभट्ठा और पांडेय भट्ठा में नदी के किनारों को विकसित करने की योजना पर काम हो रहा है. इसके लिए सर्वे आरंभ हो गया है. इसी तरह नदी में गिरने वाले नालों को साफ करने के लिए 32.53 करोड़ रुपए की योजनाएं स्वीकृत हुई है.

पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करने की मांग

घाटशिला। उप प्रमुख गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने शनिवार को अनुमंडल पदाधिकारी घाटशिला सत्यवीर रजक को मांग पत्र सौंपा. उप प्रमुख ने एसडीओ से आग्रह किया है कि अनुमंडल क्षेत्र के प्रखंड स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के पदक विजेता खिलाड़ियों को गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मानित किया जाए. एसडीओ ने कहा कि वैसे खिलाड़ियों की सूची उपलब्ध कारण निश्चित रूप से सम्मानित किया जाएगा. उप प्रमुख ने कहा की खिलाड़ियों के प्रतिभा की सम्मान होने से और बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं. अनुमंडल में काफी पदक विजेता खिलाड़ी हैं. उप प्रमुख अपने स्तर से अनुमंडल के पदक विजेता खिलाड़ियों की सूची तैयार कर जल्द से जल्द गणतंत्र दिवस समारोह समिति को सौंपेंगे.

F9 होटल्स एंड इंडिया ट्रेवल
में आपका स्वागत और अभिनंदन!

आपके यात्रा को सुखद और सुविधाओं के आकांक्षा के लिए अयोध्या धाम श्रीराम नगरी, दिल्ली, पहाड़गंज नोएडा, गुड़गांव, देहरादून मसूरी, मुक्तेश्वर, हरिद्वार, ऋषिकेश, केदारनाथ, बद्रीनाथ, नैनीताल, अमृतसर, जम्मू, कतरा, वैष्णो देवी, जयपुर, उदयपुर, पुष्कर, अजमेर, आगरा, मथुरा, वृंदावन समेत पूरे भारत मे होटल और रूम मे ठहरने की उचित सुविधा और बस, ट्रेन और हवाई जहाज की टिकट की सुविधा निरंतर उपलब्ध है।

- FLIGHT TICKETS
- CRUISE BOOKING
- HOTEL BOOKING
- TRAIN TICKET
- TAXI SERVICE
- CURRENCY EXCHANGE
- HOLIDAY PACKAGES
- GROUP BOOKINGS
- E VISA SERVICE
- INTERNATIONAL TOUR PACKAGES

BOOKING
Call 8527271652-ved

स्कूली बच्चों ने देखा चिड़ियाघर, कई खेलों का आनंद भी लिया

जमशेदपुर। जमशेदपुर के तामोलिया स्थित गोविंद विद्यालय में तीन दिवसीय शीतकालीन शिविर का आयोजन किया गया. पिछले 11 जनवरी से आरंभ यह शिविर रविवार को सम्पन्न हुआ. शिविर के दौरान विद्यार्थियों में तार्किक एवं मानसिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए प्रथम दिन उन्हें चिड़ियाघर ले जाया गया. वहां बच्चों ने विभिन्न प्रकार के जंगली जानवरों और पक्षियों को देखा. दूसरे दिन विद्यार्थियों को बिरसा कृषि अनुसंधान केंद्र दारीसाई ले जाया गया एवं तीसरे दिन विद्यालय प्रांगण में कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए पिकनिक की व्यवस्था की गई, जिसमें विभिन्न प्रकार के खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया.

आयोजन चांडिल स्थित राज्य संपोषित प्लस 2 विद्यालय में विदाई समारोह का आयोजन

समारोह में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्या को दी गई विदाई

संवाददाता। चांडिल

चांडिल स्थित राज्य संपोषित प्लस 2 विद्यालय के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्या मंजीत कौर को समारोह पूर्वक विदाई दी गई. छात्र-छात्राओं और स्टाफ के द्वारा समारोह अयोजित कर उन्हें विदाई दी गई. सुश्री कौर के 14 वर्ष के कार्यकाल में विद्यालय में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है. उन्होंने सीमित साधनों के साथ विद्यालय में पठन-पाठन को दुरस्त करवाया, उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि रही बच्चों को अनुशासनात्मक जीवन जीने की कला सिखाना रहा. इससे पूर्व वे सरायकेला-खरसावां जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्यरत थीं, जहां उन्होंने खबू अनुभव कमाया. वर्ष 2009 में राज्य संपोषित उच्च विद्यालय में प्रधानचार्य के पद पर नियुक्त हुई थी. अपने अनुभवों को व्यवहार में लाकर उन्होंने विद्यालय को हर प्रकार से खूबसूरत बनाने का काम किया. इनके कार्यकाल में पढ़ाई की गुणवत्ता में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी हुई. अपने कार्यकाल के दौरान सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य ने अपने कार्यकुशलता से स्टाफ, विद्यार्थियों और अभिभावकों के दिल में स्थान बनाया था.

जीवन में सदा अनुशासित रहें : विदाई समारोह में उपस्थित सहकर्मी व विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सेवानिवृत प्रधानाचार्या मंजीत कौर ने सभी बच्चों से अनुशासन में रहकर पढ़ाई करने की अपील की. उन्होंने कहा कि अनुशासन आपके द्वारा भेदे गए कोई भी लक्ष्य को प्राप्त करने में अहम भूमिका निभाती है. उन्होंने जीवन में सदैव अनुशासित रहकर कार्य करने की बात कही. उन्होंने कहा कि चांडिल में उन्हें बहुत कुछ सिखने को मिला है. विदाई समारोह के दौरान नवनियुक्त प्रधानाचार्य मंगल सिंह मुंडा ने कहा कि सेवानिवृत्त प्रधानाचार्या की कुशल कार्यक्षमता व उत्कृष्ट योगदान उनके लिए प्रेरणास्त्रोत हैं. निवर्तमान प्रधानाध्यापिका सेवानिवृत्त जरूर हुई हैं, पर सेवा के दायित्वों से नहीं. इनके मार्गदर्शन की विद्यालय को हमेशा अपेक्षा रहेगी. वहीं बारी-बारी से सभी शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने अपना अनुभव साझा किया.

बच्चों ने किया कला का प्रदर्शन : विदाई समारोह में विद्यालय के पूर्ववर्ती और वर्तमान में पढ़ रहे विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम पेश किया.बच्चों ने नृत्य, संगीत और भाषण के माध्यम से प्रधानचार्या के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए उन्हें विदाई दी. कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्या, तमाम शिक्षक और वर्ष 2009 से 2023 तक उत्तीर्ण हुए सभी बैच के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे. इस दौरान मंच का संचालन, हराधन महतो, अष्टमी कुमारी, परमेश्वर साव और सुचिता कुमारी ने किया. अंत में विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया.

ब्रीफ खबरें

बस ने बाइक सवार को रौंद डाला, मौत

रांची। नामकुम थाना क्षेत्र के लोवाडीह चौक और मौलाना आजाद कॉलोनी के मुख्य गेट के बीच शनिवार को एक बस ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गयी. स्थानीय लोगों ने कहा कि बाइक सवार बाएं साइड से जा रहा था. सवारी उठाने के क्रम में ओवरटेक करने के कारण यह हादसा हुआ है. मृतक की शिनाख्त विनित बारला के रुप में की गयी है. वह खूंटी के कर्रा निवासी मंगल बारला का पुत्र था. वह रांची के श्री राम इलेक्ट्रो प्रा. लि. में काम करता था. इंस्पेक्टर सुनील तिवारी ने बताया कि दुर्घटना में एक युवक की मौत हुई है.

किशोरी के साथ जीजा साले ने किया दुष्कर्म

जमशेदपुर। जमशेदपुर के परसुडीह थाना क्षेत्र में एक 11 वर्षीय किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है. इधर, शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपियों में 23 वर्षीय वरुण दास और उसका 15 वर्षीय साला शामिल है. पुलिस ने वरुण को जेल भेज दिया, जबकि नाबालिग आरोपी को बाल सुधार गृह भेज दिया है. जानकारी के अनुसार गुरुवार देर शाम बच्ची घर के पास थी. इसी मौके का फायदा उठाकर दोनों आरोपियों ने बच्ची को बहलाया-फुसलाया और अपने साथ पास ही एक अर्धनिर्मित मकान में ले गए, जहां बारी-बारी से दुष्कर्म किया. शुक्रवार को बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर उसने परिजनों को सारी घटना बताई. जिसके बाद परिजनों ने थाने में इसकी शिकायत की. पुलिस ने तत्काल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया.

ट्रेन की चपेट में आने से एक की मौत

गोड्डा। गोड्डा स्टेशन से खुलकर पटना जानेवाली साप्ताहिक ट्रेन गोड्डा राजेंद्र नगर एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई. घटना शनिवार सुबह की है. गोड्डा रेलवे स्टेशन से खुलकर राजेंद्र नगर को जाने वाली ट्रेन अपने निर्धारित समय पर गोड्डा से खुलने के बाद जैसे ही कठौन स्टेशन पार कर पोरैयाहाट स्टेशन की ओर बढ़ी कि हादसा हो गया. एक व्यक्ति की ट्रेन के नीचे आने से उसकी मौत हो गई. कठौन स्टेशन पर ट्रेन का कोई ठहराव नहीं है ट्रेन अपने गति में थी. घटना में मृत व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई थी. घटना के बाद कठोन स्टेशन के आगे गाड़ी घंटे रुकी रही, बाद में शव को हटाए जाने के बाद करीब डेढ़ घंटे विलंब से ट्रेन अपने गंतव्य स्थान की ओर गई.

दो अभियुक्तों को पांच पांच साल की सजा

खूंटी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रथम संजय कुमार के न्यायालय ने शनिवार को अफीम तस्करी के दो आरोपितों को पांच-पांच वर्ष के सश्रम कारावास और 20-20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई. जिला पुलिस ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि न्यायालय ने मारंगहादा थाना कांड संख्या 03/20 के अभियुक्त डेबा मुंडा उर्फ सोमा मुंडा और वजीर खान उर्फ छोटू को एनडीपीएस एक्ट की धारा 18 सी में पांच-पांच वर्ष के सश्रम कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई है. उल्लेखनीय है कि 29 जनवरी 2020 को तत्कालीन मारंगहादा थाना प्रभारी कामेश्वर कुमार द्वारा रात्रि में छापेमारी दल के साथ सलगाडीह मोड़ के पास उक्त अभियुक्तों को एक किलो 500 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था.

टीपीसी सदस्य बिंदु गंझू की जमानत खारिज

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में टेरर फंडिंग से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) के सदस्य बिनेश्वर गंझू उर्फ बिंदु गंझू की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई. मामले में कोर्ट ने बिनेश्वर गंझू की जमानत याचिका खारिज कर दी. मामले को लेकर ईडी ने बिनेश्वर गंझू के खिलाफ ईसीआईआर 1/2021 दर्ज किया है. आरोप है कि बिनेश्वर गंझू ने टेरर फंडिंग के पैसे से हाइवा गाड़ी खरीदी है. ईडी ने उसके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है.

मामला तिसरी थाना क्षेत्र के बाघमारी गांव का मामला

कुएं से गर्भवती महिला और 2 वर्षीय पुत्री का शव बरामद

- मामले की जांच में जुटी है तिसरी थाना पुलिस

संवाददाता। तिसरी (गिरिडीह)

तिसरी थाना क्षेत्र के बाघमारी गांव में शनिवार की सुबह एक हृदयविदारक घटना घटित हुई है. गांव के ही एक कुएं में 24 वर्षीय गर्भवती महिला और उनकी 2 वर्षीय पुत्री का संदेहास्पद स्थिति में शव मिला है. मृतका उक्त गांव के प्रमोद यादव की पत्नी ममता देवी व उनकी 2 वर्षीय पुत्री परिनिधि कुमारी है. इस मामले में मायके पक्ष वाले मृतका के पति पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं, जबकि ससुराल वाले इसे आत्महत्या बता रहे हैं. घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई. मौके पर पंचायत के मुखिया जानकी यादव, करण यादव, मन्नू यादव समेत कई लोग भी पहुंचे. जिसके बाद तिसरी पुलिस को मामले की जानकारी दी. सूचना पाकर पुलिस इंस्पेक्टर वीरेंद्र टोप्पो, थाना प्रभारी प्रदीप कुमार और एसआई अभिमन्यु परिहारी सदल बल घटनास्थल पर पहुंचे. जहां स्थानीय लोगों की मदद से दोनों शवों को कुएं से निकाला गया. जिसके बाद पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गिरिडीह भेज दिया. बहरहाल तिसरी पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है. यह हत्या है या आत्महत्या जांचोपरांत ही स्पष्ट हो पाएगी.

सिंहपुर के तालाब में डूबने से बुजुर्ग की मौत

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के सिंहपुर निवासी अपील ठाकुर की मौत शनिवार को शायर बांध में डूबने से हो गई. घटना की सूचना पाकर थाना प्रभारी उज्जवल कुमार पांडेय, घनश्याम महतो समेत काफी संख्या में लोग पहुंचे. पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आज पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा. जानकारी के अनुसार अपील ठाकुर शनिवार दोपहर करीब तीन बजे स्नान करने के शायर बांध गए थे. इसी दौरान वह तालाब के गहरे पानी में डूब गए. मौके पर मौजूद ग्रामीण बचाने के लिए दौड़ पड़े, लेकिन गहरे पानी के कारण करीब डेढ़ घंटे की खोजबीन के बाद उनका शव शव तालाब से बाहर निकला गया.

आओ जानें

जिले में अनुसंधान के मामले हैं लंबित

रांची	: 10143	चतरा	: 1513
खूंटी	: 367	गिरिडीह	: 2026
गुमला	: 610	धनबाद	: 4004
सिमडेगा	: 193	बोकारो	: 2290
लोहरदगा	: 525	दुमका	: 1085
चाईबासा	: 806	गोड्डा	: 709
सराइकेला	: 964	जामताड़ा	: 463
जमशेदपुर	: 1930	देवघर	: 2630
पलामू	: 1991	साहेबगंज	: 1572
लातेहार	: 927	पाकुड़	: 421
गढ़वा	: 1652	रेल धनबाद	: 340
हजारीबाग	: 3703	रेल जमशेदपुर	: 87
रामगढ़	: 524	कुल:	41919
कोडरमा	: 444		

गिरफ्तार अपराधियों के खिलाफ अलग-अलग थानों में दर्ज हैं मामले

भौजू गिरोह के 6 अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

संवाददाता। गोड्डा

अंतर जिला साइबर अपराध की कई घटनाओं को अंजाम देने वाले भौजू मंडल गिरोह का भंडाफोड़ कर गोड्डा पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. गिरोह के नेटवर्क से जुड़कर काम कर रहे कांडों में संलिप्त कुल छह लोगों की गिरफ्तारी भी की गई है. घटना गोड्डा मुफ्फसिल थाना क्षेत्र की है. ग्राम मखनी एवं आसपास के क्षेत्र से साइबर क्राइम से संबंधित गतिविधियां संचालित करने को लेकर पुलिस को मिले इनपुट के बाद एसडीपीओ गोड्डा जेपीएन चौधरी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर अनुसंधान किया जाने लगा.

विशेष पुलिस टीम इस मामले में सक्रिय हुई और खोजबीन के क्रम में भौजू मंडल पिता स्व बालीनाथ मंडल ग्राम लखनपुर थाना रामगढ़ जिला दुमका को हिरासत को लेकर पूछताछ किए जाने लगा. पुलिस द्वारा किए गए पूछताछ के क्रम में एक-एक कर छह साइबर अपराधियों को अलग-अलग ठिकानों पर से गिरफ्तार किया गया. जिसमें से तीन अपराधी दुमका जिला के एक देवघर जिला के रहने वाले हैं, जबकि दो अपराधी स्थानीय गोड्डा जिला के है.

पुलिस ने जब इनसे दबिश देकर पूछताछ किया तो सारा मामला खुलता चला गया. इन छह अपराधियों के पास से आठ मोबाइल दस सिम कार्ड, पांच एटीएम कार्ड, एक बैंक खाता एवं अन्य सामानों को जब्त किया गया है. गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में भौजू मंडल के अलावा अशोक कुमार मंडल पिता सोमेश्वर मंडल ग्राम लखनपुर रामगढ़ दुमका, मन कुमार मंडल पिता कांग्रेस कुमार मंडल ग्राम दामोडीह थाना रामगढ़ जिला दुमका, ज्ञानदीप मंडल पिता अरुण मंडल ग्राम घोरमारा देवघर, उमेश मंडल पिता सत्यनारायण मंडल ग्राम परगोडीह थाना देवदार जिला गोड्डा एवं सुमन मंडल पिता टूना मंडल ग्राम कस्बा थाना गोड्डा मुफ्फसिल जिला गोड्डा शामिल है.

गिरफ्तार किए गए साइबर अपराधियों ने बताया कि वह फर्जी सिम से कॉल करते हैं फिर उसके व्हाट्सएप पर ओटीपी लिंक भेजते हैं. लिंक के ऑन करते ही सारा डाटा ओटीपी हमलोगों के मोबाइल पर आ जाता है और बैंक खाता से पैसे के निकासी कर ली जाती है. विशेष टीम में प्रशिक्षु डीएसपी कुमार गौरव, गजेश कुमार, अमित अभिषेक, मुकेश उपाध्याय, राजूलाल स्वांसी मनोरंजन कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे

10.40 लाख के साथ दो साइबर अपराधी गिरफ्तार, भेजा जेल

जामताड़ा। एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार को पुलिस उपाधीक्षक (साइबर अपराध) मंजरूल होदा के नेतृत्व में जामताड़ा साइबर थाना की पुलिस ने बिंदापाथर थाना क्षेत्रन्तर्गत जगन्नाथपुर गांव में छापेमारी की. इस दरम्यान जगन्नाथपुर गांव से दो साइबर आरोपी क्रमशः संजीत मंडल उम्र 20 वर्ष (पिता-हरीपद मंडल) एवं जितेन गोराई उम्र 26 वर्ष (पिता-परेश गोराई) को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार आरोपियों में संजीत मंडल के पास से 10 लाख 40 हजार रूपए नगदी, 08 मोबाइल, 09 सिम, 02 बैंक पासबुक एवं 01 राशन कार्ड बरामद किया गया है. शनिवार को एसपी अनिमेष नैथानी ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि पकड़े गए साइबर अपराधियों के पास से फर्जी मोबाइल एवं सिम बरामद किया गया है. इस संबंध में इनके विरूद्ध जामताड़ा साइबर अपराध थाने में मामला दर्ज किया गया है. वहीं गिरफ्तार अभियुक्तों को जेल भेज दिया है.

एसपी ने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ के क्रम में यह स्वीकार किया है कि वे लोग एटीएम कार्ड बंद होने,आधार कार्ड को लिंक करने के नाम पर लोगों को कॉल करता था. उनके झांसे में फंसने वाले व्यक्ति से बैंक संबंधी विवरणी,एटीएम से संबंधित सारी जानकारी प्राप्त कर उन्हें वाट्सऐप वीडियो कॉल से उनका स्क्रीन शेयर करवाकर बैंक संबंधी सारी गुप्त जानकारी प्राप्त कर साइबर ठगी करता था. कहा कि गिरफ्तार आरोपी जितेन गोराई के विरूद्ध दिनांक 13.11.2018 को साइबर अपराध थाना कांड संख्या-52/18 के अंतर्गत एवं जामताड़ा साइबर अपराध थाने में आरोप पत्रित है.

परिजनों के अनुसार शुक्रवार की रात से ही घर से गायब थे दोनों

नाबालिग प्रेमी युगल का शव बरामद

संवाददाता। गुमला

घाघरा थाना क्षेत्र के डुको पीपर टोली गांव के एक कुएं से शनिवार को पुलिस ने नाबालिग प्रेमी युगल का शव बरामद किया है. मृतक की पहचान गांव के 16 वर्षीय किशोर मुकेश गोप व 16 वर्षीय किशोरी प्रतिमा कुमारी के रूप में की गई. परिजनों के अनुसार दोनों शुक्रवार की रात घर से गायब थे. मृतक किशोरी के घर के महज सौ मीटर की दूरी स्थित एक कुएं में शव होने की सूचना एक किसान ने ग्रामीणों को दी. ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी. पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से दोनों के शव को बरामद कर लिया.

सूत्रों के अनुसार दोनों किशोर-किशोरी के बीच प्रेम संबंध था और किशोरी गर्भवती थी. हत्या या आत्महत्या को लेकर फिलहाल संशय बनी हुई है.

पुलिस दोनों पक्षों के परिजनों से गहन पूछताछ कर रही है. एएसआई रामनाथ टुडू ने घटना स्थल पर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. थानेदार अमित कुमार चौधरी के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हत्या या आत्महत्या स्पष्ट हो सकता है. मृतक मुकेश गोप के पिता बाल मोहन गोप और मृतिका प्रतिमा उरांव के पिता रंथू उरांव से पूछताछ की जा रही है.

उद्योग महाप्रबंधक की कार से टकराया बाइक सवार, एक की मौत

आदित्यपुर। सरायकेला–कांड्रा मुख्य मार्ग पर दुगनी मोड़ पर एक सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई, वहीं दूसरा बाइक सवार घायल हो गया है. जिस कार से एक्सीडेंट हुआ है वह उद्योग विभाग के महाप्रबंधक शिव कुमार की है. बताया जाता है कि उद्योग विभाग के महाप्रबंधक शिव कुमार अपनी कार से सरायकेला की ओर जा रहे थे, तभी बाइक से जमशेदपुर की ओर आ रहे दो युवक की सीधी टक्कर कार से हो गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए. दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने शिव कुमार को घेर लिया और मारपीट करने लगे. वहीं घायलों को तत्काल इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां एक युवक को मृत घोषित कर दिया गया. घटना के बाद शिव कुमार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है.

एसी लगाने के दौरान तीसरे तल्ले से गिरा युवक, मौत

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना अंतर्गत भादानी ट्रेड सेंटर में एसी लगाने के दौरान तीसरे तल्ले से गिरकर 31 वर्षीय आफताब आलम उर्फ राजा गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना के बाद सहकर्मियों ने उसे तत्काल इलाज के लिए टीएमएच पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया गया. आफताब कीताडीह मस्जिद के पास रहने वाला था. सहकर्मियों ने बताया कि वे लोग भादानी ट्रेड सेंटर के तीसरे तल्ले में एसी लगाने का काम कर रहे थे. आफताब ने सेफ्टी किट नहीं पहना था. इसी दौरान जिस जाली पर वह खड़ा होकर काम कर रहा था, वह टूट गया जिससे आफताब नीचे गिर पड़ा.

खास बातें

- मृतक की पहचान आफताब आलम के रूप में हुई है
- आफताब ने सेफ्टी किट नहीं पहना था

सेफ्टी को लेकर मालिक को किया था सचेत

मामले को लेकर सहकर्मी प्रकाश ने बताया कि वे लोग काम कर रहे थे. उन्होंने जाली देखकर मालिक को भी सचेत किया था पर मालिक ने इसे नजरअंदाज कर दिया. जैसे ही आफताब जाली में चढ़ा वह जाली टूट गई, जिससे आफताब नीचे गिर पड़ा. उसे टीएमएच लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.

मयंक सिंह के नाम पर टपुंजिया अपराधी भी मांग रहे हैं रंगदारी

रांची। जेल में बंद अपराधी अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह के नाम पर कारोबारियों से रंगदारी मांगी जा रही है. इसे लेकर मयंक सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी कर कहा है कि जो भी छोटे-बड़े भाई मेरे नाम से रंगदारी मांगने का और धमकाने का काम कर रहे हैं, वह बंद कर दो. अगली बार कोई वॉर्निंग या चेतावनी नहीं मिलेगी, बल्कि डायरेक्ट ऊपर पहुंचा दिया जाएगा. एक तरफ जहां धनबाद में प्रिंस खान तो, वहीं दूसरी ओर रांची, रामगढ़, लातेहार और हजारीबाग जिला में अमन साहू गिरोह का उत्पात बढ़ा है. इन दोनों गिरोहों के अपराधी कोयला, पत्थर, बालू, समेत अन्य जुड़े कारोबारी और निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार से व्हाट्सएप कॉल और व्हाट्सएप मैसेज के जरिए लगातार रंगदारी की मांग कर रहे हैं. इतना ही नहीं इन आपराधिक गिरोह के नाम पर दूसरे सामाजिक तत्व भी इसका फायदा उठा रहे हैं. साथ ही रंगदारी मांगने के लिए धमकी देने का काम कर रहे हैं.

एमजीएम अस्पताल के कैदी वार्ड की दीवार गिरी, मचा हड़कंप

संवाददाता। जमशेदपुर

कोल्हान के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एमजीएम हॉस्पीटल में कैदी वार्ड की दीवार ढह गई. घटना शनिवार सुबह की है. इस घटना के बाद वहां से लोग इधर-उधर भागने लगे. पूरे अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल हो गया. हालांकि इस घटना में अस्पताल में मौजूद किसी भी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा. उल्लेखनीय है कि एमजीएम अस्पताल परिसर में कैदी वार्ड के पीछे निर्माण कार्य चल रहा है. इस घटना के दौरान कोई मजदूर वहां काम नहीं कर रहे थे. अन्यथा कोई बड़ी घटना हो सकती थी. घटना स्थल के पास ही काफी बड़ा गड्ढा खोदा गया है. इस वजह से कैदी वार्ड की दीवार की नींव कमजोर हो गई थी. इसी कारण दीवार गिर गई. इस घटना के बाद से लोगों में दहशत है. इधर घटना के बाद कैदी वार्ड में अतिरिक्त बल तैनात कर दिया गया है और निर्माण कार्य भी शुरु कर दिया गया है. कुछ माह पूर्व एमजीएम अस्पताल का छज्जा का बड़ा हिस्सा गिर गया था.

वृद्ध सिक्योरिटी गार्ड की संदेहास्पद मौत

पलामू। मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के विजय माइंस के सिक्योरिटी गार्ड चियांकी निवासी छठू सिंह (73) की संदेहास्पद मौत हो गयी. मौत का कारण पूरी तरह से स्पष्ट नहीं रहने के कारण पुलिस की ओर से पहल करते हुए शव का पोस्टमार्टम एमएमसीएच में कराया गया. हालांकि शुरूआती मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कारण पूरी तरह से स्पष्ट होगा. छठू सिंह विजय माइंस में डयूटी के दौरान अचेत पड़े मिले थे. आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती किया गया था. साढे तीन घंटे तक इलाज चलने के बाद उनकी मौत हो गयी. हार्ट अटैक से मौत बताये जाने पर परिजन बिना पोस्टमार्टम कराये शव घर ले गए थे, लेकिन स्थानीय मुखिया और पुलिस ने मामले में संदेह के आधार पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. दरअसल, नेशनल हाइवे-75 के निर्माण के लिए चियांकी इलाके में भूमि अधिग्रहण की गयी है.

अवैध बैरल पत्थर खदान में वन विभाग ने की छापेमारी

एक गिरफ्तार, बाइक सहित कई सामान किए गए जब्त

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

गावां वन विभाग की टीम ने वन प्रक्षेत्र के असुरहड्डी जंगल में अवैध रूप से संचालित बैरल पत्थर खदान में छापेमारी की है. छापेमारी में खनन करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. वन विभाग ने यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की है. बता दें कि रेंजर को गुप्त सूचना मिली थी कि असुरहड्डी जंगल में अवैध बैरल पत्थर का खनन किया जा रहा है. सूचना के आधार पर टीम का गठन कर असुरहड्डी जंगल में छापेमारी की गई. छापेमारी के दौरान मौके पर से लोकाय नयनपुर थाना के डुब्बा गांव निवासी रामस्वरूप कुमार, पिता दारोगी कमार को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया. साथ ही खनन करने के लिए रखे गेता, छैनी हथौड़ी सहित कई उपकरण को जब्त कर लिया गया. वनकर्मियों ने बैरल को ले जाने के लिए तस्कर द्वारा रखे गए बजाज मोटर साइकिल को भी जब्त कर वन कार्यालय ले आया. रेंजर अनिल कुमार ने कहा कि गिरफ्तार आरोपी को जेल भेज दिया गया है.

शौचालय निर्माण का विरोध, तेज धारदार हथियार से हमला

पलामू। सतबरवा थाना क्षेत्र के ताबर गांव में दो लोगों पर तेज धारदार हथियार से हमला किया गया. दोनों के सिर में गंभीर जख्म हुए हैं. शनिवार को दोनों पीडितों ने सतबरवा थाना में मामला दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है. गांव के ही दो सगे भाइयों पर हमला करने का आरोप लगाया है. पुलिस मामले की छानबीन करने में जुट गई है. जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह काजिम मियां (30) अपनी निजी जमीन पर शौचालय का निर्माण करा रहे थे. इसी बीच गांव के ही दो सगे भाई अब्दुल हक उर्फ राबो तथा सैदुल हसन दोनों भाई पिता स्वर्गीय अली हसन गाली-गलौज करते हुए निर्माणाधीन शौचालय के पास पहुंचे और दीवार को गिरा दिया. इस दौरान एक भाई ने तेज धारदार हथियार गड़ासा से प्रहार करके काजिम मियां के सिर को जख्मी कर दिया. बीच बचाव करने पहुंचे जान मोहम्मद मियां (28) के सिर पर भी प्रहार करके जख्मी कर दिया गया.

लापरवाही चैताडीह स्थित मातृत्व शिशु इकाई का मामला, डॉक्टर पर लगाया लापरवाही का आरोप

नवजात की मौत के बाद परिजनों ने खूब हंगामा किया

- महिला को प्रसव के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, शिशु की जान नहीं बची

संवाददाता। गिरिडीह

सदर अस्पताल की चैताडीह स्थित मातृत्व शिशु इकाई में शनिवार को एक नवजात की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया. नवजात की मौत का मुख्य कारण परिजनों ने अस्पताल के चिकित्सक और कर्मियों पर लापरवाही बताया. परिजनों का कहना था कि यदि लापरवाही नहीं बरती जाती तो नवजात की मौत नहीं होती. जानकारी के अनुसार सदर प्रखण्ड के चेंगरबासा निवासी अभिषेक वर्मा की गर्भवती पत्नी सिमरन कुमारी को पेट में दर्द होने पर परिजन उसे लेकर शनिवार सुबह पांच बजे अस्पताल पहुंचे. चिकित्सक ने उसकी स्थिति देख उसे भर्ती कर ली. परिजनों की मानें तो सुबह लगभग नौ बजे प्रसव के दौरान नवजात का कुछ हिस्सा बाहर निकला और दिन के एक बजे तक उतना ही हिस्सा निकला रहा. इस दौरान प्रसूता दर्द से कराहती रही, लेकिन अस्पताल के कर्मियों ने ध्यान नहीं दिया. बाद में जब परिजनों ने प्रसव की स्थिति को देख स्वास्थ्य कर्मियों से बात की तो स्वास्थ्य कर्मियों ने उन्हें ठीक ठाक डिलीवरी हो जाने की बात कह कर टाल दिया.

बाद में परिजन प्रसूता को लेकर चैताडीह स्थित मातृत्व शिशु केंद्र के बगल में संचालित जनता हॉस्पिटल ले गए. जहां प्रसव हुआ लेकिन नवजात कोई हरकत नहीं कर रहा था. परिजन नवजात को लेकर दुबारा चैताडीह स्थित मातृत्व शिशु केंद्र पहुंचे. जहां नवजात की मौत हो गई. इससे आक्रोशित परिजन चिकित्साकर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगा कर हंगामा करने लगे. परिजनों ने आरोप लगाया कि सही समय पर डिलीवरी नहीं कराने के कारण नवजात की मौत हुई है. इस बाबत सिविल सर्जन डॉक्टर एसपी मिश्रा ने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी और दोषी कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

मिलन चौक से पिकअप वैन को ले उड़े चोर, मामला दर्ज

संवाददाता। चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में बकरी, मवेशी के बाद अब वाहन भी चोरी होने लगा है. बकरी और मवेशी की चोरी होने से जहां गरीब वर्ग के लोग परेशान थे, वहीं अब पिकअप वैन की चोरी होने से व्यवसायी वर्ग को काफी चिंता हो गयी है. ताजा घटना ईचागढ़ थाना क्षेत्र के मिलन चौक पर घटी है. भीड़-भाड़ वाले मिलन चौक से चोरों ने एक रसायनिक खाद व्यवसायी का पिकअप वैन चोरी कर ली. मिली जानकारी के अनुसार अन्य दिनों की भांति पिकअप वैन को अपने मकान के आगे चहारदीवारी के अंदर रखा था. शनिवार सुबह जब दरवाजा खोलकर देखा तो वैन वहां से गायब था. उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ अगल-बगल में खोजबीन किया तो कहीं वाहन नहीं मिला. वहीं व्यवसायिक सुरक्षा समिति मिलन चौक के अध्यक्ष अरुण मांझी ने मिलन चौक में बार-बार घट रही आपराधिक मामलों पर चिंता जताते हुए सुरक्षा की मांग की है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष एकादश भाव में चंद्र हैं. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है. समय का लाभ लें.

वृषभ वृद्ध के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय लाभ का मौका देगा, पर दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य पूर्ण होगा. पारिवारिक चिंता दूर रहेगी. कीमती वस्तुओं का लाभ होगा. वस्त्र का दान करें.

मिथुन भाग्य का साथ मिलेगा, पर खर्च अधिक होगा. डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. आपके प्रभाव और ईमानदारी से व्यापार में वृद्धि के योग हैं. निवेश शुभ रहेगा. गणेश चालीसा का पाठ करें.

कर्क आय के लिए दिन बहुत अच्छा है. नई योजना बनेगी. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

सिंह उदर विकार से बचें. परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. आपके प्रभाव से कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. मंदिर में सेवा करें. अन्न और जल का दान करें.

कन्या संतान के कार्य पर ध्यान दें. समय सामान्य है. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा. हनुमानजी का पूजन करें.

तुला समय सामान्य है. मौसमी रोग से बचें. साथ ही कोई पुराना रोग उभर सकता है. भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. मंदिर में झाड़ू का दान करें.

वृश्चिक समय सामान्य है. संतान के क्रियाकलापों पर ध्यान रखें. बोलने से पहले विचार कर लें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. व्यर्थ भागदौड़ होगी. कार्य में विलंब होगा. चिंता तथा तनाव रहेंगे. गणेश का मंत्र जप करें.

धनु पराक्रम से कार्य सिद्ध होगा. साथ ही मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. आय में वृद्धि होगी. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा. गौ माता की सेवा करें.

मकर पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. गायत्री मंत्र का जाप करें.

कुंभ आय में वृद्धि होगी. पराक्रम बढ़ेगा. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा. पर निवेश सोच विचार कर ही करें. माता तुलसी को दीपक दिखावें.

मीन सुख के साधन जुटेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. स्त्री पक्ष से लाभ होगा. किसी शत्रु से कोई अज्ञात भय रहेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. गुरु मंत्र का जाप आवश्यक है.

अंकिता को बीपीएससी परीक्षा में तीसरा स्थान

मैथन (धनबाद)। मध्य विद्यालय खैरकियारी के प्रभारी प्रधानाध्यापक विनोद कुमार चौधरी की बेटी अंकिता चौधरी ने 67वीं बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा में तीसरा स्थान लाकर क्षेत्र व पूरे जिले का नाम रोशन किया है. अंकिता का चयन अनुमंडल दंडाधिकारी के पद पर हुआ है. अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ निरसा तीन के अध्यक्ष प्रमोद कुमार झा के नेतृत्व में शिक्षकों ने शनिवार को पंचेत स्थित उनके आवास पहुंचकर अंकिता को शुभकामनाएं दी.

नदी पूजन के साथ स्वर्णरेखा महोत्सव आज

जमशेदपुर। स्वर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट एवं युगांतर भारती के संयुक्त तत्वावधान में 14 जनवरी को ''स्वर्णरेखा महोत्सव 2024'' का आयोजन किया जाएगा. इसके तहत प्रत्येक वर्ष की भांति नदियों का पूजन किया जाएगा. यह पूजन समारोह सोनारी स्थित दोमुहानी नदी घाट सहित भुइयांडीह कल्याणनगर घाट, सीतारामडेरा के पाण्डेय घाट और बारीडीह स्थित भोजपुर कॉलोनी घाट पर होगा. सोनारी स्थित दोमुहानी घाट पर प्रातः 10.30 बजे नदी पूजन होगा, इसके पश्चात प्रसाद का वितरण किया जाएगा.

याद किए गए साहित्यकार खगेंद्र ठाकुर

रांची। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी झारखंड राज्य परिषद की ओर से लेखक आलोचक प्रगतिशील लेखक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सीपीआई के राज्य कार्यकारणी के सदस्य रहे डॉ खगेंद्र ठाकुर की चौथी पुण्यतिथि पर सीपीआई कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. राज्य कार्यकारणी सदस्य सह जिला सचिव अजय सिंह ने कहा कि खगेंद्रजी की कमी वर्तमान समय में बहुत खलती है. वर्तमान समय में जो वैचारिक लड़ाई इस देश में लड़नी होगी उसमे लेखकों और बुद्धिजीवियों को आगे आना होगा. मौके पर राजद के राजेश यादव, मनोज ठाकुर, निर्भय कुमार, दीपक लाल, श्यामल चक्रवर्ती आदि शामिल थे.

सियासत : देवघर के पूर्व एसपी-डीसी के बीच का विवाद राजनीतिक गलियारे में चर्चित, भाजपा सरकार पर हमलावर

राजनीतिक दबाव में आईएएस और आईपीएस के बीच बढ़ रहा तनाव

सौरभ सिंह। रांची

राजनीतिक दबाव में आईएएस और आईपीएस अफसरों के बीच तनाव बढ़ रहा है. वर्तमान में देवघर जिले के पूर्व एसपी सुभाष चंद्र जाट ने तत्कालीन डीसी मंजूनाथ भजंत्री के ऊपर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. ताजा मामला देवघर के तत्कालीन एसपी और डीसी के बीच विवाद को लेकर सामने आया है. इसको लेकर राजनीतिक गलियारे में काफी चर्चा है. भाजपा इस मुद्दे को लेकर सरकार पर हमलावर है. ऐसा पहली बार नहीं है कि आईएएस और आईपीएस विवाद सामने आया हो. इससे पहले भी झारखंड में इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं.

सरकार तक पहुंचा था जामताड़ा डीसी और एसपी के बीच का विवाद

जामताड़ा के तत्कालीन डीसी फैज अक अहमद मुमताज और एसपी अंशुमान कुमार के बीच का विवाद सरकार तक पहुंच गया था. यह मामला 12 अगस्त 2020 का है. जामताड़ा के गांधी मैदान में परेड पूर्वाभ्यास के दौरान गुरुवार को डीसी तथा एसपी में कहा-सुनी हो गई थी. गांधी मैदान में डीसी पहले पहुंच गए थे और एसपी कुछ देर बाद आए, जिसपर उपायुक्त ने नाराजगी जताई. इसपर एसपी का जवाब था कि वे निर्धारित समय पर आए हैं. एसपी अंशुमान कुमार ने विवाद के बाद ट्वीटर हैंडल पर डीसी के पद से लेकर प्रभारी डीजीपी व वर्तमान सरकारी व्यवस्था पर अपनी जम कर भड़ास निकाली थी. लिखा कि डीसी का पद बिना मतलब का है. पुलिस सुधार की दिशा में कोई काम नहीं हुआ, पुलिस की स्थिति सबसे खराब है, संस्था मजबूत नहीं. पोस्ट की जब आलोचना होने पर लगी उन्होंने एकाउंट बंद कर दिया था.

दुमका में झंडोत्तोलन को लेकर डीआईजी और उपायुक्त के बीच हो गया था विवाद

स्वतंत्रता दिवस 2023 के कार्यक्रम को लेकर दो दिन पहले दुमका रेंज के डीआईजी सुदर्शन मंडल और डीसी डीसी ए डोडे के बीच विवाद हो गया था. इसे लेकर डीसी ए डोडे ने सरकार को पत्र लिखा था. लिखे पत्र में कहा गया कि दुमका जिले में स्वतंत्रता दिवस पर मुख्य समारोह पुलिस लाइन में होना तय हुआ है. इसके लिए पिछले कई दिनों से तैयारी की जा रही है. इसी क्रम में संपूर्ण कार्यक्रम का पूर्वाभ्यास किया गया. इसमें यह देखा गया कि डीआईजी दुमका द्वारा कार्यक्रम मंच की व्यवस्था, विशिष्ट अतिथियों के आगमन के संबंध में अलग-अलग दिशा-निर्देश अधिकारियों को दे रहे थे, और पूर्वाभ्यास में परेड का निरीक्षण उनके द्वारा किया गया. जिसके कारण अधिकारियों और अधीनस्थ कर्मियों में असमंजस और दुविधा की स्थिति उत्पन्न हो रही थी. जिसका प्रभाव मुख्य समारोह स्थल पर पड़ा.

देवघर के पूर्व एसपी का गृह विभाग को पत्र, डीसी रहते भजंत्री निशिकांत दुबे को गिरफ्तार करने के लिए बनाते थे दबाव

देवघर के तत्कालीन एसपी सुभाष चंद्र जाट ने जिले के तत्कालीन उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. यह भी बताया है कि गोड्डा से भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे से डीसी मंजूनाथ भजंत्री निजी दुश्मनी साधते थे, और उनपर दबाव बनाते थे, कि किसी भी तरह सांसद निशिकांत दुबे को किसी केस में फंसाएं और उन्हें गिरफ्तार कर लें. एसपी हर बार ऐसा करने से मना कर देते थे. उन्होंने बताया है कि उनके विरुद्ध किए गए डीसी की वार्षिक कार्य मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीएआर) दुर्भावना से प्रेरित है. उन्हें नीचा दिखाने, उन्हें अक्षम दिखाने की कोशिश की गई. तत्कालीन डीसी मंजूनाथ भजंत्री के किए गए वार्षिक कार्य मूल्यांकन रिपोर्ट के प्रत्येक बिंदु पर तत्कालीन एसपी सुभाष चंद्र जाट ने बिंदुवार अपनी बात रखी है और उससे संबंधित पत्र गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव अविनाश कुमार को भेजा है.

प्रकाश पर्व : पंजाब से आए सिख कलाकारों ने दिखाये आकर्षक करतब

शबद कीर्तन के साथ निकली शोभा यात्रा

संवाददाता। हजारीबाग

महिलाएं कर रहीं थीं शबद कीर्तन, बच्चे गा रहे थे गुरुवाणी

गुरु गोविंद सिंह की 357 वीं जयंती 17 जनवरी को है. सिख पंथ के दसवें गुरुगोविंद सिंह जयंती की पूर्व संध्या पर शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई. कीर्तनमयी शोभायात्रा गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई पुनः वहीं पर जाकर समाप्त हुई. शोभायात्रा का शहर में जगह-जगह स्वागत किया गया. रास्ते में तमाम श्रद्धालुओं ने सबीलें लगाकर शोभायात्रा में शामिल लोगों को चाय पिलाई और प्रसाद वितरण किया. शोभा यात्रा के आगे सिख युवक गदका आदि करतब दिखा रहे थे. इसमें शामिल पंच प्यारे शोभायात्रा में आकर्षण का केंद्र बने रहे.

गुरु गोविंद सिंह जयंती की पूर्व संध्या पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा से विशाल कीर्तनमयी शोभायात्रा निकाली गई. इसमें सिख समुदाय के सैकड़ों महिला पुरुष और बच्चे शामिल हुए. शोभा यात्रा के आगे पंच प्यारों का दल चल रहा था, जो आकर्षण का केंद्र रहा. युवकों के एक समूह ने तरह तरह के करतब दिखाकर लोगों को हैरत में डाल दिया. महिलाएं शबद कीर्तन करती चल रही थीं. बच्चे गुरुवाणी गा रहे थे. शोभा यात्रा के बीच गुरुग्रंथ साहिब की सवारी भी शामिल थी.इसके पीछे ट्रैक्टर-ट्रॉली में रागी जत्थे शबद कीर्तन करते चल रहे थे. महिलाएं गुरुग्रंथ साहिब की सवारी के आगे झाड़ लगा रही थी. रास्ते में फूलों का वर्ष किया जा रहा था. शोभायात्रा शहर के गुरु गोविंद सिंह रोड, अन्नदा चौक, बुढ़वा महादेव रोड, बंसीलाल चौक, मेन रोड होते हुए गुरुद्वारे में जाकर समाप्त हुई.जगह-जगह शिविर लगाकर श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया. शामिल लोगों को चाय नाश्ता कराया और प्रसाद वितरण किया. अन्नदा चौक पर भैया अभिमन्यु प्रसाद के नेतृत्व में शोभा यात्रा में शामिल लोगों के लिए नाश्ता पानी की व्यवस्था की गई थी. दर्जनों दूसरे धर्म के लोग शोभायात्रा का स्वागत किया और आपसी भाईचारा का भी संदेश देने की कोशिश की. इस दौरान पंजाब से आए करतबबाज ने अपने करतब से लोगों का दिल जीत लिया.

गुरुद्वारा कमेटी हजारीबाग के अध्यक्ष अवतार सिंह ने कहा कि सिख समुदाय के लिए प्रकाश पर्व सबसे अहम पर्व होता है. दसवीं गुरु के याद में शोभा यात्रा निकाली गई है. जिन्होंने मानवता धर्म के लिए अपने परिवार माता-पिता बच्चों को भी छोड़ कर देश के लिए कुर्बान हो गए. उन्होंने कहा कि पंजाब के रोपड़ से करतब दिखाने के लिए सिख भाई पहुंचे हैं. तो गुरुवाणी धनबाद के जौली छावड़ा कर रहे हैं. इसके अलावा कोडरमा, चतरा से भी सिख समुदाय के लोग पहुंचे हैं.

रेलवे हादसे के दावेदार को 9% की दर से मुआवजा दीजिए

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

- दावेदार दुर्घटना की तारीख से भुगतान के दिन तक ब्याज सहित मुआवजा पाने का हकदार

झारखंड हाई कोर्ट ने ट्रेन से गिर कर मरने वाले हर व्यक्ति के परिजनों द्वारा मुआवजा में वृद्धि को लेकर दायर अपील को स्वीकार करते हुए कहा कि रेलवे दुर्घटना से जुड़े मुआवजा मामलों में दावेदार घटना की तारीख से ही रेलवे प्रशासन से भुगतान तक ब्याज के साथ मुआवजा प्राप्त करने का हकदार होगा. साथ ही कोर्ट ने दुर्घटना की तारीख से भुगतान की तारीख तक साधारण ब्याज 6% से बढ़ा कर 9% प्रति वर्ष कर दिया.

ट्रिब्यूनल के आदेश से असंतुष्ट थे अपीलकर्ता : दरअसल प्रतिमा देवी ने रेलवे दावा न्यायाधिकरण अधिनियम, 1987 (आरसीटी अधिनियम) की धारा 23 के तहत हाईकोर्ट में अपील दायर की थी. अपीलकर्ता रेलवे दावा न्यायाधिकरण (ट्रिब्यूनल) द्वारा जारी आदेश से असंतुष्ट थे. दुर्घटनावश ट्रेन से गिर कर शंख नाथ दुबे की मौत मामले में ट्रिब्यूनल ने अपीलकर्ताओं को 8 लाख की मुआवजा राशि देने का आदेश दिया था. इसके अलावा ट्रिब्यूनल ने 8 लाख की राशि पर 6% की दर से ब्याज भुगतान का आदेश दिया था. इसके लिए 17 मार्च 2021 की तिथि निर्धारित की गयी थी.

रेलवे ने कोर्ट में दी दलील, अपीलकर्ता घटना के दिन से ब्याज के हकदार नहीं : रेलवे की ओर से अदालत में यह तर्क दिया गया कि घटना 25/26 फरवरी 2018 को हुई थी. लेकिन ट्रिब्यूनल में केस 2 अगस्त 2019 को दायर किया गया था. इसलिए अपीलकर्ता घटना तिथि से ब्याज के हकदार नहीं है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए अपने आदेश में कहा कि न्यायाधिकरण ने नियमों के अनुसार मुआवजे की अधिकतम राशि दी है, लेकिन दुर्घटना की तारीख से देरी की माफी की तारीख तक ब्याज रोकना कानून के तहत उचित नहीं है. इसलिए अपीलकर्ताओं दुर्घटना की तारीख यानी 25/26.02.2018 से वास्तविक भुगतान की तारीख तक 9% प्रति वर्ष की दर से साधारण ब्याज का हकदार है.

ग्लोबल टेंडर का विरोध

तेतुलमारी। बीसीसीएल सिजुआ क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष ग्रामीण संवेदकों ने ग्लोबल टेंडर का विरोध करते हुए प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया. ग्रामीण संवेदकों का कहना था कि बिसीसीएल प्रबंधन की कथनी और करनी में अंतर होता है कंपनी अंग्रेज निती लागू कर कमजोर एवं छोटे मोटे रोजगार से जुड़े लोगों का हक अधिकार छीन कर बड़े पुंजिपत्ती को देने का कार्य कर रही है. बीसीसीएल प्रबंधक जब रौयतो का जमीन अधिग्रहण करते हैं,तब बड़ी बड़ी वादें दावे करते हैं. जिसमें मुख्य रूप से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बीसीसीएल कंपनी कि ओर से बिजली, पानी सहित अन्य मुल सुविधा दिया जाएगा. उसके पश्चात रैयतों के जमीन पर बनने वाले कार्यालय या क्वार्टर में जो भी कंपनी द्वारा कार्य होगा उसमें पहली भागीदारी रैयतों का होगा जिसमें रैयतों को रोजगार मिलेगा. उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधक को भी चेतावनी भरे लहजे में कहा कि समय रहते समस्या का समाधान करें अन्यथा रैयत एवं ग्रामीण ग्लोबल टेंडर का पुरजोर विरोध किया जाएगा.

कसमार हाई स्कूल में वर्ग दशम के छात्र हैं स्वरूप

स्वरूप मुखर्जी को मिला राष्ट्रीय ज्ञान प्रतिष्ठा व त्रिवेणी पुरस्कार

संवाददाता। कसमार

बोकारो जिले के धधकिया गांव निवासी स्वरूप मुखर्जी उर्फ स्वरूपानंद भारद्वाज को ज्ञान एवं नवाचार में राष्ट्रीय ज्ञान प्रतिष्ठा पुरस्कार एवं त्रिवेणी ज्ञानोदय पुरस्कार मिला है. स्वरूप कसमार प्रखंड प्लस टू उच्च विद्यालय कसमार में वर्ग दशम में अध्ययनरत छात्र हैं. कसमार प्रखंड मुख्यालय से सटे धधकिया निवासी सुबोध मुखर्जी के पुत्र स्वरूप की विलक्षण प्रतिभा से विद्यालय परिवार से लेकर आसपास के कई ब्राह्मण बहुल गांव में इनकी प्रतिभा के लोग कायल हैं. बोकारो जिले में ब्राह्मण परिवार के सबसे युवा लेखक स्वरुप कुमार मुखर्जी उर्फ स्वरुपानन्द भारद्वाज ने बहुत सारे लघुलेख, लघुकथा एवं कई सारे राष्ट्रीय नवाचार लिखे हैं, जो शिक्षा, सिद्धांत, वैदिक, समाज, विज्ञान, इत्यादि शब्द तत्वों से संबंधित हैं. यही नहीं ये सभी लेख अभिलेख चार भाषाओं (बांग्ला, हिंदी, शुद्ध संस्कृत एवं आंग्लभाषा) में लिखे गए हैं. इन्होंने इनमें से कई लेख राष्ट्रीय स्तर पर कई संस्थानों को भेजा था, जो चयनित हुआ है.

जिसके बाद युवा लेखक स्वरुप मुखर्जी को राष्ट्रीय ज्ञान प्रतिष्ठा पुरस्कार एवं ज्ञान त्रिवेणी ज्ञानोदय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. इसके अलावा इनके अन्य कई लेखों का भी चयन देश के कई चर्चित संस्थानों द्वारा पुरस्कारों के लिए भी हुआ है. इनके लेख एवं नवाचार के में सिद्धांतों का ढोंग, आत्मवेद, ब्रह्मस्वति, सूर्यपथ, अग्निव्यथा एवं आदर्श जीवन का परिचय प्रमुख लेख हैं.

एलबीएसएम कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग में व्याख्यान का आयोजन

तर्कपूर्ण ज्ञान में सहायक होती है मानसिक शक्ति बुद्धि : डॉ. अशोक

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज यूजी मनोविज्ञान विभाग की ओर से शनिवार को विभागीय व्याख्यान का आयोजन किया गया. एनईपी 2020 पर आधारित है इस व्याख्यान का विषय था-'बुद्धि : स्वरूप और सिद्धान्त'. इसमें सर्वप्रथम मनोविज्ञान विभाग के डॉ. प्रशान्त तथा प्रो. प्रमिला किस्कू ने मुख्य वक्ता प्रो मुकेश कुमार सिंह तथा प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार झा को तुलसी का पौधा, अंगवस्त्र और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया. तदोपरांत विषय प्रवेश कराते हुए व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार झा ने कहा कि बुद्धि वह मानसिक शक्ति है, जो वस्तुओं और तथ्यों को समझने, उनमें आपसी संबंध खोजने तथा तर्कपूर्ण ज्ञान प्राप्त करने में सहायक होती है. मुख्य वक्ता घाटशिला कॉलेज के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि बुद्धि का प्रयोग प्रायः हम दिन प्रतिदिन के बोलचाल में करते हैं. बुद्धि व्यक्ति को वातावरण के साथ प्रभावकारी ढंग से समायोजन या अनुकूलन करने में मदद करता है. साथ ही व्यक्ति में विवेकशील चिंतन तथा अमूर्त चिंतन करने में मदद मिलती है. बुद्धि का स्वरूप कुछ ऐसा होता है, जिसको एक कारक या क्षमता के आधार पर नहीं समझा जा सकता है. इसमें भिन्न-भिन्न प्रकार की क्षमताएं होती है. मंच संचालन मनोविज्ञान विभाग के छात्र जगरनाथ सरदार तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्रा भूमि मित्रा ने किया. इस अवसर पर डॉ प्रशांत , प्रो प्रमिला किस्कू, डॉ डीके मित्रा, प्रो पुरषोत्तम प्रसाद, डॉ दीपांजय श्रीवास्तव, प्रो विनोद कुमार, डॉ विनय कुमार गुप्ता, डॉ संचिता भुई सेन, प्रो विजय प्रकाश, प्रो संतोष राम, डॉ जया कच्छप, सुषमिता धारा तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

अच्छी खबर राज्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के तहत 2.64 और तीन लाख हरा कार्डधारी हैं

5.64 लाख कार्डधारियों को मिलेगा रिफाइंड आयोडाइज्ड नमक

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के 5.64 लाख कार्डधारियों को रिफाइंड आयोडाइज नमक मिलेगा. प्रत्येक कार्डधारी को एक किलोग्राम नमक फ्री में दिया जाएगा. खाद्य आपूर्ति विभाग ने इसके लिए टेंडर जारी कर दिया है. एख फरवरी को टेंडर खुलेगा. वहीं प्री बिड मीटिंग 18 जनवरी को होगी. इस योजना का लाभ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के तहत आने वाले 2.64 कार्डधारियों को मिलेगा. साथ ही तीन लाख हरा कार्ड धारियों को भी इस योजना का लाभ मिलेगा.

किस जिले में कितना बांटा जाएगा केरोसिन तेल

जिला	केरोसिन तेल (लीटर में)	जिला	केरोसिन तेल (लीटर में)
बोकारो	332449	गोड्डा	240237
चतरा	190461	गुमला	168383
देवघर	236431	हजारीबाग	324643
धनबाद	444686	जामताड़ा	152792
दुमका	283931	कोडरमा	111678
पूर्वी सिंहभूम	446056	लातेहार	144177
गढ़वा	259574	लोहरदगा	96957
गिरिडीह	426340	पाकुड़	183009
		पलामू	415580

बंटेगा 61 लाख लीटर केरोसिन तेल

खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा अंत्योदय योजना के तहत 6098082 लीटर केरोसिन तेल भी बंटा जाएगा. केरोसिन तेल बांटने की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है.

आयोडाइज नमक के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है. 5.64 कार्डधारियों को एक किलोग्राम मुफ्त में नमक दिया जाएगा. -**दिलीप तिर्की**, निदेशक,खाद्य आपूर्ति विभाग

आड्रे हाउस में द सर्वाइवल बॉस का दो दिवसीय ऑडिशन आज से

रांची पहुंची अफगानी अभिनेत्री फिरदौस

संवाददाता। रांची

द सर्वाइवल बॉस रियलिटी शो का ऑडिशन 14और 15 जनवरी को ऑड्रे हाउस में होगा, जिसमें चुने गये झारखंड के 20 विजेता मुंबई में 8 दिन का ऑडिशन देंगे. इसके लिए अफगानिस्तान की अभिनेत्री फिरदौस खान रांची पहुंच गयी है. ऑड्रे हाउस में शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में फिरदौस खान ने बताया कि पूरे देश की प्रतिभाएं जो छोटे शहरों या गांवों में रहते हैं, उनकी प्रतिभा को पहचान कर उन्हें एक मुकाम देना ही इस आर्डिशन का मकसद है.

उन्होंने कहा कि इस ऑडिशन में भाग लेने के लिए प्रतिभागी अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं, जिसके लिए वे 91422 48625 और 6 200577897 पर संपर्क कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि इस ऑडिशन में सिंगिंग, डांसिंग और एक्टिंग के वैसे बच्चे जिनमें प्रतिभा है, वे इस ऑडिशन में भाग ले सकते हैं. झारखंड की अभिनेत्री और नृत्यांगना रानी राय ने कहा कि जिस बच्चे में टैलेंट है, वह जाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन यहां ऑडिशन में कर सकता है. रिपु सूदन साहू ने कहा कि यह ऑडिशन देश के हर एक राज्य में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कि पूरे देश की ऐसी प्रतिभा जो आर्थिक परेशानियों के कारण दिख नहीं पाती हैं, उनके लिए यह अच्छा मौका है. झारखंड ऑडिशन से चुने गए 20 लोगों के लिए मुंबई में 8 दिनों का ऑडिशन होगा, जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे. विजेता प्रतिभागी को 10 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा. साथ ही साक्षात एंटरटेनमेंट और सर्वाइवल बॉस द्वारा ओटीटी पर वैसे लोगों को काम दिया जाएगा. उन 20 प्रतिभागियों को आगे भी प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा.

वसुधैव कुटुंबकम् के प्रणेता गुरु गोबिंद सिंह जी

डॉ सुरिन्दर कौर नीलम

भारतीय इतिहास की बलिदानी परंपरा में गुरु गोबिंद सिंह जी का नाम शिखर पर है जिन्होंने हिन्दू धर्म की रक्षा हेतु, देश और कौम की अखंडता कायम रखने हेतु अपने पूरे परिवार को बलिदान कर दिया. औरंगजेब के शासन काल में पहले इनके पिता गुरु तेग बहादुर जी को दिल्ली के चांदनी चौक पर शहीद किया गया. 1704 ई में दो छोटे साहिबजादों को वजीर खां ने सरहद की दीवार में जिंदा चिनवा दिया और दो बड़े बेटे चमकौर के युद्ध में मुगल सेना के साथ युद्ध करते हुए शहीद हो गए. इन खबरों से आहत माता जी ने भी शरीर त्याग दिया. इस तरह गुरु गोबिंद सिंह जी ने शीश दिया पर सिदक न दीया. बल्कि जब पत्नी ने बच्चों के बारे पूछा तो संपूर्ण मानवता से प्रेम जताते हुए कहा -

चार मुए तो क्या हुआ मेरे जीवत कई हजार

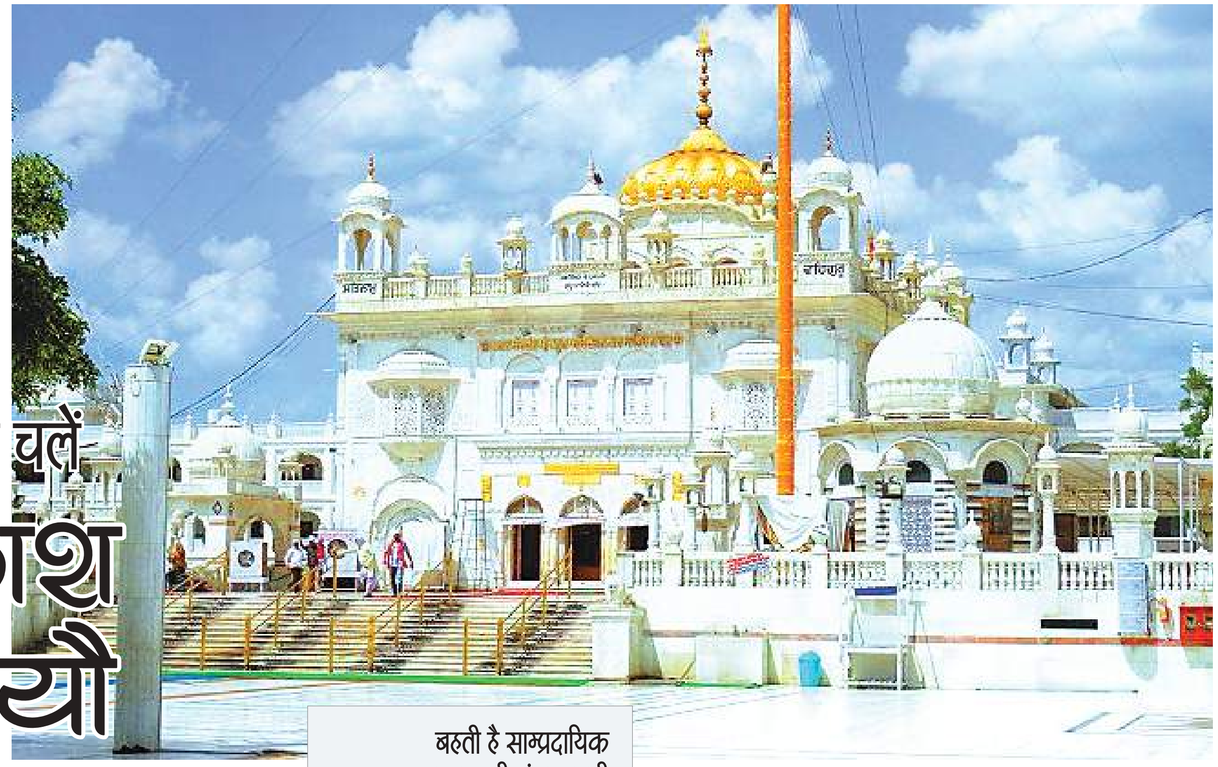

जीवन लक्ष्य : गुरु जी का जीवन लक्ष्य था अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना करना. इसे उन्होंने एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया. सन् 1666 ई में उन राजनीतिक परिस्थितियों के बीच गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्म हुआ था जब देश की सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक शांति पूर्णतया नष्ट हो चुकी थी. भय और आतंक का भयानक साम्राज्य था. औरंगजेब के अत्याचारों से जनता त्रस्त थी. हिन्दुओं को जबरन मुस्लमान बनाया जा रहा था. लोगों का मनोबल पूरी तरह समाप्त हो चुका था. वर्ग व्यवस्था और जाति भेद का बोलबाला था. गुरु जी ने बिखरे और दबे कुचले समाज में आत्मबल भरने और उन्हें अत्याचारों से मुक्ति दिलाने का संकल्प लिया. उन्होंने अपने संघर्षमय जीवन का लक्ष्य अपनी रचना " विचित्र नाटक" में लिखा है

हम एह काज जगत में आए
धर्म हेतु गुरुदेव पठाए

व्यापक दृष्टिकोण : गुरु जी का दृष्टिकोण बड़ा ही व्यापक और समन्वय कारी था-

न को बैरी नाहि बेगाना
सगल संग हमको बन आई.

गुरु जी मानवीय गुणों के पुजारी थे. वे केवल अनीति और अत्याचारों के विरोधी थे. वे संपूर्ण मानवता को सुखी और समृद्ध देखना चाहते थे. अपनी नित्यप्रति की प्रार्थना में भी ईश्वर से मांगा करते थे-

देहि शिवा वर मोहे इहै,
शुभ करमन ते कबहुं न टरौं.

भक्ति और शक्ति का समन्वय

गुरु जी का जीवन भक्ति और शक्ति का अद्भुत संगम है. उनका कहना था कि भक्ति से शक्ति उत्पन्न हो जाती है परन्तु शक्ति से भक्ति नहीं आती. भक्ति की लहर पर जब अन्याय और अनीति का तूफान भारी पड़ने लगा तो भक्ति के साथ शक्ति का समन्वय कर गुरु जी ने दमनकारी नीतियों पर विजय प्राप्त की. उनके अनुसार धार्मिक क्षेत्र में निपुणता के साथ –साथ सामाजिक जीवन में आत्मसम्मान पाने के लिए जहां शास्त्र की आवश्यकता थी वहां बौद्धिक और आत्मिक रूप से बलवान होने के लिए शस्त्रबद्ध होने की भी आवश्यकता थी. उन्होंने धार्मिक समन्वय पर बल देते हुए रहीम और करीम में एक ही शाश्वत रूप के दर्शन किए.

करता करीम सोई,राजक रहीम ओई,
दूसरो न भेद कोई भूल भ्रम मानबो.

राष्ट्रीय अखंडता के सूत्रधार

गुरु जी की दूरदृष्टि इस बात से भलीभांति परिचित हो चुकी थी कि जनता के पास धर्म तो है पर धार्मिक भावना नहीं है. राष्ट्र तो है पर राष्ट्रीय भावना नहीं है. इस विशाल जनसमूह को अखंडता और एकता के सूत्र में बांधना तभी संभव हो सकता है जब राष्ट्रीयता को ही उनका धर्म बना दिया जाए. उनके स्वाभिमान को जगाया जाए और अदम्य साहस भरकर अत्याचारों के विरुद्ध लड़ने हेतु शारीरिक और आत्मिक बल के द्वारा मानसिकता बदली जाए. एकता का उद्घोष करते हुए कहा–

मानस की जात सभै एकै पहचानबो

खालसा का सृजन

इसी लक्ष्य को मद्देनजर रखते हुए गुरु जी ने 1699ई में " खालसा पंथ " का सृजन कर विश्व इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा.
आनंदपुर साहिब में बैसाखी के दिन एक विशाल जनसमूह के बीच पांच शीश की मांग करते हुए एक परीक्षा के तहत पांच व्यक्तियों खत्री, जाट, धोबी,कहार और नाई जाति के शिष्यों का चुनाव किया. उन्हें अमृतपान करवा कर "पांच प्यारे की संज्ञा दी और उनके नाम के साथ ' सिंह' जोड़ा. उन्हें खालसा की पोशाक, पंच ककार (केस, कड़ा, कच्छा, कंघा और किरपान) से सुसज्जित किया और फिर उनके हाथों स्वयं अमृतपान कर गोबिंद राय से " गोबिंद सिंह" बन गए.

वाह वाह गोबिंद सिंह, आपे गुरु चेला।

निम्न जाति के अनादर को देखकर गुरु जी ने प्रण लिया कि जब तक मैं इन नीच जाति के लोगों को सरदार बनाकर समाज में सम्मान योग्य नहीं बनाऊंगा तब तक मैं गोबिंद सिंह कहलाने का हकदार नहीं होऊंगा.

इन्हीं को सरदार बनावौं
तबै गोबिंद सिंह नाम कहावौं

उनकी कृति " जफरनामा" जो औरंगजेब को लिखा गया ₹ विजय पत्र₹ है जिसमें उसकी धर्मांधता,आतंक और अत्याचारों का प्रबल विरोध किया गया है. फारसी में लिखा गये पत्र में कहा है –

चूं कार अज हमा हीलते दर गुजस्त
हलाल असत बुरदन बा शमशीर दस्त।

अर्थात जब शांति स्थापित करने के सभी रास्ते बंद हो जाएं तो अन्याय और अधर्म की समाप्ति हेतु शस्त्र धारण करना सर्वथा उचित है.

युद्ध नीति

गुरु जी के द्वारा किए गए सभी युद्ध मानवता के कल्याण हेतु थे. युद्ध के मैदान में भी मानवीय मूल्यों को सुरक्षित रखने का इसे बड़ा उदाहरण और क्या हो सकता है कि वे अपने तीर के साथ सोना लगा कर रखते थे ताकि जब वह तीर दुश्मन को लगे तो घायल व्यक्ति उसके मूल्य से इलाज करा सके और यदि मृत्यु हो जाए तो अंतिम संस्कार का प्रबंध किया जा सके. दुश्मन को भी पीछे से या धोखे से मारने के विरुद्ध थे. युद्ध करते हुए भाई कन्हैया जो घायलों को पानी पिलाता था उसे हिदायत दी गई थी कि सभी घायल दुश्मनों को भी पानी पिलाया जाए और उनकी मरहम पट्टी भी की जाए.
गुरु ग्रंथ साहिब सौंपा–सिख धर्म में गुरु परंपरा को समाप्त कर उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब जी को ही गुरु मानने का आदेश दिया कि आज से शरीरधारी गुरु कोई नहीं होगा–

सब सिखन को हुक्म है गुरु मानयो ग्रंथ

गुरु ग्रंथ साहिब जी में 1430 पृष्ठ हैं. सिर्फ छः गुरुओं की वाणी इसमें है और बाकी अन्य छतीस संतों, महापुरुषों आदि की वाणी का संकलन है. स्वयं गुरु गोबिंद सिंह जी की वाणी भी इसमें नहीं है. उनकी संपूर्ण वाणी " दशम ग्रन्थ" में है.
गुरु जी संस्कृत के विद्वान होने के साथ व्रज, हिंदी, फारसी आदि अनेक भाषाओं के जानकार थे. वे महान चिंतक, कवि, साहित्यकार, योद्धा, लोकप्रिय शासक,सच्चे देशभक्त,संत और सिपाही थे.

अखंड ज्योति में विलीन

औरंगजेब की मृत्यु के बाद बहादुर शाह बादशाह बना जिसने गुरु जी की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया. सरहंद का नवाब गुरु जी की जान का प्यासा था. उसने दो पठानों को भेजा जो शाही सैनिकों में शामिल हो गये. एक संध्या जब गुरु जी एकांत में ध्यान मग्न थे तो उसने धोखे से पीछे से खंजर घोंप दिया. हत्यारा दूसरा वार कर पाता उसके पहले ही गुरु जी ने उसे मार गिराया. पर घाव गहरा था. एक दिन कमान खींचने के दौरान टांके टूट गये.
8 अक्टूबर 1708 को गुरु जी प्रातः उठे. स्नान आदि से निवृत होकर स्वच्छ वस्त्र धारण किये. सारा दिन संगत के बीच रहे. सायंकाल चंदन की चिता सजाकर चारों ओर ऊंची कनात लगवा दी. अस्तबल के सभी घोड़ों की जीने कसने का आदेश दिया. अंधेरा होने पर गुरु जी ने सैनिक वेष धारण किया और कहा उनके महाप्रयाण के समय कोई नहीं देखेगा. सभी पीठ कर खड़े रहेंगे. न कोई रोएगा और न ही चिता की राख टटोलेगा. आधी रात के बाद चिता सुलगी और गुरु जी अखंड ज्योति में विलीन हो गये. नांदेड़ में आज वहां गुरुद्वारा सचखंड साहिब है.
गुरु जी को ये आशंका थी कि कहीं लोग मुझे ही ईश्वर न मानने लगें. अतः उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब जी को सौंपा और कहा जो मुझे ईश्वर मानेगा वो नरक का भागीदार होगा –

जो मुझको परमेश्वर उजरहिं
ते सब नरक कुंड में प्रसिद्ध।

आज गुरु जी के बलिदान की वजह से हम सब सुरक्षित हैं और उनके ज्ञान प्रकाश से धरा आलोकित है. आवश्यकता है उनके सिद्धांतों और उपदेशों पर चलकर देश और कौम की निस्वार्थ सेवा कर इसकी एकता और अखंडता को कायम रखने में अपना योगदान देने की.

शत् शत् नमन

ज्ञानवर्द्धन मिश्र

पीड़ित मानवता के त्राता और महान राष्ट्रीय योद्धा श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज का जन्म आज से लगभग 358 वर्ष पूर्व पटना शहर में हुआ था. वहां पर उनकी स्मृति में आज विशाल गुरुद्वारा कायम है. देश के पांच प्रमुख तख्तों में इस गुरुद्वारा का शीर्ष स्थान है जिसे दुनिया के लोग तख्त श्री हरिमंदिर जी या पटना साहेब के नाम से जानते हैं. करोड़ों रुपये की लागत से बना लगभग एक सौ आठ फीट ऊंचा यह सतमंजिला मंदिर आज सारी दुनिया के आकर्षण और आशाओं-आकांक्षाओं का केन्द्र है. फलतः संसार के विभिन्न भागों से प्रति वर्ष लाखों व्यक्ति तख्त श्री हरिमंदिर जी के दर्शनार्थ पटना साहिब पधारते हैं और यहां श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज के हस्ताक्षर वाली श्री गुरू ग्रन्थ साहेब की मूल प्रति तथा गुरुजी के जीवन से सम्बद्ध अन्य ऐतिहासिक सामग्रियों के दर्शन कर अपना जीवन धन्य मानते हैं.

आइए पटना साहिब चलें
तहिं प्रकाश हमारा भयो

आध्यात्मिक प्रांगण

गंगा के निकट, नगर के प्राचीन ऐतिहासिक स्थल पर यह गुरुद्वारा विभिन्न सम्प्रदायों के प्राचीन तीर्थों के बीच खड़ा विभिन्न धर्मों के बीच जैसे एकता की लड़ी पिरो रहा है. तख्त श्री हरिमंदिर जी जिस स्थान पर स्थित है उसे यदि हम 'आध्यात्मिक प्रांगण' (स्प्रिचुअल कम्पलेक्स) की संज्ञा दें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी. श्री हरिमंदिर जी के आसपास सैंकड़ो-हजारों वर्ष प्राचीन ऐसे आधे दर्जन हिन्दू, मुस्लिम और जैन तीर्थ हैं जिनका अखिल भारतीय महत्व है. वे हैं नगर रक्षिका पटनदेवी, कालीजी, पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर, दिगम्बर जैन मंदिर, काली बीबी का कटरा, साइस्ता खां की मस्जिद, मीर अशरफ की मस्जिद और अम्बर की मस्जिद. अम्बर की मस्जिद और जैन श्वेताम्बर मंदिर की दीवारें तो हरिमंदिर जी से बिलकुल सटी हैं.
पटनदेवी को देश की बावन शक्ति पीठों में एक पीठ माना जाता है जहां पार्वती जी का पटल गिरा था, जिसकी वजह से इस शहर का नाम पटला पड़ा जो बाद में पटना हो गया. साइस्ता खां की मस्जिद इस्लामी अदब और अदीब का महत्वपूर्ण केन्द्र था जहां अरबी और फारसी की शिक्षा प्राप्त करने के लिए राजा राम मोहन राय भी आकर महीनों तक रहे थे. हरिमंदिर जी से सटा जैन श्वेताम्बर मंदिर करीब पच्चीस सौ वर्ष प्राचीन है जहां पालकालीन दुर्लभ प्रतिमाएं प्रतिष्ठित हैं. काली जी का मंदिर भी बड़ा प्राचीन है जहां शाह आलम ने भी आकर सिजदा किया था.
कहते हैं श्मशान मुद्रा में चंडी की ऐसी मूर्ति अन्यत्र देखने को नहीं मिलती. सिखों के दसवें और अंतिम गुरु श्री गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज का जन्म सन् 1666 में हिन्दी तिथि के अनुसार पौष मुदी सप्तमी को उसी स्थान पर हुआ था जहां आज तख्त श्री हरिमंदिर जी कायम है. श्री गुरु नानक देव जी भी अपनी यात्रा के क्रम में यहां आए थे और इस स्थान पर ठहरे थे जो बाद में गुरुद्वारा बन गया था. बाद में श्री गुरू तेग बहादुर जी अपनी आसाम यात्रा के क्रम में पटना शहर में आने पर उसी स्थान पर ठहरे. सालिस राय जौहरी तथा गुरुजी के पटनावासी अन्य श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के निवास के लिए इस स्थान पर सुन्दर महल बनवाया था जो पटने की प्राचीन स्थापत्य कला के अनुसार मुख्यतः लकड़ियों का बना हुआ था.
श्री गुरु गोविन्द सिंह जी महाराज ने अपनी आत्म कथा 'विचित्र नाटक' में स्वयं लिखा है -

मुरपित पूरब कियसि पयाना ।
भांति-भांति के तीरथ नाना ।
अभी जात त्रिवेणी भये
तहिं प्रकाश हमारा भयो
पटना शहर विखै भव लयो ।

साहिब श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज का बचपन का नाम गोबिन्द राय था. माता गुजरी बाई तथा गोबिन्द राय जी के मामा श्री कृपाल चन्द्र जी को श्री गुरु तेग बहादुर जी पटने की संगत के अनुरोध पर यहीं छोड़ दिया और स्वयं अपने अन्य अनुयायियों के साथ आसाम यात्रा के लिए चल पड़े थे. कुछ ही मास बाद यहां गोबिन्द राय का जन्म हुआ. गोबिन्द राय लगभग नौ-दस वर्ष की अवस्था तक पटना में रहे. उनके जीवन से सम्बद्ध यहां जो भी स्थान थे व सब तीर्थ बन गये. जहां आज दर्शनार्थियों का तांता लगा रहता है.
पटना में सिखों के कई महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल हैं जिनमें मुख्य है तख्त श्री हरिमंदिर जी, मैनी संगत बाललीला, बड़ा गुरुद्वारा गायघाट, गुरु का बाग, गोबिन्द घाट या कंगन घाट और गुरुद्वारा हांडी साहेब (दानापुर). बाद में महाराजा रणजीत सिंह ने पटना आने पर लकड़ी के स्थान पर पत्थर का मजबूत और नयानाभिराम गुरुद्वारा बनवाया. देश विभाजन के बाद पंजाब से काफी संख्या में सिखों के यहां आने पर श्री हरिमंदिर जी का पुनः जीर्णोद्धार किया गया. पत्थर की जगह संगमरमर बिछाया गया और प्रकाश स्थान पर सोने की पत्तियां मढ़ी गयीं. गुरुद्वारा भवन तथा उसके द्वारा संचालित सेवा संस्थाओं के भवन निर्माण पर करोड़ों रूपये खर्च किए गए. तख्त श्री हरिमंदिर जी से हिन्दी की भी बड़ी सेवा की गई है. वर्षों पूर्व तख्त श्री हरमंदिर के महंथ, हिन्दी के सुप्रसिद्ध कवि साहिबजाद बाबा सुमेर सिंह जी थे. उनके समय में अखिल भारतीय कवि समाज की बैठकें नियमित रूप से यहां हुआ करती थीं जिनमें भारतेन्दु बाबू हरिशचन्द्र, श्री जगन्नाथ दास रत्नाकर, कवि सम्राट श्री अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔंध, श्री ब्रज बल्लभ सहाय ब्रज बल्लभ, आचार्य शिवपूजन सहाय आदि कवि और लेखक शामिल हुआ करते थे. आज हरिमंदिर जी में कथा कीर्तन और उपदेश का कार्यक्रम अहर्निष चलता रहता है. रोजाना दोनों शाम हजारों की संख्या में लोग एक साथ बैठकर लंगर में प्रसाद ग्रहण करते हैं.
गुरु नानक देव जी के मिशन का बिहार पर बड़ा असर रहा है और पटना इसका मुख्य केन्द्र रहा है. बिहार में गुरू नानक देव जी के लाखों अनुयायी थे. राज्य में लगभग पांच सौ गुरुद्वारे थे जिनके साथ काफी जमीन जायदाद जुड़ी हुई थी. स्वयं पटने में पचासों गुरुद्वारे थे जिनमें अधिकांश लुप्त प्रायः हो गये. उस समय सिख गैर सिख का कोई भेद नहीं था. हिन्दु और सिख अपने को एक दूसरे का अविच्छेद अंग समझते थे, हर हिन्दु परिवार में चार भाइयों में एक भाई सिख होना अपना पुनीत कर्तव्य समझता था.

बहती है साम्प्रदायिक सद्भाव की गंगा जमुनी

बहुतों को यह जानकारी नहीं होगी कि राज्य में एक ऐसी भी जगह है जहां हिन्दू, मुस्लिम, सिख और ईसाई के बीच आपसी सद्भाव की गंगा जमुनी की वर्षों से अविरल धारा प्रवाहित हो रही है. राजधानी पटना में अंतरराष्ट्रीय महत्व के तख्त श्रीहरिमंदिर के इर्द-गिर्द एक वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का यह आध्यात्मिक केंद्र (स्प्रिचुअल कम्पलेक्स) इसका अप्रतिम उदाहरण है. एक ओर जहां गुरुद्वारा के दैनन्दिन की शुरूआत तड़के 'बोले सो निहाल सतश्री अकाल' से शुरू होती है तो इसकी उतरी दीवार से सटे प्राचीन अम्बर की मस्जिद में अल्ला हो अकबर के फजिरे नमाज से. पूर्व दीवार से सटा श्री पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर की कार्यवाही सुबह-सुबह णमोकार महामंत्र की ध्वनि से शुरू होती है तो निकटस्थ हजारो वर्ष प्राचीन छोटी पटनदेवी मंदिर से दुर्गासप्तशांति के पाठ गूंजने लगते हैं. क्षेत्र एक ऐसे आध्यात्मिक प्रांगण के रूप में जाना जाता है जहां हरिमंदिरजी के अलावा आधे दर्जन हिन्दू, मुस्लिम और जैन तीर्थ हैं जिनका अखिल भारतीय महत्व है. नगर रक्षिका पटनदेवी, हजारों वर्ष प्राचीन काली मंदिर, पार्श्वनाथ जैन मंदिर, काली बीबी का कटरा, साइस्ता खां की मस्जिद, मीर अशरफ की मस्जिद और अम्बर की मस्जिद इसकी परिधि में है. पादरी की हवेली के नाम से चर्चित प्राचीन गिरिजा घर को भी इसी क्षेत्र में माना जाता है जहां कभी त्याग और सेवा की प्रतिमूर्ति मदर टेरेसा वर्षों तक रहीं थीं.
इस स्प्रिचुअल कम्पलेक्स में एक नहीं अनेक ऐसे धार्मिक केन्द्र हैं जहां बारहो महीने आयोजनों का तांता रहता है. उपरोक्त धर्मस्थलों के अलावा आदिनाथ जैन दिगम्बर मंदिर, दिगम्बर जैन मंदिर कचौड़ी गली, मदरसा मस्जिद, गोपीनाथ मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, बड़ा मंदिर, छोटा मंदिर, वाहिद अली की मस्जिद, ढाई अंगूरे की मस्जिद, बटावकुंआ मस्जिद, चमरू डमरिया, शाद अजीमाबादी की मजार, गुरुद्वारा बाललीला मैनीसंगत, कंगन घाट, माधो राय का मंदिर, किला हाउस भी इसी कम्पलेक्स की परिधि में है. मिर्चाईगंज, दीरा और महाराजगंज व्यायामशाला भी इसी क्षेत्र में है जहां देश विख्यात दंगलों के कई विजयी पहलवान इन्हीं अखाड़ों के थे.

- गुरु जी का 300 वर्ष पुराना चोला (चोंगा).
- गुरुजी का (चन्दन की लकड़ी का) कंघा जिससे केश साफ किया करते थे.
- छोटी सेफ गुरु जी की छोटी तलवार जो बचपन में पहना करते थे.
- माता गुजरी का कुआं.

तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में दर्शनीय सामग्री

- श्री गुरुग्रंथ साहिब (बड़ा साहिब) भी कहा जाता है जिस पर गुरु गोविन्द सिंह जी महाराज ने तीर की नोक के केशर के साथ मूल-मंत्र लिखा था. इसके दर्शन गुरुपर्व संगरांद आदि दिनों में कराए जाते हैं.
- छवि साहिब – श्री गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज का युवावस्था ऑयल पेन्ट से तैयार किया हुआ एक चित्र है.
- पंगुड़ा साहिब चार पाव का (छोटा झूला) अभी सोने की प्लटों से मढ़ा हुआ है और जिस पर गुरु जी बचपन में बैठा करते थे.
- गुरुजी के गुलेले की गोली, जिससे घड़े फोड़ा करते थे.
- गुरुजी के बचपन के चार तीर जिससे घड़े तोड़ा किया करते थे.
- गुरु महाराज की लोहे की छोटी चकरी जो अपने केशों में धारण करते थे.
- गुरुजी का छोटा बघनख खंजर जो कमर–कसा में धारण किया करते थे.
- लोहे का खंडा जो गुरुजी दशतार में सजाया करते थे.
- गुरुजी के लोहे के दो चक्र जो दशतार में सजाया करते थे.
- गुरुजी के लिए हाथी दांत की बनाई खड़ाउं.
- गुरु तेग बहादुर जी की संदल की लकड़ी के खड़ाउं का एक जोड़ा.
- भगत कबीर जी की खड्डी जिससे कपड़ा बुना करते थे.
- श्री गुरु तेग बहादुर साहिब, गुरु गोविन्द सिंह माता सुन्दरी जी के हुकुमनामे की एक पुस्तक.
- एक इंच साइज में गुरू ग्रन्थ साहिब की छोटी बीड़ (गुरू ग्रन्थ) साहिब.
- निशान साहिब, 80 फीट लम्बी शॉल की लकड़ी जो महाराजा नेपाल ने दी थी, जो अभी खत्म हो चुकी है.

सिखों का तीर्थ पटना

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के जन्म स्थान तख्तश्री हरिमंदिर जी के अलावा आध दर्जन ऐसे स्थल हैं, जहां से गुरु जी अथवा उनके पिता सिखों के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज का संबंध रहा है.

कंगन घाट

तख्तश्री हरिमंदिर जी के तीन-चार सौ गज उत्तर की ओर अवस्थित है गुरुद्वारा कंगन घाट. बालक गोविन्द राय अपने दल-बल के साथ जल क्रीड़ा करने यहां गंगा के तट पर आया करते थे. इसी घाट पर मूर्ति पूजा के पुजारी पं शिवदत्त शर्मा को श्रीराम के रूप में दर्शन दिया था. बाल्य काल में खेल के दौरान बालक गोविन्द ने अपने एक हाथ का सोने का कड़ा गंगा नदी में फेंक दिया था. घर आने पर माता गुजरी ने पूछा तो उत्तर मिला गंगा नदी में फेंक दिया. घाट पहुंचने पर पूछा गया कैसे फेंका था. बालक गोविन्द ने दूसरे हाथ से कड़ा उतार गंगा नदी फेंकते हुए कहा-ऐसे. जब गोताखोरों ने कंगन की तलाश की तो कंगन ही कंगन मिले. यहां एक छोटा गुरुद्वारा स्थापित है जिसे कंगनघाट गुरुद्वारा कहते हैं. तखतश्री हरिमंदिर में दर्शनार्थ आये यात्री कंगन घाट जाना नहीं भूलते और गंगा नदी की अविरल धारा को निहार अपने को धन्य समझते हैं. यहां गुरुद्वारा ने भी भव्य रूप ले लिया है.

गुरु का बाग

तख्तश्री हरिमंदिर जी से तीन किलोमीटर पूरब रेलवे लाइन के किनारे अवस्थित है गुरुद्वारा गुरु का बाग. असम यात्रा से लौटते वक्त गुरू तेग बहादुरजी महाराज यहां डेरा डाले थे. उनके यहां पहुंचते ही सूखा बाग हरा-भरा हो गया. बाग के मालिक नवाब रहीम बक्श और करीम बक्श दोनों भाई अपने दरबारियों के साथ पहुंचे. विशाल हुजूम के बीच गुरुजी ने पूछा बाग आपका है? नबावों का उत्तर था - बाग गुरु का है. गुरू जी के नाम पर यह बाग दान देते हुए इसकी चहारदीवारी अपने द्वारा कराने का संकल्प किया. उसी वक्त नवाब की पत्नी जिसे कोढ़ था, उसे गुरु जी के पास लाया गया. गुरू जी ने पास के ही एक कुएं में स्नान करने को कहा जिससे उसका कोढ़ दूर हो गया. मान्यता है कि गुरुद्वारा गुरू का बाग में माह सुदी सप्तमी को स्नान करने से लोगों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं. अब यहां विशाल भवन में गुरुद्वारा अवस्थित है. सुंदर बगीचा के बीच सरोवर है.

गुरुद्वारा बाललीला

तख्तश्री हरिमंदिर से लगे है गुरुद्वारा बाललीला जिसे पहले मैनी संगत के नाम से जाना जाता था. बालक गाविन्द राय ने यहां अनेक चमत्कार किये थे. यह हवेली पुराने जमींदार राजा फतहचंद मैनी की थी जिसकी कोई संतान नहीं थी. गोविन्द राय अपने साथियों के साथ अक्सर यहां आया करते थे. बालक को देख रानी प्रार्थना में ऐसे ही पुत्र की कामना करती थी. एक दिन बालक गोविन्द उछलते-कूदते रानी की गोद में बैठ गये और मां भूख लगी है कुछ खाने को दो की मांग कर बैठे. मां का उच्चारण सुन भाव विहवल रानी ने घर में चना की घुघनी थी जिसे दिया. प्रेम से पूछ बैठीं एक बेटा दो मां के पास कैसे रह सकता है. बालक गोविन्द ने तपाक से जवाब दिया जैसे एक चांद दो तालाब में. मैनी संगत आज विशाल गुरुद्वारा का रूप ले चुका है और प्रसाद के रूप में चना की घुघनी बंटती है. संत कश्मीरा सिंह भूरिवाल के मार्गदर्शनमें बाबा गुरुवेन्द्र सिंह (कल्ला बाबा) ने दो सौ कमरे का विशाल अतिथिशाला, विशाल लंगर, प्रषाल और भव्य द्वार का निर्माण कराया है.

गुरुद्वारा गायघाट

तख्त साहेब से 4 किलोमीटर पश्चिम अशोक राज पथ के किनारे अवस्थित है. गुरुद्वारा गायघाट सबसे पहले इस भूमि को प्रथम गुरू श्री गुरुनानक देवजी महाराज ने अपनी पहली यात्रा के समय सन 1506 में आकर पवित्र किया था. भक्त जैतामल जी, गुरुमहाराज के शिष्य बने और इस जगह को संगत का नाम दिया गया जो बाद में बड़ी संगत गायघाट के नाम से विख्यात हुआ. बाद में श्री गुरु तेग बहादुर जी अपनी पूरब यात्रा के दौरान परिवार समेत यहां आकर ठहरे थे. यहां से वे सालिस राम जौहरी की संगत (जहां आज तख्त श्रीहरिमंदिर खड़ा है) गए.

गुरुद्वारा हांडी साहब

तख्त श्रीहरिमंदिर जी से 20 किलीमीटर पश्चिम दानापुर में गंगा नदी के किनारे अवस्थित है गुरुद्वारा हांडी साहेब. अपने बालकाल जीवन का सात वर्ष गुजार कर पटना से पंजाब जाते समय बालक गोविन्द का पहला पड़ाव यहां किया था. यहां एक वृद्ध माई (जिसका नाम जमुना देवी बताया जाता है) के छोटे से घर को पवित्र किया था. गुरुजी के आने की याद में जमुनी ने थोड़ी सी खिचड़ी प्यार से बना रखी थी. लेकिन संगत अधिक होने के कारण घबड़ायी जमुनी ने गुरुजी से लाज रखने की बात कही. गुरुजी ने अपना रूमाल खिचड़ी की हांडी पर रख दी. नतीजा हुआ कि सारी संगत के खा लेने के बावजूद हांडी से खिचड़ी खत्म नहीं हुई. यहां गुरुद्वारा हांडी साहब का भव्य परिसर है और प्रति वर्ष श्री गुरुगोविन्द सिंह जी महाराज के प्रकाश उत्सव के बाद फरवरी माह में भव्य आयोजन होता है.

प्रकृति ने प्रदत्त किये सबके अपने घरौंदें!

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

संसार में हर मनुष्य को तीन शक्तियों ने महामाया के रूप में मोहित कर रखा है-मानसिक शक्ति, शारीरिक शक्ति और आर्थिक शक्ति. इन शक्तियों का समन्वित रूप है प्रभुता. गोस्वामी तुलसीदास के शब्दों में प्रभुता पाइ केहि मद नाहीं. यानी प्रभुता के आते ही मद सिर पर ऐसा सवार हो जाता है कि मनुष्य यह भी भूल जाता है कि उसका जीवन पानी के बुलबुले की भांति नश्वर है. रावण, कंस, महिषासुर, मधु, कैटभ, दुर्गम आदि उसी मद या अहंकार के मूर्त्त उदाहरण हैं, जिन्होंने यह भ्रम पाल रखा था कि उनकी पराजय कभी नहीं हो सकती, उनकी मृत्यु तो हो ही नहीं सकती. वे जो चाहें कर सकते हैं, लेकिन कोई उनका बाल बांका भी नहीं कर सकता. शक्ति चाहे जितनी भी प्राप्त हो जाये, अगर अहंकार आ गया तो नाश अवश्यंभावी है. उससे कोई बच नहीं सकता. जब अवसान का समय आ जाता है तो सबकुछ त्याग कर जाना पड़ता है. कुछ भी साथ नहीं जाता. सब यहीं धरा का धरा रह जाता है. दिल्ली की कवयित्री **शालिनी खन्ना** ने इसी प्रसंग का विद्वत्तापूर्ण विश्लेषण प्रस्तुत किया है. कवयित्री के शब्दों में अवसान के समय मृत्यु कहती है-

आ गया अवसान जीवन का मनुज सुन
त्याग कर दुनिया चलो नूतन सफर को
है धरा रह जायेगा, जो धन कमाया
आचरण ही जायेगा संग उस डगर को
छोड़ दे अब मोह किसका कर रहा तू
जेब ना होती कफन में सुन पियारे
रात दिन खटता रहा, एक पल रुका ना
चल चला चौसठ घड़ी आठो पहर को
साथ यौवन के तुम्हारे पाप आया
झूठ सच, व्यभिचार सारे साथ लाया
वेदना में क्यूँ पड़ा जीवन गंवाकर
छोड़कर पीयूष अपनाया जहर को
ईश ने अग्रज बना भेजा जहां में
भार अर्भक का किया तेरे हवाले
स्वार्थवश भू के किये हिस्से तुम्हीं ने
प्यार सागर छोड़, पाया धन नहर को
थी जरूरत जन्मदाता को तुम्हारी
आश्रमो में काटते दिन बेबसी के
आस में पथरा गई थी चार आंखें
कौन सी है अब सजा इस बेखबर को
आ गया अवसान जीवन का मनुज सुन
त्याग कर दुनिया चलो नूतन सफर को

शालिनी जी की तरह ही सभी धर्मों के प्रबुद्ध संत लोगों को आगाह करते रहते हैं, लेकिन माया के वशीभूत दुनिया के लोग उसपर गौर नहीं करते. अपनी मनमानी करते जाते हैं और जबतक उन्हें अपनी भ्राति की अनुभूति होती है, तबतक बहुत विलंब हो चुका होता है. काश, ऐसा हो पाता कि लोग इस माया से मुक्त होते तो हर घरौंदे में अमन-चैन का वास होता. घरौंदा क्या होता है, यह जानने के लिए धनबाद की कवयित्री **मंजू शरण मंजुल** की इस रचना का अनुशीलन आवश्यक होगा. इनकी कविता का शीर्षक है घरौंदा.

सड़क किनारे बहुमंजिला आलीशान बंगले,
सड़क के दूसरी छोर बसी झुग्गी बस्तियां,
दूर पीपल वृक्ष की शाखों पर पत्तों बीच घोंसले,
नीचे मिट्टी में खोदे गए छिद्रयुक्त गहरे नन्हें बिल,
प्रकृति ने प्रदत्त किये सबके अपने घरौंदें..!
जीने को आसमान तले कोई भी ठिकाना,
किसी के लिए भी पर्याप्त हो सकता था,
धूप ,वायु, जल की उपलब्धता से कुछ ऊपर,
जन्मते अबोध पीढ़ियों के रक्षण-भरण को,
अभावों से परे सजे हुए सबने अपने घरौंदें...!
रूप रंग ,आकार प्रकार मिथ्या प्रदर्शन तक रहे,
प्रेम स्नेह के बंधन आंतरिकता में समरूप दिखे,
जनक पालकों के प्यार मनुहार हर्ष, विषाद ने,
धरा के विविध कोनों में मोह की चादर ओढ़ाई,
तले जिसके जी उठे क्षणों से बँधे सबके अपने घरौंदें ..!,

कवयित्री मंजुल बहुत अच्छी शिक्षिका भी हैं. इसलिए अपनी रचना में अलंकारों से सुसज्जित अपनी भाषा के माध्यम से शालिनी जी की तरह ही लोगों को स्पष्ट रूप से संदेश देती हैं. बताती हैं कि क्या सत्य है और क्या मिथ्या. किसके अवलंबन से आत्मकल्याण होता है और कौन अमंगल है. वैसे सच और झूठ के भेद के समीप जाने के लिए हमें रांची के कवि **प्रो. मंजेश कुमार** की इस रचना को पढ़ना होगा, समझना होगा, दिल में बसाना होगा. कविता का शीर्षक है-सच और झूठ की विरासत.

झूठ से ज़िंदगी हल्की होती है, सच से मन हल्का होता है.
झूठ तेज चलता है, सच मंद मंद फुदकता है.
झूठ जीतकर भी हारता है, सच हारकर भी जीतता है.
झूठ रंगीन होता है, सच काला-सफ़ेद होता है.
झूठ सजता है सँवरता है, सच बेपरवाह छलकता है.
झूठ की शान है, एहसान है,
सच धरती से अंबर के बीच, अदृश्य पायदान है.
झूठ का झुंड चलता है, सच अकेला भटकता है.
झूठ बगले झांकता है, सच सीधे आँख बतियाता है.
झूठ का लबोलुआब है, सच पाकीज़ा साफ़ है.
झूठ जवानी की सनक है, सच पीरों की समझ है.
झूठ मद की उबाल है, सच शीलचित शांत है.
इसी सच झूठ की विरासत मैं, जीवन नितांत है.

हमारे शास्त्रों और मनीषियों ने एक स्वर में कहा है कि केवल ब्रह्म ही शाश्वत सत्य है और यह जगत मिथ्या है. यानी पर ब्रह्म परमेश्वर ही सच्चा है, यह संसार झूठा है. वही परमेश्वर संसार को कष्टों से मुक्ति दिलाने के लिए पृथ्वी पर अवतरित होता है. गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं- यदा यदा ही धर्मस्य ग्लनिर्भवति भारत, अभ्युत्थानं धर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहं. परित्राणाय साधुनां विनाशाय च दुष्कृतां, धर्मं संस्थापनार्थाय संभवामि युगे युगे. इसे गोस्वामी तुलसीदास के शब्दों में यूं समझ सकते हैं- जब जब होइ धरम की हानी, बाढ़हिं असुर अधम अभिमानी, तब तब धरि प्रभुविविध शरीरा, हरहिं दयानिधि सज्जन पीरा. भगवान के उन्हीं अवतारों में एक राम हैं, जो भारत के जनमानस में पूरी तरह रचे-बसे हैं. अयोध्या में बने भगवान रामचंद्र के नवनिर्मित भव्य मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा की तैयारी में पूरा देश तल्लीन है. पूरे संसार में एक बारफिर राम नाम की गूंज है. जमशेदपुर के बिरसा नगर निवासी कवि **शिवनंदन सिंह** इस बात को लेकर गद्गद हैं. इसका प्रमाण है उनकी यह कविता, जिसका शीर्षक है- हुआ राममय है जग सारा.

गौरवशाली यह देश हमारा, हुआ राममय है जग सारा.
पूरा विश्व साक्षी बनकर, देख अयोध्या धाम पधारा.
साल चौबीस बाईस जनवरी, राम दिवस है अजब नजारा.
अपने घर प्रभु राम पधारे, है यह परम सौभाग्य हमारा.
बाबर आक्रांता तेरी विरासत, अब मिट्टी में हुई किनारा.
मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु का, है मंदिर बना बहुत ही न्यारा.
लंबे संघर्षों का इतिहास नया, लाया मंदिर नव उजियारा.
मर्यादा प्रभु श्री राम के चरणों में, है सादर नमन हमारा हमारा.
भारतीय संस्कृति और धर्म के हैं रक्षक मोदी जी अति प्यारा.
अपने प्रभुत्व का मान रखें सब, शिव लें संकल्प कर्तव्य हमारा.

राम हमारे देश के कण-कण में बसते हैं, यहां के क्षण-क्षण में विराजमान हैं. जन्म से लेकर मरण तक एक राम का ही तो सहारा है. राम का आदर्श न्यारा है, राम सबका प्यारा है. भगवान श्रीराम चंद्र को श्रद्धा और भक्ति के साथ नमन करता हूं.फिर मिलते हैं अगले सप्ताह. जय सियाराम! जय हिंद!! जय झारखंड!!!

आधुनिक जीवन का अभिशाप : टूटता परिवार

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

पिछले दिनों अखबार में एक हृदय विदारक खबर पढ़ने को मिली. बंगलोर की एक कम्पनी की सीईओ ने गोआ जाकर एक होटल के कमरे में अपने छोटे शिशु की हत्या कर दी. हत्या बहुत योजनाबद्ध तरीके से गोआ जाकर किसी होटल में की गयी. सूत्रों से पता चला कि आरोपित महिला का अपने पति से वैमनस्य था. उसने बताया कि बेटे को देखकर उसे अपने पति की याद आ जाती है, जिससे वह घृणा करती है! यह घृणा की पराकाष्ठा है! कई दशक पहले विद्यार्थी जीवन में फ्रेंच के प्रसिद्ध कहानीकार मोपसां की एक कहानी पढ़ी थी. उसमें एक युवती आक्रमणकारी देश के एक सैनिक के बलात्कार का शिकार होती है. चारों ओर आतंक और भय है. युवती के माता-पिता भी अपने जीवन को लेकर आतंकित हैं. वह बलात्कारी सैनिक उसके घर में आता है और सभ्य व्यक्ति की तरह व्यवहार करता है. वह सैनिक थोड़े-थोड़े दिनों पर आता है. उन पीड़ित लोगों की सहायता करता है. फिर एक दिन उसे पता चलता है कि युवती गर्भवती है. उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहता! उसका आना बढ़ जाता है. अब वह युवती और उसके परिवार जनों के लिए और ज्यादा भेंट, कपड़े, खाद्यान्न लाने लगता है. युवती के घरवाले तो उसके साथ सामान्य व्यवहार करने लग गए, पर वह युवती कुछ नहीं बोलती. सपाट उदासीन सा चेहरा बनाये रखती है. बच्चे के जन्म का समय निकट आ गया है. सैनिक बहुत प्रफुल्लित है अपने बच्चे को लेकर. बच्चे के जन्म की अनुमानित तिथि के कुछ दिन बाद ढेर सारे कपड़े, भेंट के साथ वह आता है. उसे बताया गया कि युवती ने बेटे को जन्म दिया है. उसकी उत्कंठा, लालसा बढ़ जाती है और अपने बच्चे को देखने की इच्छा व्यक्त करता है. तब युवती प्रसन्न मुद्रा में बाहर आती है और कहती है कि मैंने एक आक्रमणकारी (विदेशी) की हत्या कर दी. मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है! युवती ने अपनी कोख से जन्मे उस शिशु की हत्या कर दी थी, क्योंकि उसकी रगों में भी एक आक्रमणकारी विदेशी का ही रक्त था...हम इसे क्रोध की, घृणा की पराकाष्ठा कह सकते हैं! आये दिन अखबार में खबरें पढ़ने को मिलती हैं, विचित्र -विभिन्न प्रकार की हत्याओं के टेलीविज़न सीरियल दिखाए जाते हैं, जिनमें मां-बाप , भाई, बहन, पति-पत्नी कोई भी हत्यारा हो सकता है. पूरी दुनिया में विकास की अंधी दौड़ है. महत्वाकांक्षा, दम्भ, ईर्ष्या अपने चरम पर है. अंग्रेज़ी की ₹कट थ्रोट कम्पटीशन₹ भारत के आम जनमानस में अपनी पैठ बना चुका है .परिवार रूपी संस्था बिखरने के कगार पर है. पति-पत्नी के आपसी प्रेम, स्नेह, सद्भाव, सामंजस्य, सहिष्णुता का स्थान अहम, दम्भ, ईर्ष्या, असहिष्णुता और वैमनस्य ने ले लिया है. आज के युग में भारत में भी बड़ी संख्या में युवक-युवतियां स्वयं अपनी शादी का निर्णय लेना चाहते हैं और विवाह के संस्कार भी एक तात्कालिक व्यवस्था की तरह है, क्योंकि थोड़ी सी भी आपसी असहमति होने पर अलगाव की शर्त के साथ ही शादी की शुरुआत होती है. इस सारी व्यवस्था में अगर कोई सबसे पीड़ित होता है तो वह है बच्चा! उसमें जो असुरक्षा की भावना पनपती है, उसके बारे में किसी को सोचने की फुरसत नहीं है. ऐसे मानसिक रूप से असुरक्षित बच्चों के साथ हम कैसे भविष्य के देश का निर्माण कर रहे हैं?

ज्ञान भूमि राष्ट्र संत तुकड़ोजी महाराज विद्यापीठ नागपुर

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

नागपुर विद्यापीठ देखने की इच्छा बहुत दिनों से थी. नागपुर विश्वविद्यालय महाराष्ट्र की उपराजधानी और विदर्भ का केंद्र नागपुर में स्थित है. इसकी स्थापना 1923 में हुई थी, तब इसका नाम नागपुर विश्वविद्यालय नागपुर था, लेकिन कालांतर में इसका नाम महाराष्ट्र के एक सुप्रसिद्ध संत और विचारक तुकड़ो जी महाराज के नाम पर रूपांतरित कर दिया गया. राष्ट्र संत तुकड़ोजी महाराज का जन्म अमरावती के यवलई ग्राम में एक गरीब परिवार में 30 अप्रैल 1909 को हुआ था और उनकी आकस्मिक मृत्यु 11 नवंबर 1968 में हुई. वे भारत के एक आध्यात्मिक संत थे. उन्होंने महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों में अनेक सुधार कार्य किए. उन्होंने ग्राम गीता और गीता प्रसाद लिखी, जो ग्राम विकास के साधनों का वर्णन करती है. भारत सरकार ने 1995 में उनके नाम पर एक रुपये का डाक टिकट जारी किया था.

यह भारत के सबसे पुराने विश्वविद्यालयों में से एक है. साथ ही साथ यह महाराष्ट्र प्रांत का दूसरा सबसे पुराना और बड़ा विश्वविद्यालय है. इसका कार्य क्षेत्र भंडारा, गोंदिया, नागपुर और वर्धा तक फैला हुआ है. इस विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति डॉ. सुभाष आर चौधरी जी हैं, इनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय चतुर्दिक विकास कर रहा है. नागपुर विश्वविद्यालय देखने की मेरी यह इच्छा गत 30 नवंबर 2023 को फलीभूत हुई. जब मैं अपने प्रिय शिष्य डॉ. प्रशांत गौरव के साथ महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा से लौट रहा था. यों तो नागपुर मध्य रेलवे का मुख्यालय है और आते जाते देखने का सुअवसर मिला था, लेकिन इस बार की मेरी नागपुर यात्रा कई मायने में शिष्ट और विशिष्ट रही. मैं अपने पाठकों को बताना चाहता हूं कि राष्ट्र संत तुकड़ोजी महाराज विश्वविद्यालय नागपुर के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज पाण्डेय ने अपने विभाग में व्याख्यान हेतु मुझे कई बार बुलाया , लेकिन किन्हीं कारणों से मैं जा नहीं सका. इस बार जब उन्होंने याद किया तो इस मौके को हाथ से निकलने नहीं दिया और यह अवसर हकीकत एवं यथार्थ में बदल गया. राष्ट्र संत तुकड़ोजी विश्वविद्यालय नागपुर के हिंदी विभाग में 2:30 बजे से एक व्याख्यान रखा गया था. वहां के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज पाण्डेय ने हिंदी साहित्य में इतिहास लेखन की परंपरा विषय रखा था. मेरे साथ प्रियवर डॉ. प्रशांत गौरव और बंधुवर डॉ. देवदास टेम्भरे भी थे. नियत समय पर हमलोग डॉ. टेम्भरे की कार से विभाग पहुंचे, जो उनके जमाता हितेश राउत चला रहे थे. डॉ. मनोज पाण्डेय और उनके विभागीय सहयोगियों ने भव्य स्वागत किया और चाय पानी के उपरांत व्याख्यान शुरू हुआ. सेमिनार हाल में विभाग के शिक्षकों के अतिरिक्त शोध छात्र और विद्यार्थी गण उपस्थित थे. सामान्य औपचारिकताएं पूरी होने के उपरांत मेरा विषय केंद्रित व्याख्यान शुरू हुआ. मैंने हिंदी साहित्य के प्रथम इतिहासकार फ्रांसीसी विद्वान गार्सा दतासी की पुस्तक 'इस्तवार द ला लेत्येतुर हिंदुई ए हिंदुस्तानी' से लेकर डॉ. राम खेलावन पाण्डेय के हिंदी साहित्य का नया इतिहास तक की विस्तृत मीमांसा की. हिंदी साहित्य के मूर्धन्य विद्वान एवं इतिहासकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल के इतिहास लेखन की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ₹जबकि प्रत्येक देश का साहित्य वहां की जनता की संचित चित्तवृत्ति का प्रतिबिम्ब होता है तब यह आवश्यक है कि जनता की चित वृत्ति के परिवर्तन साथ साथ साहित्य के स्वरूप में भी परिवर्तन होते चलता है. आदि से अंत तक इन्हीं चित्तवृत्तियों की परंपरा को परखते हुए साहित्य परंपरा के साथ उनका सामंजस्य दिखाना साहित्य का इतिहास कहलाता है.

लगभग 1000 एकड़ भूमि में फैला हुआ यह विश्वविद्यालय यह बता रहा था कि मैं पुराना अवश्य हूं, लेकिन मैंने नवीनता को भी स्वीकार किया है.पुरातन के प्रति न मोह है और न नवीनता के प्रति दुराग्रह, युग के साथ कदम मिलाकर चल रहा हूं. विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्र संत तुकड़ोजी महाराज की दिव्य प्रतिमा अपनी ज्योति से विश्वविद्यालय परिसर को आलोकित कर रही है. प्रकृति की गोद में अवस्थित यह विश्वविद्यालय अपनी प्रकृतिपरकता का उद्घोष कर रहा है. प्राचीनता और नवीनता का यह संगम अपने आपमें आगंतुकों को अपनी ओर सहसा आकृष्ट कर लेता है.

मोक्ष बिना चैन कहां रे

नश्तर

सुधीर राघव

जंगल का पूरा उत्तरी हिस्सा साफ हो गया था. राजा गधे का टनाटन धर्म फार्मूला बेहद सफल रहा था. गधे का मालिक सेठ दुलीचंद सुनामी इस बात से बेहद प्रसन्न था. असल में टनाटन धर्म का आइडिया तो उसका ही था. गधा तो सिर्फ मोहरा था.

उत्तर के सभी जानवरों ने स्वेच्छा से अपनी सारी संपत्ति टनाटन धर्म स्थल के लिए दान कर दी थी और अधिकांश ने भूखे-प्यासे रहकर मोक्ष की कामना से प्राण त्याग दिए थे. मगर सेठ सुनामी के कारिंदों ने उत्तर के जंगल के सभी जानवरों के मरने का इंतजार भी नहीं किया. उन्होंने बुल्डोजर लाकर जंगल की सफाई शुरू कर दी. जिसे धर्मस्थल निर्माण मानकर सैंकड़ों जानवरों ने अपने जीवन का स्वयं बलिदान दे दिया था और अपनी सारी संपत्ति दान कर दी, वहां सेठ सुनामी की अब नई कंपनी बन रही थी. कमाई की नई दुकान, वुडपैकर डिस्टलरी.

यह सब देखकर जिंदा बचे कुछ जंगली सूअर गुस्से से भर गये. मगर वे इतने कमजोर थे कि शक्तिशाली सुनामी का कोई विरोध नहीं कर सकते थे. इसलिए राजा गधे के षड्यंत्र से अन्य जानवरों को जागरूक करने के लिए वे जंगल के पश्चिमी हिस्से की ओर भागे. वहां गधा पहले से ही टनाटन धर्म बचाओ रोड शो निकाल रहा था. टनाटन धर्म के प्रचार के लिए उसने बम्बइया गानों से अच्छी पैरोडी बनाई थी. वह सबसे आगे चलते हुए माइक पर रेंक रहा था, ₹मोक्ष बिना चैन कहां रे... सोना नहीं, चांदी नहीं, मोक्ष तो मिला...अरे मोक्ष ले ले.. !₹

उसके पीछे-पीछे सभी जानवर समवेत स्वर में गा रहे थे, ₹अरे, मोक्ष ले ले !₹ इतने में वहां उत्तर से जान बचाकर सूअर पहुंच गये. उन्हें लगा कि गधे की पोल खोलने का यही सबसे अच्छा मौका है. वे चिल्लाए - ₹टनाटन कोई धर्म नहीं है. यह जंगल पर कब्जा करने का सेठ सुनामी और इस गधे का षड्यंत्र है. इन्होंने उत्तर को बर्बाद कर दिया है.₹ यह सुनकर गधा हंसा और बोला, ₹ये सूअर हमेशा से धर्म विरोधी और पतित हैं. हे जानवरो! क्या अब ये तुम्हें धर्म सिखाएंगे. .. टनाटन हमेशा टनटनाटन रहे !₹ यह सुनते ही अनेक जानवर एक साथ उत्तर से आए उन सुअरों पर टूट पड़े और उन्हें पीट-पीटकर मार डाला. इस सबके बाद '...मोक्ष बिना चैन कहां रे!' गाते हुए गधे का रोड शो आगे बढ़ गया.

यूसुफ अली की कलाकृतियों में मिर्जा गालिब की छवि

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

मिर्जा गालिब उर्दू-फारसी के प्रख्यात कवि तथा महान शायर थे. वे सर्व धर्म सदभाव एवं मानवीय चेतना के चितेरे थे. गालिब का व्यक्तित्व बड़ा ही आकर्षक एवं बहुआयामी था. उनका जीवन संघर्ष से भागते या पलायन करते हुए नहीं बीता और न इनकी कविता एवं शायरी में कहीं निराशा का नाम है. वह इसको जीवन का एक अंश तथा आवश्यक अंग समझते थे. मानव की उच्चता तथा मनुष्यत्व को सब कुछ मानकर उसके भावों तथा विचारों का वर्णन करने में वह अत्यन्त निपुण थे और यह वर्णन-शैली ऐसे नए ढंग की है कि इसे पढ़कर शताब्दियों बाद भी पाठक मुग्ध हो जाता है. गालिब में जिस प्रकार शारीरिक सौदर्य था, उसी प्रकार उनकी प्रकृति में विनोदप्रियता तथा वक्रता भी थी और ये सब विशेषताएं उनकी कविता एवं शायरी में यत्र-तत्र झलकती रहती है. गालिब को पूरी दुनिया जानती है, उनकी शायरी का सम्मान करती है. तभी तो रांची के यूसुफ अली ने अपनी कलाकृतियों में मिर्जा गालिब की शायरी, गजल और नज्म को बखूबी उकेरने की कोशिश की है. चित्रों की अपनी भाषा होती है. हम जो शब्दों में नहीं कह सकते, वह चित्रों के द्वारा कहीं अधिक प्रभावशाली ढंग से कह सकते हैं और यही वजह है कि यूसुफ अली जैसे कलाकार मिर्जा गालिब के भावों को अपनी कलाकृतियों के माध्यम से समाज के सामने रख रहे हैं. इनकी कलाकृतियां गालिब की शायरी, गजल और नज्म से आकार लेती हैं. सैकड़ों बच्चों को प्रशिक्षण देकर ये इसकी बारीकी को समझा रहे हैं. इनसे प्रशिक्षण को लेकर कई अब कला के माध्यम से अपनी पहचान बना रहे हैं. सादगी से जीवन व्यतीत करने वाले यूसुफ दो दशक से निरंतर अपनी कला यात्रा में लगे हुए हैं और कला के क्षेत्र में इनका अनुभव काफी सुखद रहा. यूसुफ का मानना है कि कला में कोई पूर्ण नहीं होता है. एक कलाकार जितना जानता है, वह पर्याप्त नहीं है. कलाकार बन कर यूसुफ पूरी तरह से संतुष्ट हैं. कला के प्रति इनका लगाव देखते ही बनता है. हाथों में ब्रश पकड़े जब यूसुफ कैनवास के सामने खड़े होते हैं तो वक्त बीतने का इन्हें पता ही नहीं चलता. सादगी से जीवन व्यतीत करने वाले यूसुफ न केवल जल रंग, तैल रंग या पेस्टल से चित्रों को कैनवास पर उकेरते हैं, बल्कि इमारतों के नक्शे, कास्टयूम डिजाइन और दीवारों पर कलाकारी करने में भी निपुण हैं. ये अपनी मेहनत और लगन के बल पर एक कुशल कलाकार बन गये. नये विषयों पर कार्य करने का जुनून यूसुफ को शुरू से ही रहा है. वक्त के पाबंद यूसुफ को नाम की चाहत नहीं, बल्कि इन्हें अपने काम से प्रेम है और आज ये कला के प्रति पूरी तरह से समर्पित भी हैं. इन्होंने भूख की पीड़ा को बहुत करीब से देखा है, इसलिए इसकी झलक इनकी कलाकृतियों में भी देखने को मिलती है. इनकी रचनात्मक कलाकृति चीजों को देखने के लिए एक नये नजरिये की मांग करती है, जहां आखें दिल और दिमाग के तालमेल के साथ किसी विषय वस्तु और इसके रेखीय रूप में इसकी सबसे अच्छी अभिव्यक्ति को खोजती हैं.

आखर

आखर के गत अंक में आपने हिंदी के दो वरिष्ठ साहित्यकार अवधेश प्रीत और रतन वर्मा की बातचीत पढ़ी. इसी बातचीत के दौरान दोनों समकालीन साहित्यकारों ने अवधेश प्रीत के उपन्यास रूई लपेटी आग पर भी विस्तृत चर्चा की थी. इस कड़ी में हम यही टेलिफोनिक बातचीत और इसी क्रम में हुई राजनीतिक व सामाजिक विभिन्न पहलुओं की चर्चा हू-ब-हू पेश कर रहे हैं

राजेंद्र यादव के सुझाव से हुई "रूई लपेटी आग" की शुरुआत

रतन वर्मा
साक्षात्कार

रतन वर्मा : अपने उपन्यास रुई लपेटी आग के बारे में कुछ बताएं. यह राजनीतिक पतन के परिप्रेक्ष्य में अपनी बात कहता है?

अवधेश प्रीत : हां, यह उपन्यास उसी की बात कहता है. इसके बीज तभी पड़ गए थे जब पोखरण में दूसरा विस्फोट हुआ था. उसी दौरान एक अखबार में छपी एक छोटी-सी खबर के जरिए जानकारी मिली कि एपीजे अब्दुल कलाम की एक महिला मित्र हैं, जो संगीत की शिक्षिका हैं और कलाम को भी संगीत से प्रेम रहा है, तो मन में सवाल आया कि एक संगीत का प्रेमी व्यक्ति कैसे विनाश के कारक परमाणु बम के परीक्षण का माध्यम बन सकता है. मन उद्वेलित था तो इसमें अपनी थोड़ी-सी लेखकीय कल्पनाशीलता का सहारा लेकर मैंने एक लंबी कहानी लिखी और राजेंद्र यादव को भेजी. राजेंद्र जी ने कहानी पढ़ कर कहा कि बढ़िया है लेकिन इसका कैनवास उपन्यास का है. इस पर उपन्यास लिखा जाए तो बेहतर है. इतनी मेहनत से लंबी कहानी लिखने के बाद उस मनःस्थिति में वापस जाना आसान नहीं. नए सिरे से सोचना होता है.

रतन वर्मा : बिल्कुल यही बात मेरी कहानी नेटुआ के बारे में भी राजेंद्र यादव ने कही थी. बाद में मैंने उसे उपन्यास में तब्दील भी की. इसपर वर्ष 2018 में उपन्यास आया "नेटुआ करम बहुत दुखदायी".

अवधेश प्रीत : हां, वह तो मुझे पता है. इस पर मनोज वाजपेई ने भी थिएटर किया था. यह कहानी हंस में छपी थी और बहुत लोकप्रिय हुई थी. तो मैं कह रहा था कि 'रुई लपेटी आग' के लिए काफी शोध किया जो श्रमसाध्य था.

रतन वर्मा: आपने जो विषय चुना, उसमें जबर्दस्त शोध की आवश्यकता भी थी.

अवधेश प्रीत : रतन भाई, मैं एक बात बेहद विनम्रता के साथ कहना चाहता हूं कि मेरे जानते हिंदी में परमाणु विस्फोट व उसके मानवीय पक्ष पर और कुछ सुधी पाठकों की सूचना के अनुसार 'रुई लपेटी आग' से पहले कोई उपन्यास नहीं आया है.

पोखरण दरअसल एक कस्बा है जिससे 30-35 किमी या कहें कुछ अधिक ही दूर पोखरण फायरिंग रेंज है. मैंने उस इलाके को देखने का सोचा, इसलिए दिल्ली और फिर दिल्ली से जैसलमेर गया. फिर कुछ स्थानीय पत्रकार मित्रों की सहायता से पोखरण गया और वहां से उस गांव गया जो फायरिंग रेंज के निकटवर्ती (ढाई-पौने तीन किमी दूर) है. यहां इंदिरा गांधी के समय (1974) में हुए पहले विस्फोट और फिर वर्ष 1998 के विस्फोट का भी असर पड़ा. मैंने वहां पहुंचकर लोगों से बात की, केस स्टडीज को समझा, सच यह उभर कर आया कि इससे जिंदा आबादियां प्रभावित हो रही हैं. कई लोगों को कैंसर हुआ, कई बच्चे विक्षप्त-विकलांग पैदा हुए. बछिया अंधी पैदा हुई.

रतन वर्मा : यह तो हिरोशिमा और नागाशाकी का छोटा

स्वरूप हो गया. मीडिया में इसकी रिपोर्ट नहीं आ पाईं.

अवधेश प्रीत : हां, इक्का-दुक्का आईं, जिससे कोई राष्ट्रीय विमर्श नहीं बन पाया. इसलिए इस उपन्यास में मैंने पात्रों के जरिए चर्चा की कि जिस पोखरण विस्फोट का पूरे देश ने जश्न मनाया, वह हमारे लिए अभिशाप साबित हुआ. इसके पीछे वाजपेयी जी का तर्क था कि हमारा पड़ोसी वर्ष 1964 में ही यह विस्फोट कर चुका है. उससे ही हमें खतरा है तो युद्ध सिर पर आएगा तब तो हम यह काम नहीं करेंगे? वो हम कहते हैं ना कि बारात आने के बाद तो कोहड़ा नहीं रोपेंगे, तो इसी तर्ज पर. उधर पाकिस्तान से हमारी परंपरागत दुश्मनी चली आ रही है, तो उसने भी इस विस्फोट के महीने भर के भीतर ही अपने यहां बलूचिस्तान के चघाई पहाड़ी इलाके में विस्फोट कर दिया. उपन्यास में वहां के एक्टिविस्ट और शायर शकील बलूच यही लड़ाई वहां लड़ रहा, जो यहां एक्टिविस्ट और संगीत शोधार्थी बया लड़ रही. शकील को जेल में डाल दिया जाता है. पाकिस्तान की बड़ी शायरा फहमीदा रियाज किसी मुशायरे के सिलसिले में तो बया उनसे मुलाकात करती पाकिस्तान जाने पर फहमीदा में बताती है. शकील जेल से भारत आती हैं, है और फिर वापस शकील को बया के बारे बया के लिए इस संघर्ष के बाबत एक लंबी नज्म भेजता है. बया की शिक्षिका अरुंधति संगीत की विदुषी हैं. वह पहली महिला हैं, जिसने सोलो पखावज बजाया है. दरअसल उसके पिता पखावज की बड़ी हस्ती थे और उनकी इच्छा पूरी करने के लिए ही सोलो पखावज के लिए अरुंधति आगे आईं. अरुंधति के बचपन का मित्र है कलीमुद्दीन अंसारी जिससे जाहिराना तो नहीं पर एक अनकहा सा प्यार है दोनों में. तो प्रेम, विस्फोट और मनुष्यता के खिलाफ किया गया षड्यंत्र और रेडिएशन पीड़ित नागरिकों को कोई सुविधा नहीं देना, स्थानीय स्तर पर इन सब के लिए उठाई गई आवाज, इनसे एक बड़ा मानवीय कैनवास बनता है, जिसपर मैंने इस उपन्यास को केंद्रित किया है.

रतन वर्मा : क्या इन सब में कुछ सकारात्मक दिखा?

अवधेश प्रीत : विस्फोट का क्या सकारात्मक पक्ष होगा. हां यह जरूर सकारात्मक रहा कि स्थानीय लोग अपने लिए लड़ाई लड़ रहे और नुकसान के मुआवजे, संरक्षण के लिए आवाज उठा रहे. उस समय वाजपेयी जी ने स्थानीय लोगों के लिए अस्पताल खोलने की बात कही थी जो आज तक नहीं खुला.

रतन वर्मा : तब का विपक्ष तो मजबूत था.

अवधेशप्रीत : हां, लेकिन सत्ता का अपना चरित्र होता है. उपन्यास में यही सवाल उठाया गया है कि अगर बात स्वीकार कर ली जाती तो मानवाधिकार का मामला उठता. तब भारत की आर्थिक स्थिति वैसे ही कमजोर थी. अमेरिका ने विस्फोट के तुरंत बाद कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे. कई एफडीआई वापस ले लिए थे. स्वीकार कर लेने पर मुआवजा देना होता, कई फोरम पर जवाब देना होता.

रतन वर्मा : उपन्यास का उज्जवल पक्ष क्या है?

कलीमुद्दीन और अरुंधति का प्यार. यह अनकहा प्यार है जो दिल में तो है, पर जाहिर नहीं किया गया. यह उस दौर का प्यार है. कलीमुद्दीन के पिता जो करघा चलाते हैं और अरुंधति के पिता जो पखावज के विद्वान थे, दोनों गहरे मित्र थे. उन दोनों की संतानों के बीच पनपा एक रुहानी प्यार जो अनकहा रहा.

रतन वर्मा : एक बात बताइए, क्या ये पात्र के नाम वास्तविक हैं या काल्पनिक?

अवधेश प्रीत : हां काल्पनिक हैं. इस बात का उल्लेख मैंने अपने उपन्यास में भी किया है कि इसके पात्र और स्थान के नाम मिलते-जुलते हो सकते हैं, लेकिन यह गल्प है.

रतन वर्मा : जिस तरह से पात्रों के नाम का आप उल्लेख कर रहे हैं, उससे वास्तविक होने का भान हो रहा है.

अवधेशप्रीत : अरे, इस उपन्यास को मैंने जिया है, मित्र. इसलिए तुम्हें लग रहा कि कहीं यह वास्तविक तो नहीं. एक-एक पात्र के साथ गहरे से जुड़ा हूं मैं. जैसे वहां एक चंदन है जो गांव का ही लड़का है. बया और उसका मित्र दीप जब शोध के सिलसिले में राजस्थान के नाथद्वारा (पखावज का एक घराना नाथद्वारा के अध्ययन के लिए) जाते हैं तो काम खत्म होने के बाद पोखरण जाकर वहां की मिट्टी ललाट पर लगाना चाहते हैं. वहां जाने के बाद उन्हें पता चलता है कि पोखरण दरअसल सेना का क्षेत्र है, जहां प्रवेश प्रतिबंधित है. वे तब पास के पोखरण के किले में घूमने चले जाते हैं, जहां उनकी मुलाकात गाइड चंदन से होती है. साथ चाय पीने के दौरान चंदन उनसे कहता है कि पोखरण की सच्चाई जाननी है तो हमारे गांव चलिए.

कविता

शहंशाह आलम

प्रेम गाता हुआ लड़का

जो भी गाया गया प्रेम ही गाया गया उस लड़के के द्वारा
उस लड़की के लिए जोकि कम बातूनी रही अपने जीवन में.

कमाल यही है हर लड़की कम बोलती है
किसी भी लड़के से अपने दृश्य और बिम्ब के
किसी भी हिस्से में किसी भी किस्से में.

जैसेकि वह लड़की कम बोलती दिखाई दे रही है
इस उदास समय में इस घातक हथियार से भरे वक़्त में.

लड़का था कि गाए-बजाए जा रहा था
उस लड़की के लिए अगण्य प्रेम.

अद्भुत! अद्भुत!!
हत्याओं से भरे इस समय में
समुद्र के किनारे फैले हुए
बालू में से वह लड़की अपने लिए भी
समेट रही थी श्रेष्ठ कुछ इच्छाएं ख़ास कुछ अनुगूंज
और प्रेम गाता हुआ लड़का गाए जा रहा था
पृथ्वी का सबसे बढ़िया गाना सबसे अच्छे तरीक़े से.

जो बचा रहे होंगे मेरे सपने

कम हो रहा है नमक
जिस भी समुद्र का
उसे बचा रही है नट स्त्री
अपने चेहरे के पसीने में
रस्सी पर कलाबाज़ी दिखाते.

हर सूत्रधार अब नया सूत्र
पकड़ना चाहता है
बिना किसी भय के.

जबकि भय अब भी घेरता है
उन्हें, जो भय फैलाने का काम करते हैं.

जैसे नीम का पेड़ गिराया गया
बनिए के इस भय की वजह से
कि पेड़ में भूत बसा करते हैं.

वहीं साइकिल चलाना सीख रहा लड़का
हवा से बातें करता है डर को झटकारता
हवा को अपना कोई बातूनी दोस्त जानकर.

सपने हमेशा घर की औरतें बचा लेती हैं,

और जो बचा रहे होंगे मेरे सपने
वे ही पार कर रहे होंगे बाढ़ होती नदी को.

जन्मदिन आज : महाश्वेता देवी

दीदी को याद करती झारखंड की माटी

महाश्वेता देवी का आज जन्म दिन है. झारखंड से उनका नाता गहरा रहा है. यहां के जंगलों में आदिवासियों के बीच उन्होंने लंबा समय गुजारा. इतना ही नहीं, बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष पर बंगला उपन्यास 'अरण्यर अधिकार' लिखा, जो हिंदी में 'जंगल के दावेदार' नाम से छपा. महाश्वेता देवी का यह उपन्यास केवल एक साहित्यिक, व्यक्तिपरक या ऐतिहासिक आख्यान भर नहीं है, इसका एक अलग महत्त्व है. इस उपन्यास के कारण यहां की माटी आज भी अपनी "दीदी" को याद करती है. आइए, दो छोटे संस्मरणों के जरिए आज जन्मदिन के मौके पर महाश्वेता जी को स्मरणांजलि अर्पित करें-

भूख से बढ़ कर कोई पढ़ाई नहीं होती

एक बार महाश्वेता देवी सिंहभूम के आदिवासियों के साथ खाने बैठीं.

महाश्वेता जी ने पूछा – भात किस चीज से सानेंगे?

एक आदिवासी ने जवाब दिया – दीदी, भूख से सान लीजिए.

इस अनुभव को ही कहीं उल्लेखित करते हुए महाश्वेता देवी ने कहा था- भूख से बढ़ कर कोई पढ़ाई नहीं होती.

बात सुनेगा कि साड़ी देखेगा?

महाश्वेता देवी की लेखनी आदिवासियों के लिए समर्पित थी. पलामू के बंधुआ मजदूरों के बारे में नलिनी सिंह के कार्यक्रम सच की परछाइयां के लिए सुधा अरोड़ा को महाश्वेता देवी से साक्षात्कार लेना था. इसके लिए कोलकाता दूरदर्शन की टीम उनके बालीगंज स्थित आवास पर पहुंची. महाश्वेता जी उस वक्त रसोई में व्यस्त थी. टीम के पहुंचने पर निकल कर बैठक में पहुंची. तब उन्होंने रंगीन पाड़ की तुसी-मुसी सूती साड़ी पहन रखी थी और बाल भी रसोई में काम करते अस्त-व्यस्त से हो गए थे. फाइलों-किताबों से अटे-पटे छोटे से कमरे में लाइट कैमरा फिट करते कैमरा मैन ने सुधा अरोड़ा से उनकी साड़ी की ओर इशारा किया. उन्होंने विनम्रता से महाश्वेता जी से पूछा- दीदी साड़ी बदलेंगी. क्यों! उन्होंने अपनी साड़ी की तरफ देखा और पल्ला घुमा कर सामने कस लिया. एक दो ट्रायल शॉट हुए. बाल पंखे की हवा में उड़ रहे थे. तब निर्देशक ने आग्रह किया कि जरा बालों में कंघी फिरा लें.

यह सुनते ही महाश्वेता देवी उखड़ पड़ीं-हमारा बात सुनेगा कि साड़ी देखेगा, चूल देखेगा? शुरू करो.

महज दस सेकेंड की बाइट भेजनी थी, महाश्वेता देवी पूरे 45 मिनट धाराप्रवाह बोलती रहीं. कोलकाता दूरदर्शन पर पूरा कार्यक्रम प्रसारित हुआ.

फैसला

लघुकथा

अनिता रश्मि

देर तक वे बोर्ड को देखते रहे. अंदर प्रवेश का मन नहीं, मजबूरी की पोटली साथ. मन के अंदर के सन्नाटे बोर्डवाली इमारत के सामने घुटने टेकें, इससे पूर्व वे गायत्री की यादों को भरपूर जी लेना चाहते थे. दो महीने पहले ही गुजरी थी. खटारा गाड़ी एक पहिए के भरोसे.

तीनों बच्चे आए थे, श्राद्ध कर्म के दूसरे दिन ही उनकी अतिशय व्यस्तता ने उन्हें वापस बुला लिया था. यहां भी लैपटॉप पर काम में बिजी. बड़े बेटे मुकेश के लिए ठीक श्राद्ध के समय फोन आ गया था और उसे ऑफिस के जरूरी काम, दूसरे को समझाने में उलझना पड़ा था.

न उन तीनों ने कहा, न उनकी इच्छा थी, वे साथ नहीं गए. बस, गायत्री की याद को घर के कोने-कतरे में ढूंढते रहे. आज के बच्चों की अबूझ व्यस्त जीवनचर्या का एहसास था उन्हें.

थोड़ी देर में वे अंदर थे, रिटायर्ड जज, बुजुर्ग डॉक्टर, बच्चों के घर से फेंकी गई वृद्धा, संपत्ति छीन अपने घर से निकाले गए बाप, पैर टूटी मां आदि के पास.

फोन पर बेटे के 'क्यों' का जवाब दिया था उस दिन, "यहां या वहां अकेले सूने कमरों में भटकते रहने से तो अच्छा है न जी."

दसेक दिनों में ही अखबार बांचते, कैरम खेलते हुए वे अपने हमउम्र दोस्तों के बीच युवावस्था के ठहाकों को जी रहे हैं. बोर्ड का "संध्या छाया" अपने होने पर इतरा रहा है.

पुस्तक समीक्षा- कैसा यह जल्लाद समय है

व्यवस्था को चेतावनी देती कविताएं

उज्ज्वल पाण्डेय

कवि प्रवीण परिमल समकालीन हिंदी लेखन में एक चिरपरिचित नाम हैं. उनकी ताज़ा काव्य कृति 'कैसा यह जल्लाद समय है' स्वतंत्र प्रकाशन, दिल्ली से प्रकाशित है. इसमें कवि की कुल जमा 28 ग़ज़लें, 22 जनगीत और 7 व्यंग्य कविताएं शामिल हैं. साहित्यकार डॉ मिथिलेश कुमार सिंह जी ने इस पुस्तक की विस्तृत भूमिका लिखी है.

ब्रेख़्त ने कहा था - "क्या जुल्मतों के दौर में भी गीत गाए जाएंगे? / हां, जुल्मतों के दौर के ही गीत गाए जाएंगे." कवि प्रवीण परिमल की संपूर्ण रचना जुल्म के दौर का ही गीत है. इस गीत के साथ ही वे अपने समय के जल्लाद से बेख़ौफ़ लोहा लेते स्पष्ट देखे जा सकते हैं. क्रांति जिसका अर्थ सदैव औज़ारों व हथियारों के दम पर जंग लड़ना ही नहीं, अपितु एक व्यापक परिवर्तन से है. कवि इसी परिवर्तन की अगुवाई करते दिखाई देते हैं. प्रवीण परिमल क्रांति के लिए किसी मसीहा का इंतज़ार करते नहीं दिखते. वे स्वयं अपने गीतों और ग़ज़लों को लेकर क्रांति के लिए तैयार खड़े हैं. एक ईमानदार साहित्यकार का धर्म है- अपने समय के सत्य को अपनी रचनाओं में दर्ज करना. कवि ने इस कार्य का बखूबी निर्वाह किया है. बच-बचाकर बात कहने के इस दौर में कवि प्रवीण परिमल की बुलंद ललकार इस पुस्तक में शामिल रचनाओं के माध्यम से सुनी जा सकती है.

कवि प्रवीण परिमल ने अपनी पहली ही ग़ज़ल में यह संकेत दे दिया है कि विभीषिका आने वाली है, तो आकर रहेगी, लेकिन बतौर मानव अपने वजूद के संघर्ष के लिए हमें क़दम उठाने होंगे. इस ग़ज़ल का एक शेर है -- "अजब भेड़िए का अभिनय है / अन्यायी कितना तन्मय है." कवि भेड़िए की शिनाख़्त के लिए जनता को आवाज़ देता है. एक अन्य ग़ज़ल में कवि शासन और व्यवस्था को मुखर होकर चेतावनी देता है. यह शेर देखिए -- "लाशों की ढेर पर तो हुकूमत न कीजिए / मेरे हुजूर! ऐसी सियासत न कीजिए." ज़ाहिर है कवि उन सियासतदानों की ख़बर लेता दिखाई देता है, जो आदमी की लाश को अपनी राजनीति का मैदान बनाते हैं. इससे मानवता आहत होती है. कवि ने अपनी रचनाओं की लगभग हर पंक्ति में तीखे लहज़े के साथ सत्ता और शासन-व्यवस्था पर व्यंग्य किया है. कवि प्रवीण परिमल मानवीयता के पक्षधर हैं. बर्बरता उन्हें बर्दास्त नहीं है. वे संघर्ष का आह्वान करते हुए मुफ़लिसों एवं मज़लूमों को अपने हिस्से का संघर्ष करने हेतु आमंत्रित करते हैं. वे कहते हैं -- "पकड़ो तो कसकर, साथी! / हाथों में हंटर, साथी." कवि किसके ख़िलाफ़ हंटर पकड़ने को कहता है? कवि उस दुर्व्यवस्था के ख़िलाफ़ हंटर पकड़ने को कहता है, जो सदियों से हमारा शोषण व दमन कर रही है.

ग़ज़लों की तरह ही कवि प्रवीण परिमल के जनगीत भी लोक के धरातल से जुड़े प्रतीत होते हैं. प्रतिरोध की प्रबल भावना के साथ कवि यह कहता है कि –

"कोठी उनकी, बंगला उनका,
/गाड़ी उनकी, उनका नाम.
चर्चा उनकी, खर्चा उनका, / पूजा उनकी, उनके राम."

गीत की ये पंक्तियां एक तरह से उस पूंजीवादी शक्ति को भी आईना दिखाती हैं, जिसकी राजनीति अपने लिए एक ऐसा 'राम' बनाती है, जो आम जन के लिए आराध्य न होकर नेताओं के लिए आराध्य हैं. वे राम महज़ वोट की उगाही करते हैं. इस संग्रह में ऐसे अन्य कई जनगीत हैं जो पाठक के हृदय को झकझोरने की क्षमता रखते हैं.

कवि ने प्रगतिवाद के प्रतिनिधि कवि बाबा नगर्जुन को भी अपने एक गीत -- 'नागार्जुन को लाल सलाम!' में बेहद सुंदर शैली में काव्यांजली अर्पित की है.

प्रवीण परिमल जनवादी विचारधारा के एक प्रतिबद्ध रचनाकार हैं. इस दौर में जनवादी होना अपने आप में क्रांतिकारी होना है. संग्रह की इनकी सातों व्यंग्य कविताएं भी सहृदय पाठकों में रोष पैदा करने के लिए बिल्कुल मुनासिब हैं. इनकी हर कविता कुछ देर ठहरकर चिंतन करने की माँग करती हैं. चाहे वह कविता "ज़हरीला सांप" हो, या "ईमानदारी".

कवि प्रवीण परिमल प्रतिरोध के एक प्रगतिशील कवि हैं. उनके भीतर प्रतिशोध की बौखलाहट है. वे जनता का सुरक्षित भविष्य चाहते हैं. उनकी यह काव्य कृति "कैसा यह जल्लाद समय है" को एक बार तो अवश्य ही पढ़ा जाना चाहिए.

पुस्तक : कैसा यह जल्लाद समय है
मूल्य – 199 रुपए
पृष्ठ – 112
प्रकाशक : स्वतंत्र प्रकाशन प्रा. लि. दिल्ली

व्यंग्य >> बर्बरीक

राम जी को घर मिले, कंवारों को घरवाली

जब से खबर आई है कि हमारे प्रभु श्री राम जी को घर मिलने वाला है तब से संतोखी बहुत प्रसन्न है. संतोखी कौन है? संतोखी वह है जो हर हाल में संतुष्ट रहता है तभी तो उसका नाम है संतोखी. उसे घर नहीं मिला है क्योंकि उसका नाम निकल नहीं पाया घरेच्छु लोगों की लिस्ट में. कुछ लोगों ने समझाया भी कि ऐसे थोड़े ही निकलता है. कुछ करना भी पड़ता है. लेकिन संतोखी तो ठहरा संतुष्ट जीव. रूखा सूखा खाय के ठंडा पानी पीव. जेहि विधि राखे राम तेहि विधि रहिए वाला पक्का राम जी का भक्त. वह कहां घर के लिए हाथ पैर मारे और किसके लिए मारे. वह तो इसी बात से परम संतुष्ट है कि उसके प्रभु श्रीराम को घर मिल रहा है. पता नहीं किस योजना के तहत दे रहे हैं क्योंकि इंसानों के लिए तो बहुत सारी योजनाएँ है पर भगवान् के लिए... यह भी सुनने में आया है कि अभी घर पूरा हुआ नहीं है लेकिन... तो क्या हुआ? बहुत सारे लोग छत ढाल कर ही मकान में घुस जाते हैं कि नहीं? फर्श पलस्तर वगैरह होता रहेगा.

कभी कभी उसे लगता भी है कि राम जी तो कण कण में हैं उन्हें मकान की जरूरत है भी कि नहीं, किसी ने पूछा? जब उसे

जरूरत थी तो पूछा गया था, फारम भी भरवाया गया था. यह बात और है कि उसका नाम नहीं निकल पाया. कोई बात नहीं. संतोखी संतोष कर लेगा. फिर कभी मिलेगा घर उसे. जब प्रभु श्रीराम की इच्छा होगी तब. कुछ लोग कहते हैं कि कई सौ सालों से प्रभु श्रीराम के पास कोई घर ही नहीं था. विश्वास तो नहीं होता उसे लेकिन... मतलब भगवान् को घर का दुख? जो सबको, घर वर सब दिलाते हैं, विभीषण तक को लंका का राज दिला दिया, उनको हम तुच्छ प्राणी क्या घर दिलाएंगे. संतोखी को तो घर से ज्यादा घरवाली की जरूरत है. दिनभर तो इधर उधर भटक कर काम चल जाता है लेकिन जाड़े की सर्द रातें काटना भारी पड़ जाता है. कंवारे हों, या विधुर या परित्यक्त, भगवान् घर दिलाएँ या नहीं, घरवाली जरूर दिलवाएं... यही प्रार्थना प्रभु श्रीराम से दिनरात करेगा. अब तो प्रभु के पास अपना स्थायी निवास भी होगा. प्रभु संतुष्ट रहेंगे तो संतोखी भी संतुष्ट रहेगा. वैसे तो और भी दुख हैं संतोखी को - घर नहीं, कोई रोजगार नहीं, लेकिन यह सब तो दुनियावी बातें हैं. एक बार प्रभु के चरणों में अपना जीवन रख दिया तो इन सब चीजों का भला क्या मोल. वैसे तो कहा गया है कि भूखे भजन न होय गोपाला, लेकिन संतोखी भूखे रहकर भी भजन करके दिखाएगा. उसके इतनी शक्ति नहीं है नहीं तो अयोध्या जाकर प्रभु का घर देख आता. लेकिन जब अपने ही घर के लिए बुजुर्गों को जब जाने से मना कर दिया गया है तो उसकी भला क्या औकात... उसकी तो बस इतनी सी ही ख्वाहिश है कि राम जी को घर मिले और कंवारों को घरवाली.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

नरेंद्र मोदी 27 जनवरी को आएंगे बिहार

बेतिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जनवरी को बिहार राज्य में स्थित पूर्वी चंपारण जिले के सुगौली में आइओसीएल इंडियन ऑयल के टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे. उक्त जानकारी देते हुए भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय जायसवाल ने मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए शनिवार को दी. उन्होंने कहा कि पीएम का आगमन बिहार में मेरे संसदीय क्षेत्र में सुगौली विस के छपवा में हो रहा है. इस अवसर पर पीएम कई योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी करेंगे,

पुलिस ने नष्ट की 35.69 एकड़ में लगी अफीम

गया। गया जिले में नक्सलियों के इशारे पर इस बार जमकर अफीम की खेती की जा रही है. हालांकि नक्सल प्रभावित क्षत्रों में अफीम की खेती होना कोई नई बात नहीं है, क्योंकि जानकार बताते हैं कि अफीम की खेती नक्सलियों की अर्थव्यवस्था का एक अहम हिस्सा है. नक्सली दुर्गम क्षेत्रों में इसकी खेती कर कमाई करते हैं और उससे उनकी अर्थव्यवस्था चलती है. लेकिन इस बार अफीम की खेती कुछ ज्यादा ही हो रही है. माना जा रहा है कि बिहार में शराबबंदी के बाद अन्य मादक पदार्थों की तस्करी बढ़ी है. अफीम भी उसी रैकेट का एक हिस्सा है. गया के कई इलाकों में पिछले कई दिनों से पुलिस नक्सलियों और मादक पदार्थ के कारोबारियों के खिलाफ ऑपरेशन क्लीन अभियान चला कर अफीम की खेती को नष्ट कर रही है.

बेतिया में शिक्षक ने कर ली खुदकुशी

बेतिया। जिले के सिकटा बाजार में शुक्रवार को एक शिक्षक ने खुदकुशी कर ली, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है. घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे में लटकता हुआ शव बरामद किया. पुलिस ने कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है. सुसाइड नोट में लिखा हुआ है कि 'आई लव यू बेबी.. मेरी मां का ख्याल रखना और सुसाइड नोट में यह भी लिखा हुआ है कि मां और बहन आप लोग मुझे माफ कर देना. आप लोगों ने मुझे बहुत समझाया लेकिन मैं समझ नहीं पाया.

नवादा में बालू माफिया की दबंगई, उपद्रवियों ने किया हमला

थानाध्यक्ष समेत पांच घायल

संवाददाता। नवादा

नवादा जिले के गोविंदपुर थाना क्षेत्र के करणपुर बालू घाट पर उपद्रवियों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया. इस दौरान उपद्रवियों ने जमकर पथराव किया. इस हमले में गोविंदपुर थानाध्यक्ष राजीव कुमार पटेल समेत पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं. मामला बालू घाट पर रंगदारी से जुड़ा हुआ है. बताया जा रहा है कि डुमरी से सटे करणपुर बालू घाट का टेंडर मिनी मैक्स कंपनी को मिला था. इसके बाद वहां खनन का काम चल रहा था. बालू घाट के मुंशी से पांच लाख रुपये रंगदारी की मांग की गई थी, जिसके आलोक में घाट के संचालक संगम यादव ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी. इसमें उन्होंने रोह प्रखंड के पश्चिमी जिला पार्षद विद्याभूषण केवट पर रंगदारी मांगने का आरोप लगाया. संचालक का कहना है कि जिला पार्षद समेत कुछ असामाजिक तत्व बालू खनन नहीं करने दे रहे हैं. उन्होंने बताया कि पांच दिन पहले जिला पार्षद विद्याभूषण केवट ने घाट को चलाने के नाम पर उनसे पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी. गुरुवार को जिला पार्षद के गुर्गों ने घाट पर आकर फिर से रंगदारी मांगी और नहीं देने पर तोड़फोड़ की. हथियार के बल पर रंगदारी मांगी जा रही है, जिसके बाद उन्होंने एफआईआर दर्ज कराई. रजौली एसडीपीओ ने बताया कि इसकी सूचना पर पुलिस वहां पहुंची थी. लोगों को समझाने का प्रयास किया जा रहा था. तभी उग्र लोगों ने पुलिस पर हमला कर दिया. इसमें थानाध्यक्ष समेत अन्य घायल हो गए. इसे लेकर खनन विभाग और पुलिस की तरफ से दो अलग अलग एफआईआर दर्ज की जा रही हैं.

मौके से दो लोगों को पकड़ा गया है

इसकी सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस के पदाधिकारियों के साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया और पथराव शुरू कर दिया गया. इसके बाद बालू घाट पूरी तरह रणक्षेत्र में तब्दील हो गया. हमले में थानाध्यक्ष समेत अन्य पुलिसकर्मी जख्मी हो गए. बहरहाल, घटना को लेकर तनाव व्याप्त हो गया है. पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दो लोगों को पकड़ा गया है. वहीं जिला पार्षद का कहना है कि उन्हें राजनीतिक साजिश के तहत फंसाया गया है. वहीं लोगों के बीच चर्चा है कि बालू घाट पूर्व विधायक के समर्थक का है और आरोपित जिला पार्षद वर्तमान विधायक के समर्थक हैं. ऐसे में मामला पूरी तरह हाईप्रोफाइल बन गया है. इस मामले में रजौली एसडीपीओ पंकज कुमार ने बताया कि खनन विभाग के अधिकारी मुकेश कुमार बालू घाट पर पहुंचे थे. ग्रामीणों का कहना था कि बगैर टेंडर घाट से बालू खनन किया जा रहा है. जिसके आलोक में खनन विभाग के अधिकारी मुकेश ग्रामीणों को बता रहे थे कि बालू घाट का टेंडर हो गया है, लेकिन कुछ लोगों ने खनन में लगे पोकलेन को क्षतिग्रस्त कर दिया.

रंगदारी को लेकर दो गुटों में फायरिंग, तीन घायल

नवादा। जिले के वारसलीगंज स्थित रेलवे रैक पर शुक्रवार की शाम रंगदारी को लेकर दो गुटों में गोलीबारी की गई है, जिसमें बलवापर गांव निवासी विजय यादव के पुत्र सुभाष कुमार और संजय यादव के पुत्र नीतीश कुमार को गोली लगी है. दोनों जख्मी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वहीं दूसरे गुट के स्व. मिथिलेश राउत के पुत्र संटू राउत को गोली लगी है. घटना के पीछे की वजह रंगदारी की मांग बताई जा रही है. इस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है. वहीं, इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल हो गया है. घायलों के साथ अस्पताल पहुंचे लोगों ने बताया कि शाम में अचानक कुछ लोग फायरिंग करने लगे. इस गोलीबारी में दोनों गुटों को गोली लगी है. गौरतलब है कि सुबह में रेलवे रैक प्वाईंट के कर्मी मालगोदाम निवासी दिनेश कुमार सरदार के साथ मारपीट की गई थी. इससे वह जख्मी हो गए थे. घायल दिनेश ने बताया था कि एक नंबर गोदाम के पास पांच लोगों ने रंगदारी की मांग को लेकर उनसे मारपीट की है, जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गया.

गया में कोचिंग जा रही छात्रा के साथ दुष्कर्म

गया। गया में कोचिंग जा रही 14 वर्षीय छात्रा के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है. घटना शुक्रवार की बताई जा रही है. जानकारी के अनुसार आक्रोशित लोगों के हंगामे के बाद पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं, पीड़ित नाबालिग लड़की को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है. जानकारी के अनुसार अतरी थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली नाबालिग लड़की कोचिंग में पढ़ने को जा रही थी. इसी क्रम में गांव में पड़ने वाली नदी के पास सुनसान स्थान पर एक युवक ने छात्रा को पकड़ लिया. इसके बाद जबरन खेत में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर फरार हो गया.

आओ जानें

बिहार : सामान्य ज्ञान

सर्वाधिक वन क्षेत्र वाला जिला	–पश्चिमी चंपारण
न्यूनतम वन क्षेत्र वाला जिला	– स्योहर
सबसे अधिक वन प्रतिशत वाला जिला	– कैमूर
सबसे कम वन प्रतिशत वाला जिला	– शेखपुरा
सर्वाधिक अनुसूचित जाति की आबादी वाला जिला	– गया
न्यूनतम अनुसूचित जाति की आबादी वाला जिला	– किशनगंज
बिहार की जनसंख्या	– 10 करोड़ 38 लाख 4 हजार 6 सौ 37
महिलाओं की संख्या	– चार करोड़ 96 लाख 19 हजार 2 सौ 90
बिहार में पुरुषों की संख्या	– 5 करोड़ 41 लाख 85 हजार 3 सौ 47
जनसंख्या की दृष्टि से सर्वाधिक बड़ा जिला	– पटना
जनसंख्या की दृष्टि से सर्वाधिक छोटा जिला	– शेखपुरा
सर्वाधिक जनघनत्व वाला जिला	– शिवहर
न्यूनतम जनघनत्व वाला जिला	– कैमूर
सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला	– पटना

सीएम ने नव चयनित शिक्षकों को दिया नियुक्ति पत्र

संवाददाता। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को नियुक्ति पत्र का वितरण किया. 70 दिनों के अंदर मुख्यमंत्री ने दूसरी बार नियुक्ति पत्र बांटे हैं. बिहार लोक सेवा आयोजित द्वारा आयोजित शिक्षक भर्ती के दूसरे चरण की परीक्षा पास कर चयनित हुए 96 हजार 823 अभ्यर्थियों को यह पत्र दिया गया. इस दौरान बाहर के राज्य से आए नव चयनित शिक्षकों की भी भीड़ उमड़ पड़ी. गांधी मैदान में दोपहर 12 बजे राज्य स्तरीय शिक्षक नियुक्त पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया. 16 जिलों और अन्य राज्य के 26,925 नव चयनित शिक्षकों को यह पत्र दिया गया. सीएम पांच सौ से अधिक अभ्यर्थियों को पत्र दिया. अन्य नव चयनित शिक्षकों को उनके जिला मुख्यालय में यह पत्र दिया गया. इस समारोह में सीएम नीतीश कुमार के अलावा उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर और अन्य मंत्री मौजूद रहे. हालांकि, पिछले कुछ दिनों से चर्चा में रहने वाले सीनियर आईएएस केके पाठक इस समारोह में नहीं मौजूद रहे. वह फिलहाल छुट्टी पर हैं. इससे पहले जो गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह हुआ था, उसमें केके पाठक मौजूद थे. सीएम नीतीश कुमार ने मंच से उनकी खूब तारीफ की थी. इधर, गांधी मैदान में आयोजित समारोह का लाइव प्रसारण सभी जिला मुख्यालय में हुआ. इससे सभी जिलाधिकारी एवं आयुक्त जुड़े. जिला मुख्यालय में प्रभारी मंत्रियों द्वारा अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया. शिक्षा विभाग के सचिव और प्रभारी अपर मुख्य सचिव वैद्यनाथ यादव की ओर से कहा गया कि नियुक्त पत्र वितरण समारोह की सारी तैयारियां पूरी की जा चुकी थी. बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित करीब एक लाख शिक्षकों में से 74 हजार को जिला मुख्यालय में ही नियुक्ति पत्र दिए गए.

राज्यपाल ने पाटलिपुत्र विवि सीनेट की बैठक में लिया हिस्सा, बोले-

सभी विवि को 'ऐप' बनाने का दिया निर्देश

विशेष संवाददाता। पटना

राजभवन अब 'एप' के जरिये सूबे के सभी विश्विद्यालयों की गतिविधियों पर सीधी नजर रखेगा. इस बाबत राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शनिवार को सूबे के सभी विश्वविद्यालयों को अपना-अपना एक 'एप' बनाने का निदेश दिया है. इसे प्रतिदिन अद्यतन करना होगा. इसके माध्यम से विवि की सभी गतिविधियों यथा-पढ़ाई, खेलकूद, बैठकें आदि के बारे में जानकारी मिल सकेगी. यह 'एप' राजभवन से जुड़ा हुआ होगा. इस 'एप' के माध्यम से विवि की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी एवं इससे पारदर्शिता बढ़ेगी. राज्यपाल ने शनिवार को

पाटलिपुत्र विवि सीनेट की 7वीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को सेवांत लाभ का भुगतान उनकी सेवानिवृत्ति के दिन ही होना चाहिए. उन्होंने सेवांत लाभ के लंबित मामलों को शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया. उन्होंने शिक्षकों की समयबद्ध प्रोन्नति सुनिश्चित करने का निदेश देते हुए इसके लिए वार्षिक टाईम-टेबल बनाने को भी कहा. राज्यपाल ने खेल विभाग के गठन के लिए राज्य सरकार को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों में पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद की गतिविधियां भी होनी चाहिए. उन्होंने खेलकूद संबंधी 'एकलव्य' कार्यक्रम को पुनः शुरू करने का निदेश दिया. उन्होंने केंद्र सरकार के 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम के तहत खेलकूद संबंधी दी जानेवाली सुविधाएं व अनुदान प्राप्त करने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने को भी कहा. बैठक में प्रधान सचिव रॉबर्ट एल. चोंग्थू, प्रो. आरके सिंह, प्रो. गणेश महतो, प्रो. शालिनी एवं अन्य लोग उपस्थित थे.

फुलवारी शरीफ गैंगरेप की घटना, एसएसपी बोले -

साइको ने किया था दोनों बच्चियों से दुष्कर्म

संवाददता। पटना

फुलवारी शरीफ दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार आरोपी को लेकर पटना के एसएसपी राजीव मिश्रा ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इस घटना को लेकर उन्होंने कहा कि 8 जनवरी को दो बच्चियों का अपहरण कर दुष्कर्म की घटना हुई थी. गिरफ्तार आरोपी देवानंद राय ने पहले बच्चियों को उपला देने के बहाने पूरे गांव में घुमाया और उसके बाद गांव के बाहर खेत में सुनसान जगह ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म जैसी घिनौनी घटना को अंजाम दिया. इस घटना के बाद एक बच्ची घायल अवस्था में और दूसरी बच्ची मृत मिली थी.

वैज्ञानिक और पुलिस अपने तरीके से जांच कर मामले का खुलासा किया.

आरोपी पत्थर से किया था हमला : एसएसपी : एसएसपी राजीव मिश्रा ने बताया कि इस मामले में पहले चरण में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया था और उनसे पूछताछ के आधार पर इस घटना को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है. 8 जनवरी को देवानंद के द्वारा जबरदस्ती दोनों बच्चियों के साथ बलात्कार किया गया. इसके बाद बच्चियों पर उसने निर्माणाधीन मकान के जमे हुए सीमेंट के टुकड़े से हमला किया. इससे एक बच्ची की मौत हो गई. हालांकि दूसरी बच्ची की हालत में अब सुधार आ रहा है. घटना में उपयोग किए गए पत्थर को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है. एसएसपी ने आगे बताया कि इस घटना को अंजाम देने वाले आरोपी देवानंद ने पहले भी इस बच्ची को बलात्कार करने की मंशा से उठाया था. हालांकि उस समय ग्रामीणों के देख लेने के कारण घटना को आरोपी अंजाम नहीं दे पाया. पहले यह मामला प्रकाश में नहीं आया. इसी तरह देवानंद ने पूर्व में भी अपने इलाके की एक 72 साल की बुजुर्ग महिला के साथ दुष्कर्म कर उसके सिर पर पत्थर मार कर हत्या कर दी थी. आरोपी देवानंद इस मामले में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है.

कारोबार

1,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी महिंद्रा

चेन्नई। महिंद्रा वर्ल्ड सिटी डेवलपर्स लिमिटेड ने अपने पहले औद्योगिक केंद्र 'ऑरिजिंस बाई महिंद्रा' के दूसरे चरण की परियोजना के विस्तार के लिए अगले पांच साल में तमिलनाडु में 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है. महिंद्रा समूह की इस कंपनी ने तमिलनाडु में हाल ही में आयोजित वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएम) के दौरान राज्य सरकार के साथ इस संबंध में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं.

थर्मल पावर परियोजना बीएचईएल को सौंपी

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनएलसी इंडिया ने ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में 2,400 मेगावाट की ताप विद्युत परियोजना स्थापित करने के लिए बीएचईएल को ठेका दिया है. कुल 2,400 मेगावाट क्षमता की पिट हेड नई ताप विद्युत परियोजना में 800-800 मेगावाट की तीन इकाइयां शामिल हैं और यह परियोजना 'अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल' प्रौद्योगिकी पर आधारित है. कंपनी ने कहा कि बीएचईएल को सौंपे गए अनुबंध के तहत बिजली संयंत्र के पहले चरण में बॉयलर, टर्बाइन और जेनरेटर की आपूर्ति की जाएगी.

कच्चा तेल 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में उतार-चढ़ाव जारी है. पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का मूल्य घटकर 79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 73 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है. हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 90.08 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है.

कैपिटल फूड्स की 100% हिस्सेदारी खरीदने के लिए टाटा ने डील साइन की

टाटा कंज्यूमर खरीदेगा कैपिटल फूड्स

भाषा। नयी दिल्ली

देश की प्रमुख कंपनी टाटा ग्रुप कारोबार की दुनिया में हमेशा अपने फैसलों को लेकर चर्चा में रहती है. टाटा एक तरफ किसी कंपनी को खरीदती है तो दूसरी ओर शेयर मार्केट में भी उतार-चढ़ाव का दौर शुरू हो जाता है. इस बार टाटा नूडल्स की कंपनी को खरीदने को लेकर चर्चा में है. दरअसल चिंग्स नूडल्स बेचने वाली कंपनी कैपिटल फूड्स की 100% हिस्सेदारी खरीदने के लिए टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने डील साइन की है. ये डील 5100 करोड़ रुपए में हुई है. टाटा कंज्यूमर ने एक्सचेंज फाइलिंग में शुक्रवार इसकी जानकारी दी. बता दें कि कैपिटल फूड्स दो ब्रांड के तहत अपने फूड बेचती है. वो है चिंग्स सिक्रेट और स्मिथ एंड जोन्स. चिंग्स सिक्रेट के तहत कंपनी हक्का नूड्ल्स, सेजवान चटनी, फ्लेवर्ड इंस्टेंट नूडल्स और चिली विनेगर बेचती है. वहीं, स्मिथ एंड जोन्स ब्रांड के तहत अदरक लहसुन पेस्ट, पास्ता मसाला, पेरी पेरी मसाला, सोया वडी न्यूट्री मसाला, मटर पनीर मसाला और शाही पनीर मसाला बेचता है.

इस खबर का असर शेयर मार्केट पर पड़ा

टीसीपीएल ने बयान में कहा कि यह कदम तेजी से बढ़ती/हाई मार्जिन वाली कैटेगरी में अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और टार्गेट मार्केट का विस्तार करने के टाटा कंज्यूमर के रणनीतिक इरादे के अनुरूप है. वहीं इस खबर का असर शेयर मार्केट पर पड़ा और निवेशकों ने भी अपनी रुचि बता दी. इससे टाटा कंज्यूमर के शेयर ने 1,161.75 रुपए के स्तर पर 52 वीक का हाई बना लिया. पिछले एक साल में टाटा कंज्यूमर के शेयर में 48% से ज्यादा की तेजी देखी गई है. टाटा कंज्यूमर के पोर्टफोलियो में टी, कॉफी, लिक्विड बेवरेज और फूड शामिल है. टाटा कंज्यूमर यूके की चाय कंपनी टेटली का भी मालिक है. स्टारबक्स के साथ भी टाटा की साझेदारी है. टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड टाटा ग्रुप की 7वीं ऐसी कंपनी है, जिसका मार्केट कैप 1 लाख करोड़ रुपए के पार है. 29 दिसंबर को ही कंपनी का मार्केट कैप 1 लाख करोड़ रुपए के पार हुआ था. आज कंपनी के शेयर में तेजी के बाद टाटा कंज्यूमर का मार्केट कैप 1.08 लाख करोड़ पहुंच गया है.

इसके अलावा खबर है कि टाटा कंज्यूमर ऑर्गेनिक हर्बल और आयुर्वेदिक हेल्थ प्रोडक्ट्स फर्म ''ऑर्गेनिक इंडिया'' का अधिग्रहण कर सकती है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस डील के लिए दोनों कंपनियों के बीच बात चल रही है. टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स जल्द फैब इंडिया से 1800 करोड़ रुपए की वैल्यूएशन पर ऑर्गेनिक इंडिया को खरीदने की घोषणा कर सकती है. फैब इंडिया के पास ऑर्गेनिक इंडिया में 64% की हिस्सेदारी है, जो हजारों छोटे किसानों के साथ मिलकर काम करती है. ऑर्गेनिक इंडिया चाय इन्फ्यूजन, हर्बल सप्लीमेंट, स्टैपल एंड पैकेज्ड फूड्स और पर्सनल केयर के साथ अन्य प्रोडक्ट बनाती है. बताया जाता है कि इस अधिग्रहण से हेल्थ और वेलनेस प्रोडक्ट का एक प्लेटफॉर्म तैयार होगा. इससे चाय, हर्बल सप्लिमेंट और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों सहित जैविक प्रोडक्ट्स के उत्पादन का रास्ता साफ होगा. बताया जाता है कि कंपनी टार्गेट कंपनी की 75 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने पर सहमत हो गई है. टार्गेट कंपनी की बाकी 25 प्रतिशत हिस्सेदारी तीन साल के भीतर ली जाएगी.

डील पक्की

- चिंग्स नूडल्स बेचने वाली कंपनी है कैपिटल फूड्स
- दोनों कंपनी के बीच डील 5100 करोड़ रुपए में हुई

ड्राइविंग सीट पर

इंडोनेशियाई राष्ट्रपति जोको विडोडो शनिवार को वियतनाम के हाई फोंग में विनग्रुप के अध्यक्ष और विनफ़ास्ट ग्लोबल सीईओ फाम न्हाट वुंग के दाईं ओर विनफ़ास्ट इलेक्ट्रिक कार चलाते हुए.

मैसों सिआ की सीईओ ने 116 करोड़ में खरीदा घर

एजेंसी। नयी दिल्ली

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में महंगे घरों की खरीद-बिक्री लगातार होती रहती है. अब जानकारी सामने आई है कि मैसों सिआ की सीईओ व्रतिका गुप्ता लगभग 116 करोड़ रुपये का घर खरीदा है. यह घर ओबरॉय थ्री सिक्सटी वेस्ट में खरीदा गया है, जो कि मुंबई के पॉश इलाके वर्ली में स्थित है. पिछले साल डी मार्ट के फाउंडर राधाकिशन दमानी ने इसी जगह पर 1238 करोड़ रुपये की डील की थी. इसके बाद वर्ली में स्थित ओबरॉय थ्री सिक्सटी वेस्ट चर्चाओं में आ गया था. व्रतिका गुप्ता मैसों सिआ नाम से लग्जरी होम डेकोर स्टोर चलाती हैं. उन्होंने 116.2 करोड़ रुपये खर्च करके यह सी व्यू लग्जरी होम खरीदा है. इसे साल 2024 की पहली 100 करोड़ रुपये से बड़ी हाउसिंग डील माना जा रहा है. 39 साल की व्रतिका गुप्ता का यह अपार्टमेंट 12,138 स्क्वायर फीट में फैला हुआ है. इंडेक्स टैप के अनुसार, इसकी कीमत 1 लाख रुपये प्रति स्क्वायर फीट आंकी गई है.

टीपीएफ भारत और अमेरिका के बीच हुई बैठक, साझा की चिंताएं, कहा-

कारोबारों को वीजा मिलने में देरी होना चिंताजनक

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत ने अमेरिका के साथ व्यापार नीति मंच (टीपीएफ) की बैठक में घरेलू कारोबारों को समय पर वीजा मिलने में आ रही दिक्कतों के बारे में अपनी चिंताएं साझा करते हुए अमेरिका से इस प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया है. शनिवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई. भारतीय कारोबारों को वीजा का मुद्दा शुक्रवार को यहां आयोजित 14वीं टीपीएफ बैठक के दौरान प्रमुखता से उठाया गया. इसकी सह-अध्यक्षता अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन तेई और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने की. वाणिज्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि दोनों मंत्रियों ने स्वीकार किया कि देशों के बीच पेशेवर और कुशल श्रमिकों, छात्रों, निवेशकों और व्यापारिक आगंतुकों की आवाजाही द्विपक्षीय आर्थिक और तकनीकी साझेदारी को बढ़ाने में काफी योगदान देती है.

बयान के अनुसार, गोयल ने वीजा प्रसंस्करण में लगने वाले समय की वजह से भारत से व्यापार आगंतुकों को पेश आ रही चुनौतियों पर प्रकाश डाला और अमेरिका से इस प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध किया. दोनों पक्षकारों ने भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने में पेशेवर सेवाओं की भूमिका को भी स्वीकार किया. उन्होंने कहा कि पेशेवर योग्यता और अनुभव की मान्यता से संबंधित मुद्दे सेवा व्यापार को सुविधाजनक बना सकते हैं. बयान के मुताबिक, दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने के लिए एक तंत्र स्थापित करने पर सहमत हुए हैं. बैठक में भारतीय पक्ष ने झींगे की एक किस्म श्रिम्प के निर्यात पर अमेरिका में लगा प्रतिबंध हटाने की भी मांग की क्योंकि इससे भारतीय मछुआरों और निर्यात पर असर पड़ रहा है.

खास बातें

- अमेरिका से इस प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया
- उद्योग मंत्री बोले-तकनीकी साझेदारी में मदद मिलेगी

रबी सत्र में मसुर दाल के रिकॉर्ड उत्पादन की उम्मीदः सचिव

एजेंसी। नयी दिल्ली

मौजूदा रबी सत्र में खेती का रकबा बढ़ने से मसूर की दाल का उत्पादन 16 लाख टन के साथ अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है. उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने यहां एक कार्यक्रम में यह अनुमान जताते हुए कहा कि इस साल मसूर दाल की पैदावार सबसे ज्यादा होने वाली है. आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 रबी सत्र में मसूर का उत्पादन 15.5 लाख टन था. सिंह ने शुक्रवार को ''ग्लोबल पल्स कन्फेडरेशन'' (जीपीसी) के कार्यक्रम में कहा, इस साल मसूर का उत्पादन अब तक के उच्चतम स्तर पर होने वाला है. हमारा मसूर उत्पादन दुनिया में सबसे ज्यादा होगा. इसका रकबा बढ़ गया है. दुनिया में दालों का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता होने के बावजूद, भारत घरेलू स्तर पर इसकी कमी को पूरा करने के लिए मसूर और तुअर सहित कुछ दालों का आयात करता है. चालू रबी सत्र में बढ़े हुए इलाके में मसूर की खेती की गई है. कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, चालू रबी सत्र में 12 जनवरी तक मसूर का कुल रकबा बढ़कर 19.4 लाख हेक्टेयर हो गया है, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 18.3 लाख हेक्टेयर था. उन्होंने कहा कि रबी फसल सत्र में मसूर का उत्पादन 16 लाख टन होने का अनुमान है. उन्होंने कहा कि देश में औसतन 2.6-2.7 करोड़ टन दालों का वार्षिक उत्पादन होता है.

ब्रीफ खबरें

ईवीएम डेमोस्ट्रेशन सेंटर का हुआ उद्घाटन

बहरागोड़ा। शनिवार को प्रखंड-सह-अचंल कार्यालय बहरागोड़ा में ईवीएम डेमोस्ट्रेशन सेंटर का शुभारंभ गलवान घाटी के वीर शहीद गणेश हांसदा की मां कापरा हांसदा के द्वारा किया गया. वे प्रखंड कार्यालय में कार्यरत हैं. इसके तहत ईवीएम व वीवीपेड संचालन जागरूकता कार्यक्रम किया जाना है. इसमें नागरिकों के द्वारा वोट डालकर कैसे मतदान होता है. इसकी जानकारी दी गई. ईवीएम व वीवीपेड क्या है, किस प्रकार सर्च करती है तथा मतदान कैसे होता है. इस बारे में बताया.

अहसीन स्कूल में वार्षिक खेलकूद का आयोजन

जमशेदपुर। अहसीन इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को वार्षिक खेलकूद दिवस-2023 मनाया गया. इस अवसर पर अतिथि के रूप में प्रो एम नज्म अंसारी उपस्थित थे. अहसीन फाउंडेशन के प्रबंध ट्रस्टी आसिफ महमूद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की. इस अवसर पर प्राचार्य डॉ अर्चना द्विवेदी ने अतिथियों और गणमान्य लोगों का स्वागत करते हुए स्कूल की खेल गतिविधियों और छात्रों की उपलब्धियों की एक संक्षिप्त रिपोर्ट साझा की.

एसबीआई ने बच्चियों में बांटा सेनेटरी पैड

आदित्यपुर। भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय जमशेदपुर द्वारा इंडियन वेलफेयर सोसायटी के सौजन्य से कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में छात्राओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण स्टेट बैंक के पदाधिकारियों द्वारा किया गया. सामग्री का वितरण करते हुए प्रबंधक कविता ने बताया कि महिलाओं को स्वच्छ और स्वस्थ बनाये रखने के लिए स्टेट बैंक ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के अन्तर्गत पूरे देश में मुहिम चला रही है.

मुड़ीया चर्च में क्रिसमस मिलन समारोह आयोजित

सिमडेगा। सदर प्रखंड के मुड़ीया चर्च में एवं कुरडेग केंदूटोली में पारिस स्तरीय क्रिसमस मिलन समारोह का आयोजन धूमधाम के साथ किया गया. दोनों ही स्थानों में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा उपस्थित थे. उनके साथ जिप सदस्य जोसिमा खाखा भी शामिल हुई. मुड़िया चर्च में फादर सुशील गुड़िया,फादर सुमन कुल्लू के द्वारा पवित्र मिस्सा बलिदान चढ़ाया गया. जबकि कुरडेग चर्च में फादर सुनील तिर्की ने मिस्सा बलिदान चढ़ाया.

वृद्ध और जरूरतमदों के बीच बांट गए वस्त्र

चक्रधरपुर। मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर शनिवार को मधुसूदन मेमोरियल एजुकेशनल सोसाइटी एवं सरस्वती देवी मेमोरियल एजुकेशनल ट्रस्ट के तत्वाधान में आसनतलिया पंचायत के वृद्ध एवं असहाय 180 महिलाओं और 60 पुरुषों के बीच नए वस्त्र का वितरण किया गया. साथ ही आनंद कुमार साह उर्फ हनुमान जी की ओर से गुड़-चूड़ा भी प्रदान किया गया. इस अवसर पर मुख्य रुप से विद्यालय के अध्यक्ष श्याम सुंदर महतो उपस्थित हुये. मौके पर उन्होंने संबोधित करते हुए.

ग्रामीणों के बीच बांटा गया पूजित अक्षत

पाकुड़। पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष बावुधन मुरमू के नेतृत्व में अयोध्या से आए पूजित अक्षत एवं पत्रक का वितरण किया गया. बावुधन ने पाकुड़ प्रखंड के पंचायत नबीनगर के बहिंग्राम गांव में कलश यात्रा एवं अक्षत वितरण का कार्यक्रम किया. वहीं सभी ग्रामवासियों को 22 जनवरी के दिन अयोध्या आने के लिए निमंत्रण दिया गया. साथ ही जो व्यक्ति अयोध्या श्री राम प्रभु के दर्शनार्थ नहीं आ सकते हैं, उन्हें घर में ही 22 जनवरी को दीपोत्सव कार्यक्रम करने एवं पास के मंदिरों में दीपावली मनाने को कहा.

पतंगबाजी प्रतियोगिता में नितेश बने विजेता

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर महाविद्यालय में समरसता खिचड़ी और पतंग उत्सव का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया. पतंग उत्सव प्रतियोगिता में नितेश उरांव ने प्रथम स्थान, अंकित उरांव ने द्वितीय स्थान और तृतीय स्थान प्रियांशु उरांव ने प्राप्त किया. पतंग उत्सव प्रतियोगिता में मोहित कुजूर, अंकित तिग्गा, अंशु साहू की सहभागिता रही.

मकर संक्रांति पर पर क्षेत्र में मनाए जाने वाले टुसू परब को लेकर लोगों ने तैयारियां पूरी कर ली है

टुसू परब के पहले हाट में खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़

दिलीप कुमार। चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में टुसू परब की धूम चारों ओर फैली है. मकर संक्रांति के अवसर पर क्षेत्र में मनाए जाने वाले टुसू परब को लेकर लोग अपनी तैयारियां पूरी कर ली है. पूरे क्षेत्र में चारों ओर गुड़ पीठा की सौंधी खुशबू फैली हुई है. रविवार को बांउड़ी है, इस दिन सभी के घरों में गुड़ का पीठा, मुढ़ी लड्डू, तिल लड्डू समेत अन्य प्रकार के पीठा और लजीज व्यंजन बनाया जाएगा.

विशेष पकवानों को बनाने के बाद मकर संक्रांति के दिन नदी किनारे मेला पूरे क्षेत्र के लोग एक साथ बैठकर पकवानों को एक-दूसरे को खिलाएंगे और खुद भी खाएंगे. वहीं टुसू परब को लेकर शुक्रवार और शनिवार को लोगों ने जमकर खरीदारी की. लोग अपनी जरूरत के हिसाब से सामग्री खरीदारी की. इधर टुसू परब के पहले लगने वाले परब हाट में खरीदारी करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी. बाजार के अलावा क्षेत्र में लगने वाले साप्ताहिक हाट में लोगों गुड़, तिल, तेल, मिट्टी के बर्तन, कपड़ा, जूता-चप्पल समेत परब में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की जमकर खरीदारी की. मालूम हो कि इस वर्ष टुसू परब 15 जनवरी को मनाया जाएगा. मकर संक्रांति के दिन लोग पवित्र नदियों में डुबकी लगाकर दान-पुण्य करेंगे और अपने आराध्यदेव के दर्शन-पूजन कर पकवान खाएंगे. वहीं सरायकेला-खरसावां जिले के सबसे बड़े साप्ताहिक हाट कुकड़ू में टुसू परब को लेकर लोगों ने जमकर खरीदारी की. कुकड़ू हाट में चौड़ल भी खूब बिके. ग्रामांचलों के लोगों ने अपने बच्चों और सखी मंडलों के लिए चौड़ल की खरीदारी की. हाट में पहले की अपेक्षा कम टुसू यानि चौड़ल देखने को मिला. बिक्री के लिए जो भी चौड़ल कुकड़ू हाट में लाया गया था वह साइज में छोटा था.

साढ़े सात करोड़ की लागत से चांडिल बाईपास सड़क की होगी मरम्मत

नये सिरे से होगी सड़क की मरम्मत : संजय सेठ

संवाददाता। चांडिल

बोले सांसद

- एनएच 32 पर 11.6 किमी सड़क की मरम्मत होगी
- सड़क की मरम्मति 45 दिनों के अंदर किया जाना है
- चांडिल गोलचक्कर से जामडीह तक बदहाल हो चुकी है सड़क

चांडिल गोलचक्कर से जामडीह तक बदहाल हो चुकी राष्ट्रीय राजमार्ग 32 का मरम्मत कार्य का शिलान्यास रविवार को सांसद संजय सेठ व विधायक सविता महतो ने नारियल फोड़कर किया. चांडिल की जनता का बहुप्रतीक्षित मांग अब पूरी होती दिखाई दे रही है. एनएच 32 के इस 11.6 किमी लंबे हिस्से की मरम्मत 7 करोड़ 36 लाख रुपये की लागत से होगी. सांसद संजय सेठ व विधायक सविता महतो ने विधिवत पूजा-अर्चना करने के बाद मंत्रोच्चारण के बीच नारियल फोड़कर मरम्मति कार्य का शिलान्यास किया. इसके साथ ही अब ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के चांडिल की जीवन रेखा कही जाने वाली उक्त सड़क की बदहाली दूर होने वाली है. इस अवसर पर सांसद संजय सेठ ने कहा कि चांडिल बाईपास सड़क रेलवे की जमीन पर बना है. पहले रेलवे ने सड़क बनाने की सहमती दी. इसके बाद रेलवे ने ही पहले सड़क भी बनाकर दी. रेलवे ने सड़क बनाकर इसे एनएचएआई को सौंप दिया था. संवेदक द्वारा निर्माण कार्य में गुणवत्ता में कमी और निम्न स्तर का सामग्री इस्तेमाल के कारण सड़क जल्द ही बहदाल हो गई थी. अब नए सिरे से एनएचएआई की ओर से सड़क की मरम्मति का काम करवाया जाएगा. इससे लोगों को आवागमन में सहुलियत होगी. सांसद ने स्थानीय राजनीतिक दलों के नेता, कार्यकर्ता व आम लोगों को सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निगरानी करने की अपील की ताकि सड़क का निर्माण अच्छी हो सके. उन्होंने कहा कि एनएचएआई को 45 दिनों के अंदर सड़क की मरम्मति पूरी करने के लिए कहा है. चांडिल गोलचक्कर से जामडीह तक बदहाल हो चुकी राष्ट्रीय राजमार्ग 32 पर आवागमन राहगीरों की परेशानी का सबब बन गया था. चांडिल की उक्त महत्वपूर्ण सड़क जमशेदपुर, सरायकेला, चाईबासा को धनबाद, बोकरो, पुरुलिया समेत पश्चिम बंगाल के कई बड़े शहरों को जोड़ती है. खस्ताहाल सड़क के कारण आए दिन वाहन खराब होती थी, जिसके कारण सड़क जाम की स्थिति बनी रहती थी. सड़क के बनने से अब लोगों को आवागमन करने में परेशानी नहीं होगी. शिलान्यास कार्यक्रम में मधुसुदन गोराई, दिवाकर सिंह, विशाल चौधरी, सारथी महतो, झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण किशोर महतो समेत के कई नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे.

जिप सदस्य ने नाली निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

घाटशिला। गोपालपुर पंचायत के दाहीगोड़ा आइसक्रीम फैक्ट्री के समीप नाली निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर शनिवार को घाटशिला जिला परिषद सदस्य कर्ण सिंह ने शिलान्यास किया. जिला पार्षद मद से एके मिश्रा के घर से लेकर लखन रेवनी का घर तक 6 लाख 20 हजार की लागत से 480 फीट नाली निर्माण किया जाना है. संवेदक मेसर्स मनीष कंस्ट्रक्शन के द्वारा कार्य किया जा रहा है. इस मौके पर जिला पार्षद कर्ण सिंह ने कहा कि नाली नहीं रहने के कारण सड़क पर पानी जमा हो जाता था और राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानी होती थी. बरसात के दिनों में समस्या और बढ़ जाती थी. उन्होंने कहा की इस क्षेत्र में और भी कई समस्याएं है जिनका शीघ्र ही समाधान किया जाएगा. इस मौके पर पंसस चंदना महाकुड़, सुशील कुमार प्रसाद, मनीष बाल्मिकी, आदित्य कुमार, साहिल आनंद, एके मिश्रा, राम सागर चौधरी, राजू शर्मा, जयमंती देवी, लीला देवी, संजू देवी, ज्योति देवी, ममता देवी, संकुलता देवी, हर्ष रॉय, अभिषेक शुक्ला, ऋषभ शाह, प्रियांशु चौधरी, सोनू सिंह राजपूत समेत अन्य लोग मौजूद थे.

युवाओं को नशा से दूर रहना है: कर्नल विनय

घाटशिला। देश में बढ़ते साइबर अपराध एवं नशा सेवन से अपने समाज के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बचाने के उद्देश्य से घाटशिला कॉलेज की एनसीसी इकाई द्वारा कशिदा पंचायत के चेंगजोड़ा गांव में एकदिवसीय जागरुकता अभियान चलाया गया. इस अभियान का उद्घाटन 37, झारखंड बटालियन एनसीसी के कमांडिंग अधिकारी कर्नल विनय आहूजा, जिला पार्षद देवयानी मुर्मू एवं प्राचार्य डॉ आर के चौधरी ने बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण किया. मुख्य अतिथि कर्नल विनय आहूजा ने कहा कि मोबाइल एवं लैपटॉप के सुरक्षित प्रयोग से ही साइबर अपराध से बचा जा सकता है. कहा कि क्रेडिट कार्ड को एक्टिव करने, लिमिट बढ़ाने, बंद करवाने संबंधित मैसेज आने पर ओटीपी किसी को नहीं दें.

ट्रस्ट बाल तस्करी पर काम कर रही है: शंकर

महुदा। झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के प्रधान कार्यालय कंचनपुर में रविवार को कार्यकर्ताओं की समीक्षा बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता पूनम वर्मा ने की. बैठक में कार्यकर्ताओं द्वारा ग्राम स्तर में कर रहे कार्यों का समीक्षा किया गया तथा बाल विवाह रोकथाम सर्वेक्षण कार्य को ससमय पुरा करने पर जोर दिया गया. बैठक को सम्बोधित करते हुए हुए झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के संस्थापक शंकर रवानी ने कहा कि बाल विवाह मुक्त भारत निर्माण के लिए झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन के सहयोग से धनबाद जिला के 150 गांव में सघन कार्य कर रही है. फिल्ड मोबलाइजर घर घर में जाकर घर के प्रत्येक सदस्यों को बाल विवाह से होने वाले अपराधों के बारे में जानकारी दें रहे है. लोगों को जागरूक कर रहे हैं.

लातेहार में अप्रैल-सितंबर तक 102 जगहों पर हुई छापेमारी

आशीष टैगोर। लातेहार

जिला खनन विभाग ने पिछले अप्रैल माह से सितंबर माह तक जिले में अवैध रूप से खनिजों का उत्खनन, परिवहन और भंडारण करने वालों पर कई बड़ी कार्रवाई की है. इस दौरान खनन विभाग ने कुल 102 स्थानों पर भौतिक व स्थलीय जांच की. शुभम संदेश से बातचीत करते हुए जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार ने बताया कि इस दौरान अवैध खनन और परिवहन में शामिल 47 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गयी है. नियमों का उल्लंघन करते हुए खनिज की ढुलाई करने वाले 356 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई. उनसे अर्थदंड वसूला गया.

माह अप्रैल 2023 से माह दिसंबर 2023 के बीच नियम का उल्लंघन कर खनन कार्य करने वाले, खनिज का परिवहन करने वाले लोगों से कुल 54 लाख 75 हजार रुपए की वसूली की गयी. डीएमओ ने बताया कि लातेहार डीसी ने पदाधिकारियों को अवैध खनन रोकने के लिए पूरी तत्परता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया है.

करीम सिटी कॉलेज में वेबिनार का आयोजन

जमशेदपुर। करीम सिटी कॉलेज के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में शनिवार को एक वेबिनार हुआ. वेबिनार का विषय था-मैनेजमेंट : द रोड अहेड. इसमें जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली प्रो (डॉ) आफताब आलम रिसोर्स पर्सन थे. उन्होंने मैनेजमेंट विषय पर विस्तार पूर्वक अपनी बात पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से रखी. प्रो आलम ने बताया कि मैनेजमेंट क्या है तथा भविष्य में इसका स्वरूप क्या होगा. उन्होंने कहा कि समय तेजी से बदल रहा है, सारी ऑफलाइन व्यवस्थाएं ऑनलाइन व्यवस्था में परिवर्तित होती जा रही हैं. आने वाले दिनों में हमारे समक्ष एक डिजिटल कल्चर होगा, परंतु टीमवर्क की अहमियत आज भी है और कल भी रहेगी. कार्यक्रम के आरम्भ में बीबीए की छात्रा ऑफीफा जमा ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया. प्राचार्य डॉ मोहम्मद रेयाज ने स्वागत भाषण किया. कार्यक्रम का डॉ आफताब आलम ने संचालन किया.

दलमा में ले सकेंगे अब केएनओपी ब्रिज का मजा

संवाददाता। जमशेदपुर

दलमा वन्य अभ्यारण्य में अब सैलानी केएनओपी ब्रिज का भी मजा ले सकते हैं. वन विभाग इसका निर्माण कार्य करवा रहा है. इसका निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है. जनवरी माह के अंत तक इसके शुरु होने की संभावना है. फिल्हाल केएनओपी ब्रिज की लंबाई 100 मीटर होगी. बाद में इसे और बढ़ाया जा सकता है. लकड़ी के इस ब्रिज का निर्माण पेड़ों के सहारे कराया जा रहा है. इसकी ऊंचाई 15 फीट है. वुडेन ब्रिज पर चढ़ कर लोग प्रकृति का मजा ले सकेंगे. इसके साथ ही पेड़ों पर रहने वाले पशु-पक्षियों को भी पास से देखने मिलेगा. इस वुडेन ब्रिज के लिए लोगों को 250 रुपये चुकाने होंगे. एक साथ पांच लोगों को ब्रिज पर चढ़ने की इजाजत दी जाएगी. इस ब्रिज पर चढ़ लोगों को पेड़ पर चलने का एहसास होगा. मार्च से लेकर सितंबर तक ब्रिज बंद रहेगा. क्योंकि इस वक्त पक्षियों के ब्रिडिंग का समय होता है. अक्टूबर माह से फरवरी माह तक लोगों के लिए वुडेन ब्रिज खुला रहेगा.

पुनर्गठन राष्ट्रीय युवा दिवस पर अभाविप जमशेदपुर महानगर की नवीन इकाई की घोषणा हुई

अभाविप महानगर इकाई के अध्यक्ष बने डॉ विनय

संवाददाता। जमशेदपुर

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर अभाविप जमशेदपुर महानगर की नवीन इकाई की घोषणा की गई. जिसमें अध्यक्ष डॉ विनय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष डॉ भूषण सिंह, डॉ दुर्गा तामसे, डॉ दीपांजय श्रीवास्तव, डॉ आलोक कुमार, महानगर मंत्री यश अग्रहरि, महानगर सह मंत्री अभिषेक कुमार, प्रीति डांगर, शुभम राज, अभिजीत ठाकुर, महानगर कार्यालय मंत्री अभिजीत कुमार, महानगर एसएफडी प्रमुख ऋषभ कुमार, सह एसएफडी प्रमुख रोशनी कुमारी, एसएफएस प्रमुख पीयूष राज, सह एसएफएस प्रमुख ज्योति पहाड़ी, राष्ट्रीय कला मंच प्रमुख श्रुति कुमारी, सह प्रमुख मुस्कान कुमारी, महानगर खेलकूद प्रमुख दीपक ठाकुर, महानगर थिंक इंडिया संयोजक गौरव आनंद, सोशल मीडिया संयोजक शुभम सिंह, इंडी जीनियस संयोजक नेहा झा, महानगर प्लस टू प्रमुख आयुष कुमार, महानगर कार्यकारिणी सदस्य के रुप में अनूप पांडे, सौरभ कुमार ठाकुर, पायल साहू, प्रतिभा कुमारी, कशिश कुमारी व दिव्या कुमारी के नाम की घोषणा की गई है.

घोषणा के उपरांत नवनिर्वाचित महानगर अध्यक्ष डॉ विनय कुमार सिंह ने संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने उन्हें योग्य समझा इसके लिए संगठन के सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद. अभाविप ही दुनिया का इकलौता ऐसा छात्र संगठन है जो शिक्षकों के मार्गदर्शन में अपने कार्य को गति देता है. जिस संगठन में शिक्षक प्रमुख दायित्व में होते हैं वह संगठन अनुशासनात्मक तरीके से कार्य करता है. नवनिर्वाचित महानगर मंत्री यश अग्रहरि ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महानगर मंत्री के दायित्व का निर्वहन करते हुए संगठन के कार्य को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे. साथ ही विद्यार्थियों को होने वाले समस्याओं का समाधान के लिए सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर संघर्ष करेंगे और अभाविप जमशेदपुर महानगर छात्र हित, समाज हित व राष्ट्र हित में बढ़-चढ़ कर कार्य करेगा. कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. मौसमी पॉल, डॉ कमलेश कुमार कमलेंदू, बापन घोष, नेहा कुमारी, शुभम सिंह, अनूप पांडे सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

आओ जानें सामान्य ज्ञान

- सामान्य ज्ञानहम्पी नगर किस राज्य से संबंधित है – **विजयनगर**
- वो पौधे जो फल नहीं देता है, बीज देता है – **साइकैस**
- गर्मी के दिनों में असम राज्य में चलने वाली हवा – **नॉर्वेस्टर**
- अकबर ने कब दिन-ए-इलामी धर्म चलाया था – **1582 ई**
- सर्वाधिक न्यूनतम ज्वलनशील रेशा – **कपास सूत**
- भारत मालदीव से कितने सैनिकों को वापस बुलाएगा – **75**
- भारत में किस तरह की अर्थव्यवस्था है – **मिश्रित अर्थव्यवस्था**
- काली चाय का सबसे बड़ा उत्पादक देश – **भारत**
- हर्ष ने घाटों पर कौन सा कर लगाया था – **खेवा कर**
- सांग कहां का लोक नृत्य है – **हरियाणा**

न्यूज अपडेट

मृत छात्र राम का शव भारत लाया जाएगा : मधु कोड़ा

नोवामुंडी। विदेश मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मृतक छात्र राम कुमार रावत का शव इटली से भारत तुरंत लाया जाएगा. मृतक परिवार के प्रति हमारी पूरी हमदर्दी है. गुवा की घटना मर्माहत करने वाली है. उक्त बातें पूर्व मुख्य मंत्री मधु कोड़ा ने कही. उन्होंने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम हो चुका है. शव का डिस्पैच इटली से भारत किया जा रहा है. बताया जाता है कि गुवा के छात्र राम कुमार रावत के एकाएक इटली में निधन की सूचना मिलने पर पूरा परिवार में मातम छाया हुआ है. ज्ञात हो कि गुवा के मृतक छात्र राम कुमार राउत अत्यंत मेधावी एवं कुशाग्र बुद्धि का छात्र था.

हार से निराश नहीं होना है: डॉ राजेंद्र भारती

सुकेश कुमार। चाईबासा कोल्हान विश्विद्यालय (केयू) द्वारा अन्तर महाविद्यालय दो दिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का समापन शनिवार को बिरसा मुंडा इनडोर स्टेडियम में हुआ. यह प्रतियोगिता ज्ञानचंद जैन कॉमर्स कॉलेज द्वारा आयोजित की गई थी. पुरुष और महिला वर्ग की प्रतियोगिता में महिला वर्ग के फाइनल में टाटा कॉलेज की टीम ने ज्ञानचंद जैन कॉमर्स कॉलेज की महिला टीम को हरा कर ट्रॉफी अपने नाम की. इसी तरह पुरूष वर्ग के फाइनल में वर्कर्स कॉलेज जमशेदपुर ने करीम सिटी कॉलेज जमशेदपुर को हरा कर ट्रॉफी पर कब्जा किया.

खेलकूद से शरीर स्वस्थ्य रहता है: जेबी तुबीद

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर के रेलवे क्षेत्र स्थित हरिजन बस्ती के रेड फोर्ट मैदान में शनिवार को भगेरिया फाउंडेशन के तत्वाधान में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस खेलकूद प्रतियोगिता में खासकर हरिजन बस्ती के बच्चों ने हिस्सा लिया. जहां मुख्य रुप से भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता सह सरायकेला-खरसावां प्रभारी जेबी तुबीद, पूर्व मंत्री बड़कुंवर गागराई,पूर्व विधायक शशिभूषण सामड, रांची रिम्स के डॉक्टर मनोज कुमार कोड़ाह,भाजपा नेता विजय मेलगांडी, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश सदस्य मालती गिलुवा व गिरिराज सेना के संरक्षक उमाशंकर गिरि उपस्थित थे.

भाजपा ने अमृत भारत ट्रेन को हाईजैक कर लिया: झामुमो

पाकुड़। अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का पाकुड़ रेलवे स्टेशन में ठहराव की घोषणा के बाद भव्य समारोह के साथ शुभारंभ की तैयारी चल रही है. वहीं कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र भी बांटे जा रहे हैं. लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा के स्थानीय सांसद एवं मंत्री सह विधायक को आमंत्रण नहीं मिलने से कांग्रेस एवं झामुमो ने नाराजगी जाहिर की. झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्याम यादव ने एवं कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष बुलाई सरकार ने भाजपा पर निशाना साधा. उन्होने आने वाले समय में झारखंड से कोयला और पत्थर को बाहर जाने पर रोक लगाने की बात कही.

योग्य बच्चियों को योजना का लाभ दिलायें: डीसी

साहिबगंज। शनिवार को उपायुक्त राम निवास यादव की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में बाल विकास परियोजना के कार्यों से संबंधित वर्चुअल बैठक आयोजित की गई. वहीं ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी सीडीपीओ एवं महिला पर्यवेक्षिका जुड़ी रहीं. जबकि उप विकास आयुक्त प्रभात कुमार बरदियार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन गुप्ता कार्यालय कक्ष में उपस्थित थीं. उपायुक्त रामनिवास यादव ने सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आंगनबाड़ी केंद्रों में बिजली कनेक्शन, आंगनबाड़ी केंद्र में जमीन उपलब्धता एवं भवन निर्माण, पोषण ट्रैकर एप, पोषाहार भुगतान, मानदेय भुगतान एवं मुख्यमंत्री कन्यादान योजना की बिंदुबार समीक्षा की. प्रधानमंत्री वंदना योजना की समीक्षा के क्रम में बताया कि 02 जनवरी से 16 जनवरी तक योजना में प्रगति के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है. इसी संदर्भ में उपायुक्त ने संबंधित सीडीपीओ से प्रखंडवार जानकारी ली. उन्होंने सीडीपीओ को निर्देश देते हुए कहा कि विशेष अभियान के दौरान प्रति आंगनबाड़ी पांच पांच आवेदन जनरेट करना सुनिश्चित करें.

पुलिस को सतर्क रहने की जरूरत है: एसपी

साहिबगंज। पुलिस लाइन के पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सीसीटीएनएस कक्ष में शनिवार को मासिक अपराध नियत्रंण गोष्ठी हुई. इसकी अध्यक्षता पुलिस कप्तान कुमार गौरव ने की. अपराध गोष्ठी में पुलिस कप्तान कुमार गौरव ने सभी थाना प्रभारियों को संबोधित करते हुए अपराध नियंत्रण गोष्ठी सम्बंधी टिप्स दिए. उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहने की ज़रूरत है.

पेज एक का शेष

राहुल गांधी की भारत जोड़ो...

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, पहले कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, जो देश की राजनीति के लिए परिवर्तनकारी क्षण लेकर आयी. पहला कदम भारत जोड़ो यात्रा था और दूसरा कदम भारत जोड़ो न्याय यात्रा है. रमेश ने दावा किया, आजकल प्रधानमंत्री देश को अमृतकाल के सुनहरे सपने दिखा रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि पिछले 10 साल अन्याय काल निकले. अन्याय काल की कोई बात नहीं होती, सिर्फ अमृतकाल की बड़ी बड़ी बातें होती हैं. उनका कहना था कि यह यात्रा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अन्याय के खिलाफ है। रमेश ने कहा, संविधान की बुनियाद न्याय है, इसलिए भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाली जा रही है. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह एक राजनीतिक पार्टी की यात्रा है, लेकिन यह वैचारिक यात्रा है, चुनावी यात्रा नहीं है. कांग्रेस नेता ने कहा, आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हम एक ऐसी विचारधारा का सामना कर रहे हैं, जो ध्रुवीकरण करने वाली, अमीरों को और अमीर बनाने की बात करने वाली है तथा राजनीतिक तानाशाही में विश्वास करती है. उन्होंने आरोप लगाया, आज संविधान और संसद को नजरअंदाज किया जा रहा है. आज लोकतंत्र कम, एक तंत्र ज्यादा है. यह एक ही व्यक्ति का तंत्र है.

ऑकलैंड क्लासिक

एलेजांद्रो टेबिलो ने अपने कॅरियर का पहला एटीपी खिताब जीता

भाषा। ऑकलैंड (न्यूजीलैंड)

एलेजांद्रो टेबिलो ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां टारो डेनियल को सीधे सेटों में हराकर एटीपी ऑकलैंड क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता. टेबिलो ने डेनियल को फाइनल में 6-3, 7-5 से पराजित करके अपने करियर का पहला एटीपी खिताब जीता. टेबिलो क्वालीफाइंग दौर के दो और मुख्य ड्रॉ में तीन मैच जीतकर फाइनल में पहुंचे थे. इस बीच क्वार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त कैमरन नोरी के कलाई की चोट के कारण हट जाने से भी उनको फायदा मिला. उन्होंने सेमीफाइनल में छठी वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को हराकर अपने दूसरे एटीपी फाइनल में जगह बनाई थी. दोनों खिलाड़ी अब ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेंगे, जहां डेनियल पहले दौर में क्रिस यूबैंक्स से और टैबिलो अमेरिकी क्वालीफायर अलेक्जेंडर कोवासेविच से भिड़ेंगे.

टेबिलो ने टारो को सीधे सेटों में हराया

6-3, 7-5

से टेबिलो ने दर्ज की जीत

02 घंटे 48 मिनट तक चला एम्मा और एलिस के बीच मुकाबला

6-1, 4-6, 7-5 से एम्मा ने दर्ज की जीत

होबार्ट इंटरनेशनल : एम्मा नवारो बनी चैंपियन

होबार्ट। अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने शनिवार को यहां संघर्षपूर्ण फाइनल में दो बार की चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त एलिस मर्टेंस को हराकर होबार्ट इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता. पहली बार किसी डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के फाइनल में खेल रही नवारो ने मर्टेंस को तीन सेट में 6-1, 4-6, 7-5 से हराकर जीत हासिल की. यह मैच दो घंटे 48 मिनट तक चला. इस तरह से अमेरिका की किसी खिलाड़ी ने लगातार दूसरे साल इस प्रतियोगिता का खिताब जीता. पिछले साल अमेरिका की ही लॉरेन डेविस यहां चैंपियन बनी थी. नवारो को ऑस्ट्रेलियाई ओपन में 27वीं वरीयता दी गई है और उनका पहला मुकाबला चीन की वांग जियू से होगा. मर्टेंस को 25वीं वरीयता दी गई है और वह पहले दौर में मिस्र की मेयर शेरिफ से भिड़ेगी.

ब्रीफ खबरें

बीसीबी का अध्यक्ष पद छोड़ेंगे नजमुल

ढाका। नजमुल हसन आम चुनाव में जीत के बाद खेल मंत्री बनाए जाने के कारण बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का अध्यक्ष पद छोड़ देंगे. नजमुल 2012 से बीसीबी के अध्यक्ष हैं. उन्होंने 7 जनवरी को हुए चुनाव में किशोरगंज-6 से जी दर्ज की थी और इसके चार दिन बाद उन्हें युवा एवं खेल मंत्री पद सौंपा गया. इसके बाद उनके वर्तमान पद से हटने की संभावना है. नजमुल ने कहा कि मैं दोनों पदों पर बने रह सकता हूं. मंत्री पद हासिल करने और बीसीबी के पद से हटने के बीच कोई संबंध नहीं है क्योंकि पहले भी कई मंत्री इस तरह की भूमिकाएं निभा रहे थे.

फॉर्मूला ई से जुड़ने का यह सही समय : जेहान

मैक्सिको सिटी। भारतीय रेसर जेहान दारूवाला को इस बात का खेद नहीं है कि उन्होंने फॉर्मूला वन में जगह बनाने के लिए जूनियर सीरीज में कुछ अतिरिक्त वर्ष लगाए और उन्होंने कहा कि यह फार्मूला ई से जुड़ने का सही समय है. जेहान ने चार साल फार्मूला 2 में रेड बुल जूनियर टीम का हिस्सा रहने के बाद अब फॉर्मूला ई की तरफ रुख किया है. वह फॉर्मूला वन में जगह बनाने में नाकाम रहे. फॉर्मूला 2 में समय बिताने के बाद वह एक साल तक फॉर्मूला ई में महिंद्रा रेसिंग के साथ रिजर्व ड्राइवर रहे. जेहान ने यहां फार्मूला ई रेस से पहले कहा कि हां अब सब कुछ भिन्न है.

जुरेल मेहनत से पीछे नहीं हटते हैं : संगकारा

पार्ल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो मैच के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किये गये ध्रुव जुरेल की उत्कृष्टता हासिल करने के लिए मेहनत करने की ललक से प्रभावित हैं. उत्तर प्रदेश के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने आईपीएल के पिछले सत्र में सुर्खियां बटोरी थी. संगकारा ने कहा कि मैं बहुत गौरवान्वित और खुशी महसूस कर रहा हूं क्योंकि आईपीएल में हमारे प्रदर्शन का संकेत इस बात से भी मिलता है कि हम भारत के लिए खिलाड़ी तैयार कर रहे हैं.

दूसरा टी 20

भारत और अफगानिस्तान के बीच इंदौर में मुकाबला आज

शृंखला जीतने उतरेगा भारत

भाषा। इंदौर

अफगानिस्तान के खिलाफ शृंखला में जीत को अब भी क्रिकेट की बड़ी उपलब्धियां में नहीं गिना जाएगा लेकिन भारत के कुछ खिलाड़ी रविवार को यहां होने वाले दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इसे हासिल करने के लिए बेताब होंगे, ताकि वह टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए दावा मजबूत कर सकें. भारत ने मोहाली में खेले गए पहले मैच में 6 विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैच की शृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई. ऐसे में जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ियों के लिए यह अनिवार्य हो गया है कि वह अफगानिस्तान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करके चयनकर्ताओं की नजर में बने रहें जिनका लक्ष्य टी-20 विश्व कप के लिए अदद टीम का चयन करना है.

- भारत ने मोहाली में खेले गए पहले मैच में अफगानिस्तान को 6 विकेट से हराया था, शृंखला में 1-0 से आगे है भारत

विराट कोहली की इस मैच में होगी वापसी

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा

- जितेश ने ईशान किशन को पीछे छोड़कर विकेटकीपर बल्लेबाज की दौड़ में खुद को आगे कर दिया है

भारतीय टीम के युवा खिलाड़ियों को परखने के लिए महत्वपूर्ण होगा मैच

भारतीय टीम को जून में होने वाले विश्व कप से पहले कोई अन्य टी-20 शृंखला नहीं खेलनी है और ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन काफी मायने रखता है. साथ ही भारतीय टीम पास युवा खिलाड़ियों को परखने के लिए यह मैच काफी महत्वपूर्ण होगा. जितेश ने ईशान किशन को पीछे छोड़कर विश्व कप के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज की दौड़ में खुद को आगे कर दिया है. उन्होंने निचले मध्यक्रम में कुछ उपयोगी पारियां खेली हैं और वह अपना दावा पक्का करने के लिए बड़ी पारियां खेलने की कोशिश करेंगे. तिलक वर्मा का मामला भी ऐसा ही है. उन्होंने पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैच की शृंखला में 39, 51 और नाबाद 49 रन बनाकर शानदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद वह अगली 13 पारियों में केवल एक अर्धशतक लगा पाए. इस 21 वर्षीय बल्लेबाज के लिए यह आंकड़े पर्याप्त नहीं होंगे और उन्हें बड़ी पारी खेलने की जरूरत है. हालांकि यह देखना होगा कि वह अंतिम एकादश में जगह बना पाते हैं कि नहीं क्योंकि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पहले मैच में नहीं खेल पाने के बाद इस मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे. चोटिल होने के कारण वनडे विश्व कप में नहीं खेल पाने वाले अक्षर अब सीमित ओवरों ही नहीं बल्कि टेस्ट मैचों में खेलने के लिए भी तैयार है.

बल्लेबाजी के लिए अनुकूल होगी इंदौर की पिच

इंदौर की पिच अक्सर बल्लेबाजों के अनुकूल रही है, एसे में इस मैच के लिए भी बल्लेबाजों को काफी मदद मिलेगी. जितेश और तिलक वर्मा मौका मिलने पर विश्व कप की दावेदारी पेश करने के लिए फायदा उठाना होगा. भारतीय टीम अफगानिस्तान को हल्के से लेने की गलती नहीं करेगी क्योंकि उसके पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं. युवा रहमानुल्लाह गुरबाज, अजमतुल्लाह उमरजई और अनुभवी मोहम्मद नबी किसी भी तरह के गेंदबाजी आक्रमण को तहस नहस करने की क्षमता रखते हैं. गेंदबाजी विभाग में स्टार स्पिनर राशिद खान की अनुपस्थिति के बावजूद अफगानिस्तान के पास मुजीब उर रहमान जैसा उपयोगी स्पिनर है.

टीमें

भारत

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार.

अफगानिस्तान

इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), हजरतुल्लाह जजई, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, करीम जनत, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, मुजीब उर रहमान, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद, नवीन उल हक, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम, क़ैस अहमद, गुलबदीन नायब, राशिद खान.

मौजूदा दौर के बल्लेबाजों में धैर्य की कमी : कैलिस

भाषा। पार्ल (दक्षिण अफ्रीका)

दक्षिण अफ्रीका के महान क्रिकेटर जैक कैलिस का मानना है कि मौजूदा दौर के बल्लेबाजों में धैर्य की कमी है और टेस्ट मैचों में मुश्किल परिस्थिति में रक्षात्मक बल्लेबाजी की जगह आक्रामक बल्लेबाजी करना पसंद करते है. सचिन तेंदुलकर के बाद सबसे ज्यादा टेस्ट शतक (45) लगाने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि इस बात पर अभी विचार जारी है कि मौजूदा समय के बल्लेबाजों का यह रवैया सही है या गलत. केपटाउन में तेज गेंदबाजों की मददगार पिच पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत का टेस्ट मैच दो दिन के अंदर ही 106 ओवरों में ही खत्म हो गया था. कैलिस से जब पूछा गया कि क्या बल्लेबाजों के अत्यधिक आक्रामक हो जाने से टेस्ट मैच परिदृश्य बदल गया है. उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह बदल गया है.

अगर पिच से गेंदबाजों को थोड़ी सी भी मदद मिलती है तो बल्लेबाज धैर्य देखना पसंद नहीं करते है. अपने समय के सर्वश्रेष्ठ हरफनमौला खिलाड़ियों में शामिल कहा कि पहले बल्लेबाज उस उस दौर से उबरने के लिए धैर्य से बल्लेबाजी करते थे लेकिन इस दौर के खिलाड़ी बड़ा शॉट खेल कर दबाव से पार पाना चाहते है. यह अच्छा या बुरा यह तो समय तय करेगा.

एशियाई कप में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 2-0 से हराया

18 को उज्बेकिस्तान से भिड़ेगी भारतीय टीम

भाषा। रेयान (कतर)

भारत ने शनिवार को यहां एएफसी एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के शुरूआती ग्रुप मैच में 50वें मिनट तक मजबूत आस्ट्रेलियाई टीम को गोल नहीं करने दिया लेकिन अंत में उसे 2-0 से हार का सामना करना पड़ा. ऑस्ट्रेलिया के लिए ग्रुप बी के इस मैच में जैक्सन इरविन ने 50वें और जोर्डन ब्रोस ने 73वें मिनट में गोल दागा. भारत 18 जनवरी को दूसरे मैच में उज्बेकिस्तान से भिड़ेगा.

भारत ए व इंग्लैंड लायंस के बीच मैच ड्रॉ

भाषा। अहमदाबाद

रजत पाटीदार ने 111 रन की शानदार पारी खेली लेकिन सरफराज खान चार रन से शतक चूक गये जिससे भारत 'ए' और इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो दिवसीय अभ्यास मैच में शनिवार को अपनी पहली पारी में बड़ी बढ़त के साथ मैच ड्रॉ कराया. इंग्लैंड लायंस के 233 रन के जवाब में भारत ए ने दूसरे दिन मैच की समाप्ति तक अपनी पहली पारी में आठ विकेट पर 462 रन बनाये. भारत ए की टीम इस समय 229 रन से आगे थी. भारतीय टीम ने दिन की शुरुआत एक विकेट पर 123 रन की लेकिन उसने जल्द ही प्रदोष रंजन पॉल (21) का विकेट गंवा दिया. पाटीदार और सरफराज (96) ने इसके बाद तीसरे विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी की. इस साझेदारी को कैलम पार्किंसन ने पाटीदार को आउट कर तोड़ा. पाटीदार ने अपनी पारी में 18 चौके और एक छक्का लगाया था. सरफराज को इसके बाद कोना भरत (64) के साथ अच्छा साथ मिला और दोनों ने चौथे विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी कर भारत को मजबूत बढ़त दिला दी.

खास बातें

- पहली पारी में बड़ी बढ़त के साथ भारत ने ड्रॉ कराया मैच
- 233 रन के जवाब में भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए

विजयवीर सिद्धू ने हासिल किया ओलंपिक कोटा

भाषा। जकार्ता

भारत के विजयवीर सिद्धू ने शनिवार को यहां एशिया ओलंपिक क्वालीफायर की पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश को 17वां पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया. इस तरह वह 25 मीटर रैपिड फायर में पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाकर सीनियर साथी अनीश भानवाला के साथ शामिल हो गये. अनीश ने पिछले साल कोरिया के चांगवान में एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर इस स्पर्धा का ओलंपिक कोटा हासिल किया था.

पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में टीम कांस्य पदक विजेता 21 वर्ष के विजयवीर को कोटा हासिल करने के लिए पदक जीतने का इंतजार नहीं करना पड़ा. उन्होंने 577 के स्कोर से चौथे स्थान से फाइनल में क्वालीफाई करते ही कोटा हासिल कर लिया था. शनिवार को फाइनल में पहुंचने वाले छह में से चार निशानेबाजों को कोटा स्थान मिलना तय था. चंडीगढ़ के विजयवीर ने एलिमिनेशन राउंड में 28 का निशाना लगाते ही रजत पदक जीतकर शान से कोटा प्राप्त किया. वह कजाखस्तान के निकिता चिरयुकिन से पीछे रहे जिन्होंने 32 के शॉट से स्वर्ण पदक जीता. भारत के लिए रैपिड फायर पिस्टल मजबूत स्पर्धा होती है जिसमें विजय कुमार ने 2012 लंदन ओलंपिक में रजत पदक जीता था. अनीश तोक्यो ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने के मजबूत दावेदार दिख रहे थे लेकिन वह नयी दिल्ली में 2021 में आईएसएसएफ विश्व कप में ऐसा करने से चूक गये थे.

ओलंपिक क्वालीफायर

- 25 मीटर रैपिड फायर में विजयवीर ने जीता रजत
- विजयवीर ने भारत को दिलाया 17वां ओलंपिक कोटा

बैडमिंटन

मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारतीय जोड़ी ने रचा इतिहास

सात्विक व चिराग की जोड़ी खिताब से एक जीत दूर

भाषा। कुआलालंपुर

एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शनिवार को कोरिया की विश्व चैंपियन सेओ सेउंग जे और कांग मिन ह्युकडिश की जोड़ी को को सीधे गेम में हराकर मलेशिया ओपन सुपर 1000 पुरुष युगल फाइनल में प्रवेश किया. टूर्नामेंट इतिहास में यह पहली बार है जब कोई भारतीय किसी भी कैटेगरी में खिताबी मुकाबले में पहुंचा है. विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी ने सत्र के अपने पहले टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में दूसरे गेम में शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की. सात्विक और चिराग की जोड़ी ने इस करीबी मुकाबले का पहला गेम 21-18 से जीता. दूसरे गेम में कोरिया की जोड़ी के पास छह गेम प्वाइंट लेकिन भारतीय जोड़ी ने लगातार आठ अंक जुटा कर इस गेम को 22-20 से जीतने के साथ फाइनल का टिकट पक्का किया.

सात्विक और चिराग इस तरह अपने दूसरे सुपर 1000 खिताब से केवल एक कदम दूर है. उन्होंने इस स्तर का अपना पहला खिताब पिछले साल जून में इंडोनेशियाई ओपन में जीता था.भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया ओपन में भी इसी कोरियाई जोड़ी को हराया था. विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज कांग मिन और सेओ सेउंग के खिलाफ चार मैचों की भारतीय सात्विक और चिराग की जोड़ी की यह तीसरी जीत है.

पहले सेट में भारतीय जोड़ी का रहा दबदबा

इस मुकाबले के पहले सेट में भारतीय खिलाड़ियों ने विपक्षी खिलाड़ियों पर दबाव बनाया. भारतीय जोड़ी ने 9-5 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की. भारतीय जोड़ी ने इसके बाद शटल को दो बार कोर्ट के बाहर खेल दिया और कोरियाई की जोड़ी ने कुछ चतुराई भरी खेल से लगातार चार अंक बनाये. चिराग ने इसके बाद शॉट खेलकर कोरिया के खिलाड़ियों को चौंका दिया.

दूसरे सेट में सात्विक और चिराग ने की शानदार वापसी

दूसरे सेट में कोरिया की टीम 17-11 से आगे थी और सात्विक तथा चिराग इस गेम में वापसी का की कोशिश कर रहे थे. सात्विक और चिराग ने 14-20 से पिछड़ने के बाद शानदार मानसिक माजबूती दिखाई जिससे कोरियाई जोड़ी ने कई बार शटल को नेट पर खेल दिया. उन्होंने सही समय पर लय हासिल कर लगातार आठ अंक जुटा कर कोरिया की जोड़ी को हैरत में डालते हुए मैच जीत लिया.

भारत के मेंटोर बनना चहते हैं युवराज

भाषा। कोलकाता

विश्व कप विजेता नायक युवराज सिंह ने शनिवार को संकेत दिया कि वह भारतीय क्रिकेट टीम को आने वाली चुनौतियों के लिए मानसिक रूप से तैयार करने के लिए भविष्य में 'मेंटोर' की भूमिका निभाना पसंद करेंगे. भारत पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 विश्व कप फाइनल में हार गया जिससे आईसीसी ट्राफी का उसका इंतजार और बढ़ गया. भारत ने 2013 में महेंद्र सिंह धौनी की कप्तान में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी जबकि पिछली विश्व कप जीत 2011 में मिली थी. युवराज ने कहा कि मुझे लगता है कि हमने काफी फाइनल खेले लेकिन एक भी नहीं जीता. 2017 में मैं एक फाइनल का हिस्सा रहा जिसमें हम पाकिस्तान से हार गये थे. उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में हमें निश्चित रूप से इस पर काम करना होगा. बतौर देश और भारतीय टीम के तौर पर दबाव में बेहतर प्रदर्शन करना होगा.

कोहली, रोहित की टी-20 टीम में वापसी गलत नहीं : युवराज सिंह

आगामी विश्व कप को ध्यान में रखते हुए रोहित शर्मा और विराट कोहली के 14 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी में विश्व कप विजेता भारतीय ऑल राउंडर युवराज सिंह को कुछ भी गलत नहीं दिखता और उनका कहना है 'कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना'. इन दोनों को अफगानिस्तान के खिलाफ चल रही तीन मैच की टी-20 शृंखला के लिए टीम में चुना गया जो अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले विश्व कप से पहले भारत का अंतिम टूर्नामेंट है. रोहित और कोहली के टीम में शामिल करने से बहस शुरू हो गयी कि यह प्रगतिशील कदम है या नहीं. युवराज इस कदम के लिए हो रहे शोरगुल से प्रभावित नहीं हैं और उन्होंने किशोर कुमार के मशहूर गाने से अपनी राय बयां करते हुए कहा कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना.

गणतंत्र दिवस की तैयारी

शनिवार को नई दिल्ली में सुबह के कोहरे के बीच गणतंत्र दिवस परेड 2024 के लिए रिहर्सल के दौरान सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की महिला कर्मी.

प्रधानमंत्री मोदी ने सोनल मां की जन्म शताब्दी पर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता। जूनागढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के जूनागढ़ जिला स्थित मढड़ा धाम में आयोजित चारण समाज की आध्यात्मिक गुरु आई श्री सोनल मां के जन्म शताब्दी समारोह पर शनिवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. प्रधानमंत्री ने तीन दिवसीय जन्म शताब्दी समारोह कार्यक्रम को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित करते हुए लोगों से अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न मनाने के लिए 22 जनवरी को श्री राम ज्योति प्रज्वलित करने का आग्रह किया. उन्होंने कहा, मढड़ा धाम, चारण समाज के लिए श्रद्धा का केंद्र है, शक्ति का केंद्र है, संस्कार-परंपरा का केंद्र है. मैं आई के श्री चरणों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराता हूं, उन्हें प्रणाम करता हूं. उन्होंने कहा, गुजरात और सौराष्ट्र की ये धरती खास तौर पर महान संतों और विभूतियों की भूमि रही है. कितने ही संत और महान आत्माओं ने इस क्षेत्र में पूरी मानवता के लिए अपना प्रकाश बिखेरा है. मोदी ने कहा कि गिरनार भगवान दत्तात्रेय और अनगिनत संतों का स्थान रहा है. उन्होंने कहा, सौराष्ट्र की इस सनातन संत परंपरा में श्री सोनल मां आधुनिक युग के लिए प्रकाश स्तम्भ की तरह थीं. उनकी आध्यात्मिक ऊर्जा, उनकी मानवीय शिक्षाएं, उनकी तपस्या, से उनके व्यक्तित्व में एक अद्भुत दैवीय आकर्षण पैदा होता था. उसकी अनुभूति आज भी जूनागढ़ और मढड़ा के सोनल धाम में की जा सकती है. उन्होंने कहा, सोनल मां का पूरा जीवन जनकल्याण के लिए, देश और धर्म की सेवा के लिए समर्पित रहा. उन्होंने भगत बापू, विनोबा भावे, रविशंकर महाराज, कनभाई लहेरी, कल्याण सेठ जैसे महान लोगों के साथ काम किया.

ब्रीफ खबरें

इंडिगो विमान में आई खराबी, ढाका में लैंडिंग

मुंबई। मुंबई से असम की राजधानी गुवाहाटी जा रहे इंडिगो के एक विमान का मार्ग गुवाहाटी में खराब मौसम के कारण ढाका की ओर परिवर्तित करना पड़ा. एयरलाइन ने शनिवार को बताया कि यह घटना शुक्रवार रात की है. इंडिगो ने बताया कि विमान को उसके गंतव्य तक ले जाने के लिए चालक दल के एक वैकल्पिक समूह की व्यवस्था की जा रही है. उसने एक बयान में कहा, मुंबई से गुवाहाटी जा रही इंडिगो को गुवाहाटी में खराब मौसम के कारण ढाका की ओर परिवर्तित करना पड़ा.

चीन में कोयला खदान में विस्फोट, 8 की मौत

बीजिंग। चीन में हेनान प्रांत के पिंगडिंगशान की एक कोयला खदान में शुक्रवार अपराह्न करीब तीन बजे हुए विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई. इस दौरान आठ अन्य व्यक्ति लापता हो गए. स्थानीय समाचार पत्र चाइना डेली की रिपोर्ट के अनुसार स्थानीय अधिकारियों ने हादसे की पुष्टि की है. चाइना डेली की रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट के वक्त कोयला खदान में 425 लोग मौजूद थे. इनमें से आठ की मौत हो गई और आठ लापता हो गए. बाकी सभी लोग सुरक्षित हैं.

अमेरिका ने यमन में ताबड़तोड़ रॉकेट दागे

सना (यमन)। अमेरिकी सेना ने शुक्रवार देर रात ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ फिर हवाई हमला किया. अमेरिकी सेना ने हूती नियंत्रित यमन में ताबड़तोड़ रॉकेट और मिसाइल दागे. एक दिन पहले अमेरिकी और ब्रिटिश सैनिकों ने ईरान समर्थित इस समूह पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया था. हूती विद्रोही पिछले कुछ समय से लाल सागर में वाणिज्यिक शिपिंग यातायात पर कहर बरपा रहे थे. द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार ताजा हमले में हूती की रडार साइट को निशाना बनाया गया.

ताइवान में राष्ट्रपति पद के लिए हुआ मतदान

ताइपे। ताइवान में राष्ट्रपति पद और विधायिका के चुनाव के लिए मतदान आज सुबह आठ बजे शुरू हुआ. लोग शाम चार बजे तक मताधिकार का प्रयोग किया. स्थानीय समाचार पत्र ताइपे टाइम्स के अनुसार, प्रत्येक पात्र मतदाता राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए एक मत डालेगा, जबकि विधायिका चुनाव के लिए दो मत डाले जाएंगे. ताइवान चुनाव आयोग के अध्यक्ष ली चिन-युंग के अनुसार मतदान के नतीजे शनिवार देर रात घोषित होने की उम्मीद है. आयोग के अनुसार, कुल 19,548,531 लोग करेंगे मतदान.

गाजा में मरने वालों की संख्या 24 हजार हुई

यरुशलम। इजराइली सेना की गाजा में ताजा हमले में काफी संख्या में हमास लड़ाकों के मारे जाने की सूचना है. इजराइली सेना ने कहा है कि खान यूनिस में हवाई हमले में हमास के नुखबा फोर्स का कमांडर मारा गया है. यह कमांडर इजराइली शहरों पर सात अक्टूबर को हुए हमले में शामिल था. इन हमलों के साथ शुक्रवार को गाजा में मरने वालों की कुल संख्या 24 हजार तक पहुंच गई जबकि 60 हजार से ज्यादा घायल हुए हैं. गाजा के मध्य और दक्षिण भाग में बड़ी संख्या में लड़ाके मारे जा रहे हैं.

पुलिस बोली : स्थानीय लोगों ने अपहरण करनेवाला समझा

पुरुलिया में 3 साधुओं को घेरकर पीटा, 12 गिरफ्तार

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में तीन साधुओं को पीटने के मामले में विवाद बढ़ने के बाद पुलिस ने 12 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस का दावा है कि स्थानीय लोगों ने उन्हें अपहरण करने वाला समझ कर हमला कर दिया. पुलिस ने मौके पर पहुंच कर साधुओं को भीड़ से बचा कर नजदीकी पुलिस स्टेशन पहुंचाया. पुरुलिया के पुलिस अधीक्षक अभिजीत बनर्जी ने घटना के संबंध में बताया कि साधुओं से मारपीट करने वाले 12 संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है. अभी मामले की जांच की जा रही है.

घटना में शामिल अन्य लोगों की तलाश में छापेमारी भी की जा रही है. गिरफ्तार सभी आरोपितों को पुरुलिया जिले के रघुनाथपुर सब डिविजनल कोर्ट में पेश किया जाएगा.पुलिस ने यह भी कहा कि कुछ लड़कियों के साधुओं से डर कर भागने से स्थानीय लोगों को उन पर शक हुआ, जिसके बाद भीड़ ने उन पर हमला कर दिया. बाद में पुलिस ने साधुओं को गंगासागर मेला पहुंचाने के लिए वाहन की व्यवस्था की. सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें गुस्साई भीड़ साधुओं के वाहन में भी तोड़फोड़ करती दिख रही है. उल्लेखनीय है कि यह घटना गुरुवार को हुई थी.

घटना को लेकर पश्चिम बंगाल भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए घटना की आलोचना की है. भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने ट्विटर पर लिखा, पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में पालघर जैसी लिंचिंग की घटना हुई है. मकर संक्रांति के लिए गंगासागर जा रहे साधुओं को सत्तारूढ़ टीएमसी से जुड़े. लोगों ने निर्वस्त्र कर पीटा. ममता बनर्जी के शासन में शाहजहां शेख को सरकारी संरक्षण मिलता है और साधुओं की हत्या की जा रही है.

खास बातें

- तीनों साधु मकर संक्रांति के लिए गंगासागर जा रहे थे
- गुस्सायी भीड़ ने साधुओं के वाहन में भी तोड़फोड़ की

दिल्ली शराब घोटाला : अरविंद केजरीवाल को ईडी का चौथा समन

पूछताछ के लिए 18 को बुलाया

भाषा। नयी दिल्ली

दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को चौथा समन जारी किया है. ईडी ने अरविंद केजरीवाल को 18 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया है. इससे पहले केंद्रीय एजेंसी ने सीएम को समन जारी कर तीन जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया था. लेकिन वो ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे. उन्होंने ईडी के समन पर अपना जवाब भेजा था. आम आदमी पार्टी (आप) के अनुसार, केजरीवाल ने ईडी के समन को अवैध करार दिया था. उन्होंने अपने जवाब में लिखा था कि ईडी की जांच में सहयोग करने को तैयार हूं, लेकिन एजेंसी का नोटिस अवैध है. उनका इरादा अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करना है. वे उन्हें चुनाव प्रचार से रोकना चाहते हैं.

खास बातें

- इससे पहले भी तीन जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया था
- आप ने ईडी के समन को ही अवैध करार दिया था

ईडी के किसी भी समन पर पेश नहीं हुए थे सीएम

सीएम को ईडी ने अब तक तीन बार समन जारी कर पूछताछ के लिये बुलाया है. पहला समन दो नवंबर, दूसरा 21 दिसंबर और तीसरा 3 जनवरी को जारी किया था. लेकिन वो किसी भी समन में ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए थे. उन्होंने हर बार समन को गैर कानूनी और राजनीति से प्रेरित बताया. उन्होंने अपने में लिखा था कि अपना जीवन पारदर्शिता और ईमानदारी से गुजारा है और उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है. उन्होंने कहा था कि वह किसी भी कानूनी समन को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं.

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर बोले- बंगाल में कानून व्यवस्था ध्वस्त

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में कथित तौर पर मॉब लिंचिंग का मामला सामने आने के बाद बीजेपी ने ममता बनर्जी सरकार पर हमलावर हो गई है. केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सीधे तौर पर मुख्यमंत्री पर हमला बोला और पूछा कि आखिरकार बंगाल में यह माहौल क्यों है? उन्होंने कहा कि आखिरकार बंगाल में ये वातावरण क्यों है? तुष्टिकरण की राजनीति ने ऐसा ही वातावरण बना दिया है. राम जन्म भूमि का शिलान्यास हो तो बंगाल में कर्फ्यू लगा दिया. साधुओं की हत्या का प्रयास किया जाता है. तुष्टिकरण की राजनीति बंगाल को कहां लेकर जा रही है? आखिर ये हिन्दू विरोधी सोच क्यों ? पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था चरमरा गई है. जो जनता का पैसा आता है, उसे खाने का काम (गबन) किया जाता है.

सड़क दुर्घटना में पिता पुत्र सहित चार की मौत

बीड (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के बीड जिले में एक ट्रक और चारपहिया वाहन की टक्कर होने से पिता-पुत्र समेत चार लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे अहमदपुर-अहमदनगर राजमार्ग पर बीड तालुका के ससेवाड़ी गांव में हुई. एक पुलिस अधिकारी ने कहा, चारपहिया वाहन जिले के मांजरसुम्भा के रास्ते पटोदा जा रहा था, तभी पाइप लेकर विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से उसकी टक्कर हो गई. टक्कर के बाद चारपहिया वाहन ट्रक में अटक गया और कुछ दूरी तक घिसटता चला गया.

महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप

धन शोधन मामले में दो और लोग किए गए गिरफ्तार

भाषा। रायपुर

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऑनलाइन ऐप के जरिये सट्टेबाजी और गेमिंग ऐप मामले में चल रही धन शोधन से संबंधित जांच में दो और लोगों को गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. ईडी के अधिवक्ता सौरभ पांडे ने कहा कि नितिन टिबरेवाल और अमित अग्रवाल को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत हिरासत में लिया गया और शुक्रवार को रायपुर की एक विशेष अदालत में पेश किया गया. उन्होंने बताया कि अदालत ने आरोपियों को 17 जनवरी तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है. टिबरेवाल पर इस मामले में आरोपी विकास छपारिया का करीबी सहयोगी होने का आरोप है. ईडी के सूत्रों ने कहा कि उस पर दुबई में कुछ 'बेहिसाबी' संपत्तियां खरीदने और एक एफपीआई कंपनी में प्रमुख शेयरधारक होने का आरोप है जिसमें छपारिया भी शेयरधारक है.

भतीजे ने सिलबट्टे से कूच कर चाची की हत्या की

सुलतानपुर (उप्र)। सुलतानपुर के कादीपुर कोतवाली क्षेत्र में सिलबट्टे से कुचलकर और चाकू गोदकर अपनी चाची की हत्या करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी. पीड़िता के पति अल्ताफ ने इस घटना के संबंध में अपने भतीजे आरिफ के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया. पुलिस ने बताया कि अल्ताफ की पत्नी सुफीना बानो (30) शुक्रवार दोपहर घर में अकेली थी और अल्ताफ किसी काम से बाहर गया था तभी पीड़िता पर चाकू से हमला कर और घर में रखे सिलबट्टे से कुचलकर उसकी हत्या कर दी गई. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

राप्ती पुल के नीचे गिरी बस दो भारतीय सहित 12 की मौत

भाषा। नेपाल

बिहार सीमा से सटे पड़ोसी देश नेपाल में दांग जिले के भालुवाड़ में शुक्रवार रात हुए बस दुर्घटना में बस में सवार 35 यात्रियों में से 12 की मौत हो गई, जबकि अन्य यात्री घायल हो गए. घायलों का इलाज भालुवाड़ के अस्पताल में कराया जा रहा है, जिनमें से कइयों की हालत गंभीर बताई जा रही है. मृतकों में दो भारतीय नागरिक भी शामिल हैं. 12 यात्रियों की मौत की पुष्टि जिला पुलिस कार्यालय दांग के डीएसपी जनक बहादुर मल्ल ने भी की है. पुलिस के अनुसार सात यात्री की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि चार की मौत इलाज के लिए ले जाने के क्रम में और एक की मौत इलाज के दौरान होने की बात जिला पुलिस कार्यालय दांग के डीएसपी जनक बहादुर मल्ल ने कही. मृतक की पहचान नेपालगंज के 60 वर्षीया कुसुम बस्नेत, मकवानपुर हेटौंडा के 35 वर्षीय शौरभ विष्ट, जुम्ला के चंदनाथ 9 के 40 वर्षीय मुन बहादुर रावत, बांके के 30 वर्षीय रामवरण हरिजन,रुकुम गोतामकोट 9 के 25 वर्षीय दीपक डांगी, भारत के पूर्वी चंपारण के 67 वर्षीय योगेन्द्र राम, उत्तर प्रदेश के अतिकुल्ला खैरे निवासी 31 वर्षीय मुने और काठमांडू चन्द्रागिरि नगरपालिका-15 के 65 वर्षीय ताराकांत पांडे की मृत्यु होने की बात पुलिस ने कही है.

पूर्व मॉडल दिव्या पाहुजा का शव हरियाणा में नहर से बरामद हुआ

गुरुग्राम। पूर्व मॉडल दिव्या पाहुजा का शव हरियाणा के फरीदाबाद जिले में एक नहर से बरामद हुआ है. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी. पाहुजा की गुरुग्राम के एक होटल में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. गुरुग्राम के सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) वरुण कुमार दहिया ने बताया कि पाहुजा का शव टोहाना में भाखड़ा नहर की सहायक नहर से मिला है. पुलिस ने बताया कि पाहुजा (27) की दो जनवरी को गुरुग्राम स्थित एक होटल के कमरे में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. उसने बताया कि पाहुजा की हत्या इसलिए की गई क्योंकि वह कथित तौर पर होटल मालिक की अश्लील तस्वीरों के जरिए उसे ब्लैकमेल करके पैसे वसूल रही थी.

पुल पार करने के लिए कार को देना होगा 250 रुपये टोल, वापसी में लगेंगे 375 रुपये

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (एमटीएचएल) का उद्घाटन किया. इसके निर्माण में 17,840 करोड़ रुपये की लागत आई है. वहीं, पुल पार करने के लिए एक कार के लिए 250 रुपये का टोल देना होगा. वापसी के लिए 375 रुपये का शुल्क लिया जाएगा. वहीं, मिनी बस को एक तरफ का टोल 400 रुपये देना होगा. वहीं रिटर्न का टोल 600 रुपये का है. डेली पास 1000 रुपये का और मासिक पास के 20000 रुपये देने होंगे. वहीं, बस और ट्रक को 830 रुपये अदा करने होंगे. रिटर्न के लिए 1245 रुपये टोल देना होगा. एमएवी वाहन का टोल 905 रुपये, रिटर्न 1360, डेली 2265 और मासिक पास 45250 का होगा. एमवीए 4 से 6 एक्सल ट्रक का टोल 1300, रिटर्न का 1950, डेली पास 3250 और मासिक पास 65000 रुपये का बनेगा. ओवरसाइज वाहनों को 1580 रुपये टोल देना होगा. रिटर्न का टोल 2370, डेली पास 3950 रुपये और मंथली का पास 790000 का बनेगा.

मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक अटल सेतु

शोक पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित, 92 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

जानी-मानी गायिका प्रभा अत्रे का हार्ट अटैक से निधन

भाषा। मुंबई

पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित शास्त्रीय संगीतकार प्रभा अत्रे का आज सुबह हार्ट अटैक से निधन हो गया. उन्होंने 92 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली. जानकारी के अनुसार, हार्ट अटैक आने के बाद प्रभा अत्रे को परिदन पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल लेकर जा रहे थे. लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया. अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टर ने जांच की और प्रभा अन्ने को मृत घोषित कर दिया.

बचपन से ही प्रभा अन्ने को संगीत में थी रूचि: प्रभा अत्रे का जन्म महाराष्ट्र के पुणे में 13 सितंबर 1932 को हुआ था. बचपन से ही प्रभा अन्ने को संगीत में रूचि थी. उन्होंने गुरु शिष्य परंपरा के तहत शिक्षा ली. प्रभा अत्रे ने साइंस में ग्रैजुएशन किया था. साथ ही उन्होंने लॉ की शिक्षा भी ली थी. प्रभा अत्रे ने लंदन के ट्रिनिटी कॉलेज से वेस्टर्न म्यूजिक की शिक्षा ली थी. उनके पास संगीत डॉक्टरेट की डिग्री भी थी.

जानी-मानी शास्त्रीय संगीतकार थीं प्रभा अन्ने

डॉ. प्रभा अत्रे जानी-मानी शास्त्रीय संगीतकार थीं. उन्होंने वैश्विक स्तर पर भारतीय शास्त्रीय संगीत को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभायी. विदेशों में कई यूनिवर्सिटीज में प्रभा अत्रे बतौर विजिटिंग प्रोफेसर गयी थी. प्रभा अन्ने ने खयाल, ठुमरी, दादरा, गजल, गीत, नाट्यसंगीत और भक्ति गीत में महारत हासिल की थी. उन्होंने 'स्वरागिनी' और 'स्वरंजनी' नाम की पुस्तकें भी लिखी थी. उन्होंने अपूर्व कल्याण, दरबारी कौन्स, पटदीप-मल्हार, शिव काली, तिलंग-भैरव, रवि भैरव और मधुर-कौन जैसे नये रागों का आविष्कार भी किया था. डॉ. प्रभा अत्रे के नाम 11 पुस्तकें जारी करने का विश्व रिकॉर्ड है.

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा राष्ट्रपति मुर्मू करें : उद्धव

भाषा। मुंबई

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को मांग की कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा कराई जाए क्योंकि यह राष्ट्र के गौरव और देश के स्वाभिमान का मामला है. ठाकरे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह मुर्मू को नासिक स्थित कालाराम मंदिर में भी आमंत्रित करेंगे. अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन ठाकरे कालाराम मंदिर में दर्शन करेंगे. ठाकरे ने पहले घोषणा की थी कि वह 22 जनवरी को अपनी पार्टी के नेताओं और पदाधिकारियों के साथ नासिक स्थित प्रतिष्ठित कालाराम मंदिर जाएंगे और गोदावरी नदी के तट पर 'महा आरती' करेंगे. इसके एक दिन बाद यानी 23 जनवरी को नासिक में पदाधिकारियों के एक सम्मेलन का भी आयोजन होगा जहां ठाकरे एक रैली को भी संबोधित करेंगे. ठाकरे ने कहा कि गुजरात में सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद औपचारिक पुनरुद्धार समारोह देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने किया था. उन्होंने कहा,'यह (अयोध्या राम मंदिर) राष्ट्र के गौरव और देश के स्वाभिमान का मामला है तो प्राण-प्रतिष्ठा समारोह राष्ट्रपति मुर्मू द्वारा किया जाना चाहिए.

देश की सबसे बड़ी फ्लोटिंग स्क्रीन होगी

स्क्रीन का निर्माण कराने वाली कंपनी के प्रबंध निदेशक अक्षय आनंद ने बताया कि यह देश की अब तक की सबसे बड़ी फ्लोटिंग स्क्रीन होगी. 1800 स्क्वायर फीट की वेसेल का निर्माण इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग (आईआरएस) की देखरेख में चल रहा है. इसकी स्क्रीन 1100 स्क्वायर फीट की होगी. अयोध्या के चौधरी चरण सिंह घाट पर नवंबर के प्रथम सप्ताह में इसका निर्माण शुरू हुआ था. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आठ थीम पर अयोध्या को प्रकाशमान करने की योजना बनाकर यहां का निरंतर विकास सुनिश्चित करा रहे हैं. इसी क्रम में सांस्कृतिक अयोध्या के दृष्टिगत भी इसे नई उड़ान दी जा रही है.

विशाखापट्टनम के 70 से अधिक कारीगर रिकॉर्ड समय में काम पूरा करने में जुटे हैं

अयोध्या का दिव्य दीदार कराएगी फ्लोटिंग स्क्रीन

एजेंसी । अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नव्य, भव्य व दिव्य अयोध्या सज चुकी है. महज नौ दिन बाद दुनिया उस पल का दीदार करेगी, जिसका 500 वर्षों से इंतजार था. आयोजन भव्यतम है तो इसका दीदार भी दिव्यतम होना चाहिए. इसी परिकल्पना के साथ योगी सरकार की मंशानुरूप यहां फ्लोटिंग स्क्रीन का निर्माण कराया जा रहा है. दावा है कि यह देश की सबसे बड़ी फ्लोटिंग स्क्रीन है, जो अयोध्या के विकास गाथा की अलग कहानी भी बयां करेगी.

इसके लिए नगर निगम व सेंचुरी हॉस्पिटैलिटी-मेगावर्स एसोसिएट के मध्य अगस्त में एमओयू हुआ था. इस पर 22 जनवरी को श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा और उसके बाद अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों को करीब से आगंतुक-पर्यटक व स्थानीय नागरिक देख सकेंगे. योगी आदित्यनाथ की सांस्कृतिक अयोध्या सजाने की थीम को इसके जरिए देश-दुनिया से आने वाले अधिक से अधिक लोग जानें, ऐसा प्रयास किया जा रहा है.

प्राण प्रतिष्ठा के लिए मॉरीशस ने अधिकारियों को दिया विशेष अवकाश

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का दिन भारत के लिए गौरवशाली होगा: निरंजन स्वामी

हरिद्वार। पुरुषार्थ आश्रम के अध्यक्ष महामनीषी निरंजन स्वामी महाराज ने कहा है कि अयोध्या में होने जा रहे राम मंदिर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह का दिन भारत के लिए ऐतिहासिक एवं गौरवशाली होगा. वर्षों की प्रतिक्षा के बाद अयोध्या में प्रभु श्रीराम का दिव्य भव्य मंदिर निर्माण होने जा रहा है. संत समाज और सनातन प्रेमियों का दायित्व है कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को दीपावली पर्व के रूप में मनायें. निरंजन स्वामी महाराज ने कहा कि प्रभु श्रीराम जन जन के आराध्य और प्रत्येक भारतवासी की आस्था का केंद्र है.

पोर्ट लुईस। मॉरीशस सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम के तहत 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान पूजा-अर्चना में शामिल होने के लिए हिंदू धर्म के लोकसेवकों को दो घंटे का विशेष अवकाश देने का निर्णय किया है. मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि कैबिनेट ने सोमवार 22 जनवरी 2024 को भारत के अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के संदर्भ में यहां हिंदू धर्म मानने वाले लोकसेवकों को दिन में दो बजे से दो घंटे के लिए विशेष छुट्टी देने पर सहमति व्यक्त की है.

अलवर से अयोध्या के लिए 125 किलो शहद रवाना

अलवर। अयोध्या में 22 जनवरी को भव्य राम मंदिर में रामलला विराजमान होने जा रहे हैं. 16 जनवरी से भगवान राम का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू होगा. इस दौरान अलवर के शहद से भगवान राम का अभिषेक किया जाएगा. सवा सौ किलो शहद लेकर रथ शनिवार को जगन्नाथ मंदिर से रवाना किया गया. रविवार को यह रथ अयोध्या पहुंचेगा. वन मंत्री संजय शर्मा ने जगन्नाथ मंदिर में पूजा अर्चना कर भगवा झंडी दिखाकर रथ को रवाना किया. विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष दिलीप मोदी ने बताया अलवर के लिए यह सौभाग्य की बात है की अलवर के शहद से भगवान राम का अभिषेक होगा.

रिकॉर्ड समय में पूरा होगा काम: आनंद के मुताबिक इसके निर्माण में काफी समय लगता है. इसमें विशाखापट्टनम के 60-70 से कारीगर केलगे हैं, जिनसे रात-दिन काम कराकर इसे रिकॉर्ड समय (19 जनवरी) में पूरा करा लिया जाएगा. पीएम मोदी व सीएम योगी के मेड इन इंडिया की अवधारणा के अनुरूप ही इस पर काम हो रहा है. अभी यह बायोडीजल से संचालित की जाएगी, लेकिन योजना है कि अग्रिम दिनों में इसे सोलर से संचालित किया जाए. फिलहाल इसे चौधरी चरण सिंह घाट से लक्ष्मण घाट तक लगभग तीन किमी. दूरी में गहरे जल के समीप ही संचालित किया जाएगा, लेकिन सरयू के जल के प्रवाह के मद्देनजर इस फ्लोटिंग स्क्रीन का दायरा भी बढ़ता जाएगा.

फ्लोटिंग रेस्तरां का भी जल्द होगा निर्माण: प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत पांच हजार वर्ग फीट के फ्लोटिंग रेस्तरां के निर्माण की भी योजना है. इसे लेकर एमओयू हो चुका है. फ्लोटिंग स्क्रीन के सफल संचालन के बाद कंपनी इस योजना पर कार्य शुरू करेगी. आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह रेस्तरां अयोध्या आने वाले पर्यटकों को आधुनिक सुविधाओं का आभार कराएगा. रेस्तरां में भी खानपान, संस्कृति के साथ ही ऐसी स्क्रीन लगाई जाएगी, जिस पर राम की गाथा-कथा आदि की भी प्रस्तुति होगी.

मिलेगा तोहफा

हजारों मेहमान होंगे समारोह में शामिल

प्राण प्रतिष्ठा में विशिष्ट मेहमानों को उपहार में मिलेगी 'रामरज'

- पीएम को भेंट की जाएगी राम मंदिर की 15 मीटर की तस्वीर
- राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से दिए जाएंगे उपहार

एजेंसी । अयोध्या

अयोध्या में नव निर्मित राम मंदिर में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं. 22 जनवरी को होने वाले इस कार्यक्रम के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से हजारों विशिष्ट मेहमानों को न्योता दिया गया है. सभी आमंत्रित अतिथियों के स्वागत की भी तैयारी की गई है और साथ ही समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी मेहमानों को ट्रस्ट की ओर से उपहार भी दिए जाएंगे. तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से सभी मेहमानों को 'रामरज' उपहार स्वरूप दी जाएगी. साथ ही उन्हें प्रसाद के रूप में देसी घी से बने विशेष मोतीचूर के लड्डू भी दिए जाएंगे. राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े एक सदस्य ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए यहां आने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जूट के थैले में पैक की गई राम मंदिर की 15 मीटर की तस्वीर भेंट की जाएगी. इसके साथ राम मंदिर नींव की खुदाई के दौरान निकाली गई राम जन्मभूमि की मिट्टी को बक्सों में पैक किया जाएगा. प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने वाले मेहमानों को इसे भेंट स्वरूप दिया जाएगा.

11 हजार के अधिक मेहमान आमंत्रित

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े एक सदस्य ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में ट्रस्ट की ओर से देश भर से 11,000 से अधिक मेहमानों को आमंत्रित किया गया है. इन सभी लोगों को यादगार उपहार देने की व्यवस्था की जा रही है. रामरज एक ऐसा उपहार होगा, जिसे मेहमान हमेशा याद रखेंगे. किसी घर में इस रामरज का होना सौभाग्य की बात है. इस पवित्र उपहार का उपयोग वे अपने घर के गार्डन या गमलों में कर सकेंगे. ऐसी भी संभावना है कि ऐसे आमंत्रित लोग जो किसी कारणवश प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में यहां नहीं आ सके हैं, वे जब भी यहां आएंगे उन्हें यह उपहार दिया जाएगा.

7500 लोगों को मंदिर में बिठाने की व्यवस्था

अयोध्या के मंडलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में 7500 लोगों को मंदिर प्रांगण में बिठाने की व्यवस्था की गई है. उन्होंने बताया कि जो भी विशिष्ट मेहमान अयोध्या आएंगे, उन्हें रिसीव करने के साथ ही एक कोड दिया जाएगा. इस कोड के आधार पर उनके बैठने की व्यवस्था की जाएगी. उन्होंने बताया कि वाराणसी के पुजारी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को संपन्न कराएंगे. उनके साथ 4 ट्रस्टी और 4 पुजारी भी रहेंगे. कार्यक्रम के दौरान मंदिर में बने पांच मंडपों में अलग-अलग सोशल कम्यूनिटी के 15 दंपति भी उपस्थित रहेंगे. प्रधानमंत्री मोदी की स्पीच के लिए भी एक स्थान को चिन्हित किया गया है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

स्वॉयल साइंस खोलता है युवाओं के लिए कॅरियर का रास्ता

एजुकेशन रिपोर्टर रजनीश प्रसाद। एमएससी स्वॉयल साइंस दो साल का पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स है. इस कोर्स में छात्र स्वॉयल के फिजिकल एट्रिब्यूट और बायोलॉजिकल कंपोजिशन आदि के बारे में सीखते हैं. इस कोर्स में पृथ्वी के बाहरी आवरण का अध्ययन करने को भी मिलता है. एमएससी स्वॉयल साइंस की पढ़ाई पूरी करने के बाद, छात्र भूमि उत्पादकता में सुधार, वेस्ट मैनेजमेंट, मिट्टी के रिहैबिलिटेशन और संरक्षण, वॉटर मैनेजमेंट आदि में एक्सपर्ट बन सकते हैं.

एमएससी स्वॉयल साइंस करने के फायदे

- इस कोर्स में फील्ड सर्वे और लैब वर्क के साथ स्वॉयल एनवायरमेंट के प्रोसेस और प्रॉपर्टी की अच्छी थियोरेटिकल नॉलेज प्रदान की जाती है.
- यह बायोकेमिस्ट्री, नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट, सस्टेनेबल डेवलपमेंट की समझ देता है.
- इस कोर्स को करने के बाद क्रॉप कंसलटेंट, वेटलैंड स्पेशलिस्ट, क्रॉप प्रोडक्शन स्पेशलिस्ट, वाटर टेक्नीशियन, एनवायरमेंटल टेक्नीशियन, स्टेट सॉइल एंड वॉटर क्वालिटी स्पेशलिस्ट, सॉइल कंजर्वेशनिस्ट, कंट्री एग्रीकल्चरल सॉइल साइंटिस्ट, रिसर्च टेक्नीशियन, कंजर्वेशन प्लानर, डिस्ट्रिक्ट मार्केटिंग मैनेजर, रिसर्च साइंटिस्ट आदि के तौर पर आप काम कर सकते हैं.
- एमएससी स्वॉयल साइंस ग्रेजुएट्स के लिए औसत पैकेज निजी और सार्वजनिक दोनों ऑर्गेनाइजेशंस के लिए उच्च स्तर पर हैं.

स्किल्स

- ऑब्जर्वेशनल और एनालिटिकल स्किल
- क्रिटिकल थिंकिंग
- कम्युनिकेशन स्किल
- डाटा कलेक्शन एंड एनालिसिस
- मानचित्र निर्माण और मृदा अपरदन मॉडलिंग जैसे कंप्यूटर सॉफ्टवेयर से परिचित होना.
- मिट्टी के एनालिसिस के लिए इंडस्ट्री स्पेसिफिक उपकरणों जैसे पीएच मीटर, फोटोमीटर आदि का ज्ञान.

विदेशी विश्वविद्यालय

- लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी
- ऑबर्न यूनिवर्सिटी
- यूनिवर्सिटी ऑफ कनेक्टिकट
- साउथ ईस्ट मिसौरी स्टेट यूनिवर्सिटी
- कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी
- द यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, वैंकूवर
- यूनिवर्सिटी ऑफ सास्काचेवान, सास्काटून
- मैसी विश्वविद्यालय

भारतीय यूनिवर्सिटीज

- यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंस
- यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता
- कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, वेल्लयानी
- आचार्य एनजी रंगा एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, गुंटूर
- पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी
- डिजिटल यूनिवर्सिटी केरला, तिरुवनंतपुरम
- द एलएनएम इंस्टिट्यूट ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, जयपुर

योग्यता

- किसी मान्यता प्राप्त इंस्टिट्यूट से ग्रेजुएशन की डिग्री होनी जरूरी है.
- ग्रेजुएशन में मुख्य विषय के रूप में अंग्रेजी और गणित अनिवार्य है.
- एमएससी सॉइल साइंस कोर्स के लिए न्यूनतम आयु सीमा की आवश्यकता नहीं है.
- कभी-कभी छात्रों को प्रवेश परीक्षा भी पास करनी पड़ सकती है, जिसका आयोजन कुछ यूनिवर्सिटीज द्वारा किया जाता है.

भारत के विश्वविद्यालयों में आवेदन

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है, तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंको के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

कॅरियर

- एनवायरमेंटल या रिसोर्स मैनेजमेंट
- एग्रीकल्चर इंडस्ट्री
- सॉइल कंजर्वेशन
- क्रॉप कंसलटेंसी
- रिसर्च फील्ड
- मार्केटिंग मैनेजमेंट
- एग्रीकल्चरल फर्म
- एनवायरमेंटल कंसल्टेंसी
- रिसर्च इस्टैब्लिशमेंट
- कमर्शियल एंड इंडस्ट्रियल इंटरप्राइज
- एकेडमिक इंस्टिट्यूट
- सॉइल कंजर्वेशन डिपार्टमेंट
- एनवायरमेंट प्रोटक्शन कंपनी
- जियोलॉजिकल डिपार्टमेंट

जॉब अलर्ट

ईसीआईएल ने जूनियर टेक्नीशियन की भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है.

- पद नाम – जूनियर तकनीशियन
- पद संख्या – 1100
- अधिसूचना – जारी
- सैलरी – 22,500 रूपये
- योग्यता – आईटीआई
- नौकरी का स्थान – संपूर्ण भारत
- आवेदन मोड – ऑनलाइन
- फॉर्म भरने की तिथि – 10-16 जनवरी
- ऑफिसियल साइट – https://www.ecil.co.in/
- शैक्षणिक योग्यता – उम्मीदवार को इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक/इलेक्ट्रीशियन/फिटर के ट्रेड में आईटीआई (2 वर्ष) उत्तीर्ण होना चाहिए.

हम आगे बढ़ रहे हैं
और कैंसर को मात दे रहे हैं।

पेश है
झारखंड का सबसे उन्नत एलेक्टा वर्सा
एचडी रेडियोथेरेपी प्लेटफॉर्म

HCG – अब्दुर रज्जाक अंसारी कैंसर अस्पताल, रांची जो हमेशा से अपने उच्च कुशल विशेषज्ञों और उन्नत तकनीक के साथ कैंसर का इलाज़ करने में सबसे आगे रहा है। सबसे बेहतर तकनीक एलेक्टा वर्सा एचडी रेडिएशन थेरेपी का उपयोग करके हम पहले से भी बेहतर, कारगर, जल्दी और कुशलतापूर्वक इलाज़ कर रहे हैं।

सेवाएं

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी | मेडिकल ऑन्कोलॉजी | सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
हेमेटो ऑन्कोलॉजी | बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी | पेट-सीटी

HCG-ABDUR RAZZAQUE ANSARI CANCER HOSPITAL, NH-33, IRBA, RANCHI
06358888823 | www.hcgoncology.com

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)